रांची, मंगलवार

08.09.2026

वर्ष : 11, अंक : 277, पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में दक्षिण जोन उपायुक्त समेत पांच अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस स्थित सत्य निकेतन कॉलोनी में भवन गिरने की घटना के मामले में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त समेत पांच अधिकारियों को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। रविवार को हुए इस हादसे में अबतक सात लोगों की मौत चुकी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक बार फिर घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बचाव, राहत तथा सुरक्षा संबंधी कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल के निरीक्षण और प्रारंभिक आकलन के आधार पर घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे निमार्णाधीन अवैध निमार्णों पर निगाह रखें और उसकी शिकायत संबंधित विभाग को दें, ताकि उसके खिलाफ कार्यवाही की जा सके। निलंबित अधिकारियों में दक्षिण क्षेत्र के उपायुक्त राकेश कुमार, अधीक्षण अभियंता रणवीर सिंह, कार्यकारी अभियंता (भवन) ललित कुमार गोयल, सहायक अभियंता (भवन) सुनील चौहान और कनिष्ठ अभियंता (भवन) आशीष कुमार शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी 9 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह का वाराणसी में करेंगी शुभारंभ

नई दिल्ली। देश में पोषण और बाल विकास को जनभागीदारी से मजबूत करने के लिए 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से शुरू होगा। केंद्रीय महिला एवं

बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी महीनेभर चलने वाले इस अभियान का वाराणसी के रुद्राक्ष इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर से शुभारंभ करेंगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर और प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पोषण मंत्री बेबी रानी मौर्य भी मौजूद रहेंगी। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की थीम हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी रखी गई है। इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल और बच्चों की शुरूआती शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी का आज गुजरात और महाराष्ट्र दौरा, 35 हजार करोड़ से अधिक की सौगात देंगे

बिहान भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को गुजरात और महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह गुजरात के वडोदरा में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। इसके बाद मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 का उद्घाटन करेंगे और सभा को संबोधित करेंगे।
प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री 8 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे वडोदरा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इनमें पश्चिमी समर्पित माल गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) के तीन महत्वपूर्ण खंडों का राष्ट्र को समर्पण प्रमुख है। इन 326 किलोमीटर लंबे खंडों के निर्माण पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इनमें साणंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगांव-न्यू सफाले और न्यू सफाले-जेएनपीटी खंड शामिल हैं।
इन खंडों के शुरू होने के साथ ही समर्पित माल गलियारा नेटवर्क अपनी पूरी लंबाई में परिचालन के लिए तैयार हो जाएगा। जेएनपीए से सीधी रेल कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात माल की तेज आवाजाही संभव होगी। इससे औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों के बीच संपर्क

मजबूत होने, लॉजिस्टिक्स लागत घटने और मुंबई के रेल नेटवर्क पर दबाव कम होने की उम्मीद है।
प्रधानमंत्री न्यू साणंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव और न्यू जेएनपीटी, मुंबई से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा वडोदरा से टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी रवाना करेंगे, जिससे वडोदरा, छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जिलों के लोगों को लाभ मिलेगा।
प्रधानमंत्री छोटा उदयपुर-धार परियोजना के तहत निर्मित जोबाट-टांडा रोड नई रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह रेल लाइन अलीराजपुर के दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ेगी।
प्रधानमंत्री 329 किलोमीटर लंबी और 9,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली तीन रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन, मियागाम करजन-चोरंदा-मलसार आमान परिवर्तन तथा विश्वामित्री-डभोई दोहरीकरण परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं से यात्री और माल परिवहन क्षमता बढ़ाने, रेल मार्गों पर भीड़ कम करने तथा गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क मजबूत करने में मदद मिलेगी।
प्रधानमंत्री करीब 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड को छह लेन का बनाना, वडोदरा-सूरत खंड पर तापी और नर्मदा नदियों पर प्रमुख पुलों समेत अतिरिक्त ढांचों का निर्माण तथा एनएच-53 पर अभावा, मिंडहोला और खजोड़ जंक्शन पर ग्रेड सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है।
इसके अलावा, प्रधानमंत्री एनएच-48 के वडोदरा-सूरत सेक्शन पर सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित जगहों) की समस्या को दूर करने के लिए कंडारी चौकड़ी और लुवारा पाटिया पर छह-लेन वाले फ्लाईओवर का उद्घाटन करेंगे।
इसके अलावा प्रधानमंत्री गुजरात सरकार की करीब 2,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इनमें वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण रिंग रोड फेज-2, कडाना बांध में 110 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजना और वडोदरा नगर निगम के नए कार्यालय भवन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

क्षेत्रीय परिषद में अब हो रही जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग :शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। अमित शाह ने कहा कि क्षेत्रीय परिषद अब विवाद समाधान की जगह जनकल्याण की योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग का साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों के बीच अब कोई भी विवाद नहीं बचा है, यह एक बड़ी उपलब्धि है।
शाह ने यह भी कहा कि आज की बैठक में शामिल सभी मुद्दे मॉनीटरिंग के थे। राज्यों के बीच नदियों के कई विवाद भी क्षेत्रीय परिषद में हल किए गए हैं, बच्चों के कुपोषण, कम वजन

पर भी हम क्षेत्रीय परिषदों में काम कर रहे हैं। आधार के पेनेट्रेशन को भी मॉनीटर कर रहे हैं और आयुष्मान भारत कार्ड को सफल करने के लिए भी यहां से मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नवीन न्याय संहिताओं के क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ भारत की जंग को सफल करने के काम में भी पश्चिमी क्षेत्र को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन में भी महाराष्ट्र में 98 प्रतिशत औ? गुजरात में 92 प्रतिशत की दर से अच्छा काम हुआ है। उन्होंने कहा कि बनास डेयरी ने गोबरधन का जो मॉडल खड़ा किया है, उसे भी राज्य अपनाएं।
बैठक में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के प्रशासक प्रफुल्ल के. पटेल शामिल थे। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी परिषद की बैठक में भाग लिया।
केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी साइबर अपराधों के खिलाफ रणनीति को लगातार ह्यप्रगतिह्ल में मॉनीटर कर रहे हैं। सभी राज्यों के अर्बन कोऑपरेटिव बैंक एफसीएफआरएस से जुड़ जाएं। म्यूल हंटर एआई से एकीकृत करने के लिए कोऑपरेटिव बैंकों को प्रेरित करने की जरूरत है। सभी सहकारी बैंक क्ब्रसी से जुड़ जाएँ, इसके लिए भी हमें आगे बढ़ना होगा। अगले 2 साल में गृह मंत्रालय तटीय सुरक्षा के लिए बहुत गंभीरता से आगे आएगा। अमित शाह ने कहा कि ग्रीन ऊर्जा में भी पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के चारों राज्य भारत का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत सरकार ने डेटा सेंटर के लिए एक बहुत ल्यूक्रेटिव पॉलिसी बनाई है, इसका अधिकतम फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदें विकास और जनकल्याण के कामों में आगे बढ़ रही हैं।
अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि उन्नत पर्यटन, उच्च प्रति व्यक्ति आय और खदानों के कारण आर्थिक विकास में अपनी भौगोलिक स्थिति से कहीं अधिक योगदान गोवा का है। शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्र कई दृष्टिकोणों से अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह क्षेत्र देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है।

एशियन गेम्स के लिए झारखंड की साइकिलिस्ट सरिता कुमारी का भारतीय टीम में चयन

बिभा संवाददाता

रांची। जापान के नागोया शहर में 19 सितंबर से चार अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए झारखंड की प्रतिभाशाली साइकिलिस्ट सरिता कुमारी का चयन भारतीय साइकिलिंग टीम में हुआ है। सरिता के चयन से झारखंड के खेल जगत में खुशी और उत्साह का माहौल है। वह एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।
यह जानकारी सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र कुमार पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि सरिता कुमारी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न साइकिलिंग प्रतियोगिताओं में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा और क्षमता साबित की है। उनकी मेहनत, अनुशासन

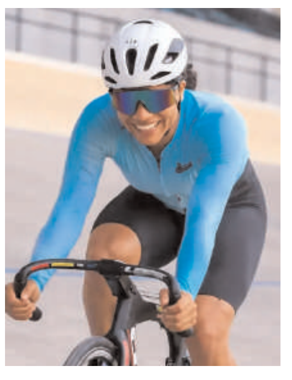

और लगातार प्रभावी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें भारतीय टीम में स्थान मिला है। झारखंड साइकिलिंग संघ ने सरिता के चयन को राज्य में साइकिलिंग खेल के बढ़ते स्तर और यहां के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान का महत्वपूर्ण प्रमाण बताया है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरिता का चयन झारखंड के उभरते साइकिलिस्टों के लिए भी प्रेरणादायक है।

महिला विधायकों को मजबूत करने से लोकतंत्र होगा मजबूत : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महिला विधायकों और महिला जनप्रतिनिधियों को सशक्त बनाने से लोकतंत्र और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए संवाद, भागीदारी और विश्वास जरूरी है। महिला जनप्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया, नीति निर्माण, कानून और बजट की बेहतर समझ विकसित कर अपने राज्यों और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।
बिरला सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।
लोकसभा अध्यक्ष ने महिला विधायकों से सार्वजनिक सेवा को समावेशी शासन मजबूत करने का माध्यम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व को मजबूत करने से शासन व्यवस्था में अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होगी और लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी।
शी इज ए चेंजमेकर पहल के तहत फरीदाबाद स्थित ताज सूरजकुंड रिजॉर्ट में ह्यमहिला जनप्रतिनिधियों के लिए लैंगिक उत्तरदायी शासनह्ल विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें देशभर से सौ से अधिक महिला विधायक और विधान परिषद सदस्य शामिल हुईं।
इस मौके पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर ने कहा कि महिला विधायक सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्रों की प्रतिनिधि नहीं हैं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सुरक्षा और सुशासन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समाज की मजबूत आवाज भी हैं।
उन्होंने कहा कि राजनीति और शासन में महिलाओं की भागीदारी से नीतियों में एक अलग और जरूरी दृष्टिकोण आता है। महिला जनप्रतिनिधियों का नेतृत्व समाज में व्यापक बदलाव का माध्यम बन सकता है। उन्होंने महिला विधायकों से अपने संवैधानिक अधिकारों और सार्वजनिक मंचों का प्रभावी इस्तेमाल करने की अपील की।

मां के इलाज के लिए हैदराबाद रवाना हुए सीएम हेमंत सोरेन

रॉंची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को अपनी मां और पूर्व सांसद रूपी सोरेन के बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद रवाना हुए। बताया जा रहा है कि रूपी सोरेन की पिछले कुछ समय से तबीयत खराब चल रही थी। मुख्यमंत्री के साथ उनकी पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन तथा बहन भी हैदराबाद गई हैं। परिवार के सदस्य रूपी सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं।

चार राज्यों की छह सीटों पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों तथा असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इन छह सीटों पर मतदान छह अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना नौ अक्टूबर को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।
आयोग के अनुसार तमिलनाडु की मदुरांतकम (अनुसूचित जाति) और धारापुरम (अनुसूचित जाति) विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होगा। पुदुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट तथा पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर भी मतदान कराया जाएगा। इसके अलावा असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर रिक्तियां संबंधित निर्वाचित सदस्यों के इस्तीफे के कारण हुई हैं।
निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार चुनाव की अधिसूचना नौ सितंबर को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी, जबकि उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे। मतदान छह अक्टूबर और मतगणना नौ अक्टूबर को होगी।
चुनाव आयोग ने कहा है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव के लिए शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची महत्वपूर्ण आधार है। संबंधित विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन फरवरी 2026 में किया जा चुका है। तमिलनाडु की दोनों सीटों के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 23 फरवरी, पुदुचेरी की सीट के लिए 14 फरवरी, पश्चिम बंगाल की दोनों सीटों के लिए 28 फरवरी और असम की नगांव लोकसभा सीट के लिए 10 फरवरी को हुआ था। हालांकि, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि तक मतदाता सूचियों को लगातार अद्यतन करने की प्रक्रिया जारी रहेगी। आयोग ने कहा है कि उपचुनाव के सभी मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों और मतदाता सत्यापन पर्ची मशीनों का इस्तेमाल किया जाएगा। मतदान सुचारू रूप से कराने के लिए पर्याप्त संख्या में मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं और सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की गई हैं।

तीनों सेनाओं के लिए 1.10 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों को केंद्र की मंजूरी

मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लिए लगभग एक लाख 10 हजार करोड़ रुपये के खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इससे भारतीय सेना के लिए केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल, हाई मोबिलिटी व्हीकल, सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद की

जाएगी। मंजूर किये गए प्रस्तावों में से लगभग 98 फीसदी खरीद भारतीय इंडस्ट्री से की जाएगी।
रक्षा बलों के अलग-अलग अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) यानी सैद्धांतिक एडमिनिस्ट्रेटिव मंजूरी मिलने से तीनों सेनाओं को नए हथियार मिलने से युद्धक क्षमता मजबूत होगी। सेना के लिए खरीदे जाने वाले केमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर रेकी व्हीकल प्रभावित क्षेत्र का पता लगाने, पहचानने, मॉनिटर करने और मार्किंग करने में सक्षम होंगे। हाई मोबिलिटी व्हीकल मुश्किल इलाकों में ऑपरेशनल क्षमता, लॉजिस्टिक सपोर्ट और मोबिलिटी को बढ़ाएंगे। इसी तरह सेल्फ-प्रोपेल्ड मैकेनिकल माइन लेयर्स मुश्किल इलाकों में तेज और रिस्पॉन्सिव माइनलेइंग के मामले में जरूरी ऑपरेशनल क्षमता हासिल करेंगे।
एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायु सेना के लिए खरीदे जाएंगे, जो सभी इलाकों और ऑपरेशनल हालात में मुश्किल मिशन पूरे करेंगे। ट्रॉल टैंक और ब्रिज सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में ऑपरेशन के दौरान लड़ने वाली टीमों को कम्पोजिट क्रॉसिंग देने के लिए किया जाएगा। नौसेना के लिए अरुधरा रडार, डिजाइन और डेवलपमेंट किया जायेगा। उसके बाद मरीन गैस टरबाइन खरीदने के लिए एओएन दिया गया। अरुधरा रडार अलग-अलग नेवल एयर स्टेशन पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लेगा और वॉरशिप प्रोपल्शन सिस्टम मैकेनिकल माइन लेयर्स विदेशी वेंडर पर निर्भरता कम करेगा।
रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में भारतीय वायु सेना के लिए फाइटर जेट, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर की युद्धक क्षमता बढ़ाने के लिए अलग-अलग प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पस जैमर खरीदने और डिफेंस फोर्स सिक्योर एक्सेस कार्ड सिस्टम लगाने को भी मंजूरी दी गई। ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पस जैमर दुश्मनों के रडार के खिलाफ असरदार जैमिंग करेगा और डिफेंस फोर्स सिक्योर एक्सेस कार्ड सिस्टम मौजूदा पेपर वाले आइडेंटिटी कार्ड/पास/परमिट को इंटर ऑपरेबल रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन-बेस्ड स्मार्ट कार्ड सिस्टम से बदल देगा।

कोकर समेत सात ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, तृणमूल सांसद नदीमुल हक से जुड़ा मामला

बिभा संवाददाता

रांची। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सदस्य मोहम्मद नदीमुल हक से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को देश के सात राज्यों में एक साथ छापेमारी की। रांची के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली और कोलकाता समेत सात स्थानों पर ईडी की कार्रवाई चल रही है।
आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, रांची के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक परिसर को भी तलाशी के दायरे में शामिल किया गया है। छापेमारी का मुख्य केंद्र कोलकाता बताया जा रहा है। ईडी की यह कार्रवाई सांप्रदायिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले कथित कंटेंट के प्रकाशन, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और सौदों के जरिए कथित फंडिंग से जुड़ी शिकायतों के सिलसिले में की जा रही है।
मामला अखबार-ए-मशरिक प्राइवेट लिमिटेड के उर्दू दैनिक में प्रकाशित कुछ सामग्री और अखबार में किए गए कथित निवेश से संबंधित है। ईडी ने विधाननगर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े तथ्य सामने आने के बाद ईडी ने कोलकाता, दिल्ली और रांची में कुल सात ठिकानों पर तलाशी शुरू की। रांची में कोकर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित अखबार-ए-मशरिक के कार्यालय में ईडी की टीम दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

महिलाओं को वोट बैंक नहीं, सौंपनी होगी नेतृत्व की कमानः सुदेश महतो

बिभा संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने कहा कि महिलाओं को केवल वोट बैंक और राजनीतिक कार्यक्रमों में भीड़ जुटाने का माध्यम समझने की मानसिकता बदलनी होगी। उन्हें नेतृत्व की कमान सौंपने के साथ-साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा। महिलाओं को मजबूत किए बिना झारखंड के समग्र विकास की कल्पना संभव नहीं है।

सोमवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित महिला संवाद एवं सदस्यता कार्यक्रम में सुदेश ने कहा कि महिला समूहों के गठन का उद्देश्य केवल बचत, लोन और रिकवरी तक सीमित नहीं था। वास्तविक लक्ष्य महिलाओं को एकजुट कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों, रोजगार, कारोबार और नेतृत्व से जोड़ना था।

सुदेश ने कहा कि हमारा लक्ष्य कमाओ दीदी की ऐसी व्यवस्था तैयार करना है, जिसमें महिलाएं घर से सम्मान के साथ 10-20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकें। इसके लिए पूंजी के साथ प्रशिक्षण, बाजार और व्यवसायिक सोच विकसित करनी होगी।

उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता से महिला की परिवार में निर्णय लेने की क्षमता और सम्मान दोनों बढ़ते हैं। घर की जमीन, बच्चों की शिक्षा और परिवार के भविष्य जैसे महत्वपूर्ण फैसलों में महिलाओं की बराबर भागीदारी होनी चाहिए।

इस अवसर पर प्रीति कुमारी, सीमा कुजूर, निशा उरांव, सुमन देवी, सरिता देवी, नेहा कच्छप, सुनीता देवी एवं उषा देवी ने कहा कि महिलाओं को वोट बैंक और भीड़ नहीं, बल्कि नेतृत्व की ताकत के रूप में देखा जाना चाहिए। महिलाओं ने समान अवसर और सम्मानजनक भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों महिलाओं ने सुदेश कुमार महतो के नेतृत्व और आजसू पार्टी की विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखकर की गई।

इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय महासचिव प्रो रविशंकर मौर्य, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, रांची जिला अध्यक्ष संजय महतो, रांची जिला महिला अध्यक्ष वीणा देवी, कांके प्रखंड अध्यक्ष अमन शहदेव, रूपाश्री गाड़ी सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री सुदीब्य कुमार सोनू को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

बेड़ोः मांडर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकताओं ने बेड़ो स्थित बिशु भगत महिला इंटर महाविद्यालय में दिवंगत पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदीब्य कुमार सोनू की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिर्की ने भी शोक सभा को संबोधित करते हुए दिवंगत नेता के साथ अपने आत्मीय संबंधों और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित कांग्रेस कार्यकताओं ने दिवंगत सुदीब्य कुमार सोनू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सुदीब्य कुमार सोनू का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि सोनू जी केवल एक जनप्रतिनिधि और कैबिनेट के साथी ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, सहज व्यक्तित्व और मार्गदर्शक के रूप में सभी के दिलों में सदैव जीवित रहेंगे। मंत्री ने कहा कि उनका जाना कांग्रेस परिवार के साथ-साथ पूरे समाज के लिए बड़ी क्षति है। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण और साथियों के प्रति आत्मीय व्यवहार लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने दिवंगत नेता के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में बेड़ो प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव, उप प्रमुख मोद्दशिर हक, मजकुर सिद्दीकी, नवल सिंह, देवनीश तिग्गा, बेरोनिका कच्छप, शमीम अख्तर, मांगा उरांव, रमेश महली, इस्तियाक, जयंत बारला, सुदामा महली, अबूमाज, परवेज आलम, सुका उरांव, आबिद अंसारी, सेरोफिना मिंज, मनकू कुजूर, दिनेश राम, फहीम हक, पंचू मिंज, मीर मुस्लिम सहित कांग्रेस के मंच-मोर्चा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल गमगीन रहा और उपस्थित कार्यकताओं ने नम आंखों से दिवंगत पूर्व मंत्री सुदीब्य कुमार सोनू को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व और योगदान को नमन किया।

संक्षिप्त खबरें

डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल में शोकसभा, दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी गई श्रद्धांजलि

बेड़ो(बिभा): झारखंड सरकार के मंत्री व वरिष्ठ झामुमो नेता सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो में शोकसभा आयोजित की गई। विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार के नेतृत्व में शिक्षकों और कर्मियों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। प्राचार्य कैलाश कुमार ने उनके निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा, युवा और सामाजिक विकास में अहम योगदान दिया। शोकसभा में विद्यालय परिवार ने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

भोजपुरी साहित्य परिषद ने किया दिव्येन्दु त्रिपाठी की पुस्तक का लोकार्पण

जमशेदपुर(बिभा)। भोजपुरी साहित्य परिषद' द्वारा तुलसी भवन में परिषद के सचिव दिव्येन्दु त्रिपाठी कृत पुस्तक ''सावन के झींसी चेतन के बिम्ब-बोधश् का लोकार्पण सह पावस काव्य संध्या का आयोजन परिषद अध्यक्ष डॉ प्रसेनजित तिवारी की अध्यक्षता एवं कोष सचिव डॉ यमुना तिवारी 'व्यथित' के संचालन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में अरका जैन विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ अंगद तिवारी तथा विशिष्ट अतिथिद्वय डॉ रागिनी भूषण एवं सुभाष चन्द्र मुनका उपस्थित रहे। मौके पर प्रधान सचिव डॉ अजय कुमार ओझा ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती के तस्वीर पर पुष्पार्पण के बाद विन्ध्यवासिनी तिवारी 'बिन्नी' के सस्वर सरस्वती वंदना से की गई । कार्यक्रम में लोकार्पित पुस्तक के चुनिंदा गीतों की सस्वर प्रस्तुति की गई। गीत प्रस्तुत करने वालों में डॉ. रागिनी भूषण, सुदीप्ता जेठी राउत, उपासना सिन्हा, वीणा पाण्डेय भारती, राजेन्द्र साह 'राज', माधवी उपाध्याय, सुतापा मुखर्जी, पद्मा झा एवं दिव्येन्दु त्रिपाठी प्रमुख रहे। कार्यक्रम को सार्थकता प्रदान की । काव्य पाठ करने वालों में सर्वश्री / श्रीमती नीलिमा पाण्डेय, डॉ संध्या सिन्हा,'व्यथित', हरिहर राय चौहान, डॉ उदय प्रताप हयात, शकुन्तला शर्मा, ममता कर्ण, आरती श्रीवास्तव, शेषनाथ सिंह शरद, सरोज सिंह मधुप, नीता सागर चौधरी एवं सुरेश चन्द्र झा प्रमुख रहे।

झारखंड ने एक सच्चे और जनप्रिय नेता को खो दियाः हिदायतुल्लाह खान

जमशेदपुर(बिभा): झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, कला-संस्कृति, पर्यटन एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के अचानक और दुखद निधन पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे झारखंड राज्य के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति बताया है। श्शअल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन हिदायतुल्लाह खान ने मंत्री का अंतिम संस्कार करके गिरिडीह से लौटते समय अपने शोक संदेश में कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू की अचानक मौत की खबर न केवल उनके परिवार और राजनीतिक साथियों के लिए बल्कि पूरे झारखंड राज्य के लिए बेहद दुखद और चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू ने अल्प अवधि में मंत्री के रूप में अपने विभागों के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने का प्रयास किया और जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया। एक विधायक के रूप में भी वे हमेशा जनता की समस्याओं को विधानसभा में पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ उठाते रहे। हिदायतुल्लाह खान ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू की राजनीति केवल सत्ता तक सीमित नहीं थी, बल्कि जनता की सेवा, राज्य का विकास और झारखंड की पहचान का संरक्षण उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल था। उनका अचानक निधन झारखंड के राजनीतिक और सामाजिक जीवन में एक ऐसा रिक्त स्थान छोड़ गया है।

भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता के खिलाफ भाजपा का चार दिवसीय आंदोलन, 24 जिलों में डीसी-एसपी कार्यालय घेरेगी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आठ से 11 सितंबर तक राज्य के 24 जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेगी और उपायुक्त (डीसी) तथा पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का घेराव करेगी। जेपीएससी, जेएसएससी, सीजीएल समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपितों की गिरफ्तारी और पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर पार्टी ने राज्यव्यापी आंदोलन की तैयारी पूरी कर ली है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने सोमवार को बताया कि प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निर्देश पर चार दिवसीय आंदोलन के लिए जिलावार प्रमुख नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये नेता संबंधित जिलों में पार्टी के आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ आठ सितंबर को गढ़वा में मौजूद रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू आठ सितंबर को रांची, नौ सितंबर को सरायकेला और 11 सितंबर को खूंटी में आंदोलन में शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी आठ सितंबर को दुमका, नौ सितंबर को पाकुड़, 10 सितंबर को साहिबगंज और 11 सितंबर को गोड्डा में मौजूद रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास आठ सितंबर को हजारीबाग, 10 सितंबर को धनबाद और 11 सितंबर को लोहरदगा में आंदोलन में शामिल होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा आठ सितंबर को जमशेदपुर, नौ सितंबर को बोकारो और 11 सितंबर को रामगढ़ में आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

अमर कुमार बाउरी ने बताया कि एसटी मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव नौ सितंबर को सिमडेगा, 10 सितंबर को गुमला और चाईबासा तथा 11 सितंबर को गिरिडीह में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र राय 10 सितंबर को चतरा और 11 सितंबर को जामताड़ा, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश नौ सितंबर को पलामू और 10 सितंबर को लातेहार में आंदोलन में शामिल होंगे। मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल नौ सितंबर को कोडरमा और पूर्व मंत्री नीरा यादव 11 सितंबर को देवघर के कार्यक्रम में शामिल होंगी।

बाउरी ने कहा कि पिछले दिनों भाजपा के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव के माध्यम से राज्य सरकार को छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का अल्टीमेटम दिया था। उनके अनुसार, राज्य सरकार की ओर से इस पर कोई पहल नहीं किए जाने के बाद भाजपा ने राज्यव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों के न्याय की लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखेगी।

जिलावार संयोजकों की भी जिम्मेदारी तय

अमर कुमार बाउरी ने बताया कि आंदोलन को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए जिलावार संयोजक भी बनाए गए हैं। रांची और देवघर की जिम्मेदारी गणेश मिश्रा, सरायकेला की बालमुकुंद सहाय, खूंटी की नीलकंठ सिंह मुंडा और दुमका की सुनील सोरेन को दी गई है। पाकुड़ के लिए कृष्णा महतो, साहिबगंज के लिए अनंत ओझा, गोड्डा और धनबाद के लिए दिलीप वर्मा, हजारीबाग, गढ़वा और पलामू के लिए भानु प्रताप शाही, लोहरदगा के लिए अमित सिंह तथा सिमडेगा के लिए मुनेश्वर साहू को जिम्मेदारी सौंपी गई है। गुमला के लिए मनीर उरांव, गिरिडीह के लिए सरोज सिंह, चाईबासा के लिए गीता कोड़ा, जमशेदपुर के लिए आभा महतो, बोकारो के लिए अमर कुमार बाउरी, रामगढ़ के लिए राकेश प्रसाद, चतरा के लिए अमरदीप यादव, जामताड़ा के लिए सुनील सोरेन, लातेहार के लिए मनीर उरांव और कोडरमा के लिए शालिनी बैसखियार को संयोजक बनाया गया है।

छह-छह जिलों में अलग-अलग दिन प्रदर्शन

प्रदेश महामंत्री ने बताया कि आंदोलन के पहले दिन आठ सितंबर को रांची, दुमका, हजारीबाग, गिरिडीह, जमशेदपुर और गढ़वा में प्रदर्शन किया जाएगा। नौ सितंबर को कोडरमा, साहिबगंज, बोकारो, पलामू, सिमडेगा और चाईबासा में आंदोलन होगा। 10 सितंबर को सरायकेला, पाकुड़, धनबाद, गुमला, लातेहार और चतरा में तथा 11 सितंबर को रामगढ़, देवघर, लोहरदगा, खूंटी, गोड्डा और जामताड़ा में प्रदर्शन एवं डीसी-एसपी कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

अजा एकादशी पर भक्ति में सराबोर हुआ श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर

रांची(बिभा): भाद्रपद कृष्णपक्ष की अजा (जया) एकादशी के पावन अवसर पर पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित दिव्यदेशी श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में सोमवार, 7 सितंबर को विशेष धार्मिक अनुष्ठान एवं व्रतोत्सव श्रद्धा-भक्ति के साथ संपन्न हुआ। दिनभर चले इस आयोजन में 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। अनुष्ठान की शुरूआत ब्रह्मांड नायक भगवान वेंकटेश्वर के विश्वरूप दर्शन, सुप्रभाती, मंगलाशासनी, करावलंबम्‌ और वेंकटेश प्रपत्ति पाठ से हुई। भगवान को गंध, पुष्प, तुलसीदल, कुंकुम और गंगाजल अर्पित कर मुद्रा बंधन के साथ विशेष आराधना की गई। मान्यता है कि इस विधि से एक बार भी पूजन करने से जातक को जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलकर वैकुंठ पद की प्राप्ति होती है। इसके पश्चात नक्षत्र, कुंभ और कर्पूर आरती उतारी गई तथा फलाहारी व्यंजनों का बालभोग लगाकर श्रुति, उपनिषद व देशिक स्तोत्रों से स्तवन किया गया। एकादशी पर दिनभर मंदिर परिसर जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन ने सेवानिवृत्त कर्मियों को दी भावभीनी विदाई

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन की ओर से सोमवार को यूनियन परिसर स्थित गोपेश्वर हॉल में मासिक विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न डिवीजनों से सेवानिवृत्त हुए कर्मियों को यूनियन की ओर से शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त कर्मी अपने परिजनों के साथ शामिल हुए और कंपनी में बिताए अपने सेवाकाल के अनुभवों को साझा किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनियन अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्वस्थ एवं सुखी जीवन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यूनियन भविष्य में भी हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी रहेगी। मंच संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया। इस मौके पर यूनियन के पदाधिकारी, कमेटी मेंबर तथा आरके सिंह फैंस क्लब के सदस्य उपस्थित थे।

समारोह में सेंट्रल मेंटेनेंस के गोपाल महतो, रियर एक्सेल से सुधीर कुमार पांडे व मोहम्मद इसरार अहमद खान, फाउंड्री से अशोक कुमार सिंह, मेडिकल सर्विसेज से गोपाल गोस्वामी, ट्रिम फैक्ट्री से राज किशोर सिंह, व्हीकल फैक्ट्री से तारिणी तरण दास, बीआईडब्ल्यू फैक्ट्री से विनोद प्रसाद व संजीव कुमार मित्रा तथा ट्रांसमिशन डिवीजन के प्रमोद नारायण चौधरी को सम्मानित कर विदाई दी गई।

यूनियन की कमेटी मीटिंग आयोजित, बोनस पर हुई चर्चा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन की कमेटी मीटिंग यूनियन के सभागार में आयोजित की गई। जिसमें अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह समेत यूनियन के तमाम पदाधिकारी एवं कमेटी मेंबर मौजूद थे। कमेटी मीटिंग में वार्षिक बोनस समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मीटिंग में उपस्थित यूनियन पदाधिकारियों एवं कमेटी मेंबरों ने बारी - बारी से बोनस समेत मेडिकल सेवा आदि पर अपने सुझाव दिए। वहीं अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद ने बेहतर बोनस कराने में यूनियन को सक्षम बताया।

महामंत्री आरके सिंह ने हाल ही में हुए रूद्राभिषेक कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सबों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यूनियन कर्मचारियों के हितों के लिए बना है। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों से जो सराहना मिलती है , यही हमारे लिए आशीर्वाद और ऊर्जा है। बोनस समय से हो इसके लिए यूनियन प्रबंधन के समक्ष तमाम सुझाओं को सूचीबद्ध कर रखेगी। उन्होंने कहा कि बोनस पर प्रबंधन के साथ वार्ता बहुत जल्द शुरू होगी। यूनियन पर जो भरोसा हमारे कर्मचारी भाईयों का है उस पर यूनियन हर संभव खरा उतरेगी। कमेटी मीटिंग को यूनियन के अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश विश्वकर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अनिल शर्मा ने किया। अंत में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कमेटी मीटिंग संपन्न हुआ।

शिक्षा मंत्री के निधन पर सबों ने दी श्रद्धांजलि।

झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के अकास्मिक निधन पर टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन परिवार द्वारा गहरा दुःख व्यक्त किया गया। यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं महामंत्री आरके सिंह समेत यूनियन के तमाम पदाधिकारी एवं कमेटी मेंबर शिक्षा मंत्री रहे स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू के चित्र पर माल्यार्पण एवं एक मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दिया।

बेड़ो में दुर्गा पूजा की तैयारी तेजः निकलेगी भव्य कलश यात्रा, प्रतिदिन संगीतमय रामकथा और भंडारे का होगा आयोजन

बिभा संवाददाता

बेड़ो। श्री श्री दुर्गा पूजा महासमिति, बेड़ो की एक महत्वपूर्ण बैठक महादानी मंदिर प्रांगण में आयोजित की गई। बैठक महासमिति के अध्यक्ष कैलाश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें महासमिति के पदाधिकारी, सक्रिय सदस्य, संरक्षक मंडल एवं बेड़ो के प्रबुद्ध ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा पूजा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूजा के प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं नवरात्र के दौरान प्रतिदिन संध्या काल में संगीतमय राम कथा का आयोजन किया जाएगा, जहां श्रद्धालु कथा श्रवण कर सकेंगे। आरती के पश्चात प्रतिदिन रात्रि में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे एवं महाप्रसाद की व्यवस्था भी की जाएगी।

बैठक के दौरान दुर्गा पूजा की अन्य तैयारियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान आकर्षक पूजा पंडाल, भव्य लाइट एवं साउंड व्यवस्था, मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमा, विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन, महानवमी के दिन डांडिया महोत्सव तथा विजयादशमी की रात भव्य जागरण आयोजित करने पर चर्चा हुई।

महासमिति के सदस्यों एवं उपस्थित ग्रामीणों ने इस वर्ष पिछले वर्षों की तुलना में अधिक आपसी सहयोग के साथ दुर्गा पूजा को भव्य एवं आकर्षक बनाने का निर्णय लिया। सभी ने संकल्प लिया कि इस बार बेड़ो में मां दुर्गा की पूजा के साथ-साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पहले से भी अधिक श्रद्धा, उत्साह और धूमधाम के साथ आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में अध्यक्ष कैलाश कुमार के अलावा विकास बंटी रौनियार, आलोक देवघरिया, राजेंद्र साहू रौनियार, संजीव दुबे, रवि शंकर प्रसाद, डॉ. रमेश प्रसाद गुप्ता, रोशन सोनी, पार्थ सोनी, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, मुकेश कुमार, विनय सोनी, साधन राय, रवींद्र वर्मा, सोमा नायक, डॉ. सुदामा वर्मा, मोतीलाल गुप्ता, रंजीत कुमार गुप्ता, अंकित सोनी, परना महतो, बीनू महतो, वाणी कुमार राय, उमेश महतो, संतोष दास, सीताराम कुमार, सुशील भगत, पंकज झील, अशोक गोप एवं अर्जुन ठाकुर समेत बेड़ो प्रखंड के कई गणमान्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

8 माह की गर्भवती प्रेमिका की गला रेतकर हत्याः शव जंगल में फेंका, प्रेमी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूंटी : अड़की थाना क्षेत्र के बारूहातू गांव की आठ माह की गर्भवती युवती की हत्या कर शव जंगल में फेंकने का मामला सामने आया है। उसका शव रविवार को मुरहू थाना क्षेत्र के पंगुरा गांव के जंगल से बरामद किया गया। पुलिस ने मामले में उसके प्रेमी सागर ओड़ेया को गिरफ्तार किया है।

परिजनों के अनुसार, सीनिता और सागर के बीच करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध था और दोनों साथ भी रहते थे। इसी दौरान सीनिता गर्भवती हो गई। परिजनों का आरोप है कि वह सागर पर अपने साथ रखने का दबाव बना रही थी। इसी बीच सागर की नजदीकी दूसरी युवती से बढ़ गई और वह उसे ढुकू प्रथा के तहत अपने घर ले आया।

बताया गया कि इसकी जानकारी मिलने के बाद सीनिता 2 सितंबर को सागर के घर पंगुरा पहुंची थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। 6 सितंबर को पंगुरा जंगल में उसका शव मिला। पोस्टमार्टम में उसके आठ माह की गर्भवती होने और गर्भ में पल रहे बच्चे की भी मौत होने की पुष्टि हुई।

मुरहू थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस ने सागर ओड़ेया को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार की है। आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह सीनिता को बहला-फुसलाकर जंगल ले गया और वहां उसकी गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बाइक चोरी गिरोह का भंडाफोड़, सात आरोपित गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के लोअर बाजार थाना पुलिस ने सदर अस्पताल के आसपास बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की चार बाइक बरामद की है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुमला निवासी इरफान अंसारी, बेड़ो निवासी मो. कैश आलम, मोसिन राय, इमरान आलम उर्फ भालो, मो. जफरूल्ला, शाहिद राय तथा गुमला जिले के सिसई निवासी सैफ अंसारी उर्फ राज के रूप में हुई है।

नगर पुलिस उपाधीक्षक (सिटी डीएसपी) केवी रमण ने सोमवार को बताया कि सदर अस्पताल के आसपास लगातार बाइक चोरी की घटनाएं हो रही थीं। इसे देखते हुए वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर अस्पताल के आसपास तैनात टाइगर मोबाइल, पीसीआर और माइक टीम को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया था।

इसी क्रम में पुलिस को सदर अस्पताल परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति के बाइक चोरी की फिराक में घूमने की सूचना मिली। पुलिस ने सूचना का सत्यापन करते हुए संदिग्ध को अस्पताल परिसर से पकड़ा। उसकी निशानदेही और कथित स्वीकारोक्ति के आधार पर चार चोरी की बाइक बरामद की गईं। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी लव कुमार सिंह, संतोष कुमार रजक, देवानंद कुमार यादव, दीपक किशोर तिवारी, सुधीर बाड़ा, रंजीत कुमार, अजय कुमार सिंह समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर रांची विश्वविद्यालय में शोक सभा, दी श्रद्धांजलि

रांची। रांची विश्वविद्यालय में सोमवार को दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौलाना आजाद सीनेट हॉल में आयोजित शोक सभा में कुलपति प्रो. सरोज शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू के निधन से विश्वविद्यालय ने एक ऊर्जावान, कर्मठ और संवेदनशील व्यक्तित्व को आकस्मिक खो दिया है। यह राज्य और विश्वविद्यालय के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि क्लस्टर सिस्टम के मुद्दे पर मंत्री ने विश्वविद्यालय की समस्याओं को सुनकर सार्थक पहल की थी।

विधायक पुत्र से छात्रों ने की मारपीट, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

रांची। शहर के धुर्वा थाना क्षेत्र में एमिटी यूनिवर्सिटी के मेन गेट के बाहर सोमवार को शराब के नशे में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस विवाद के दौरान लोजपा विधायक जनार्दन पासवान के पुत्र सौरभ पासवान भी मौके पर मौजूद थे। घटना के बाद विधायक की ओर से पुत्र के अपहरण की सूचना पुलिस को दिए जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नये विधानसभा के पास से विधायक पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक विधायक पुत्र ने भी शराब पी रखी थी। रांची सिटी एसपी पारस राणा ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि एमिटी यूनिवर्सिटी के कुछ छात्र मेन गेट के बाहर शराब पी रहे थे। इसी दौरान छात्रों के दूसरे गुट से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों गुटों के बीच जमकर हाथापाई हुई।

बताया जा रहा है कि इस दौरान सौरव पासवान के साथ भी मारपीट की गई। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि लोजपा विधायक जनार्दन पासवान ने फोन कर अपने पुत्र के अपहरण की सूचना दी थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई।

सिटी एसपी ने बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि छात्रों के दूसरे गुट के युवक सौरभ पासवान को अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गए थे। बाद में उन्हें नई विधानसभा के पास रास्ते में उतार दिया गया। पुलिस ने सौरभ पासवान को रिकवर कर थाने पहुंचाया।

सिटी एसपी पारस राणा ने कहा कि शुरूआती जांच में मामला अपहरण का नहीं लग रहा है। प्रथम दृष्टया जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक पूरी घटना शराब के नशे में छात्रों के बीच हुए विवाद और मारपीट से जुड़ी है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, सौरभ पासवान के साथ मारपीट करने वाले युवकों की पहचान कर ली गई है। पुलिस उनकी भूमिका की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। सिटी एसपी ने कहा कि एफआईआर के आधार पर मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है। यूनिवर्सिटी गेट के बाहर शराब पीने और उसके बाद छात्रों के बीच हुए विवाद ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस तीन छात्रों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा के संस्थापक सदस्य गोरखनाथ मिश्र का निधन

रांची(बिभा): सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के संस्थापक सदस्यों में शामिल एवं धुर्वा नर्स कॉलोनी निवासी पंडित गोरखनाथ मिश्र का रविवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से हड्डी संबंधी समस्या के चलते भर्ती थे। सोमवार को सिठियो मुक्ति धाम में उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ, जहां उनके बड़े पुत्र अजय मिश्र ने मुखाग्नि दी। पंडित गोरखनाथ मिश्र का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से लंबा जुड़ाव रहा। वे धुर्वा क्षेत्र में संघ की शाखा शुरू करने वाले प्रारंभिक स्वयंसेवकों में शामिल थे और 1970 के दशक में नगर शारीरिक प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके साथ ही ब्रह्मचारी आश्रम के समीप सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के शुरूआती संचालन, विकास और व्यवस्था में भी उनकी अहम भूमिका रही। उनके निधन पर अक्षय सिंह, स्वयंसेवक अनिल कुमार झा, शिव गोविन्द पांडेय, शिवनंदन राम, अखिलेश्वर नाथ मिश्र, सतीश कुमार सिंह, डॉ. रंजीत कुमार सिंह, सुनील कुमार पांडेय, लाल आशीष नाथ शाहदेव, सुनील दत्त सिंह, शंकर प्रसाद शुक्ल और अमरकांत झा सहित एचईसी क्षेत्र के सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके सेवाभावी जीवन को नमन किया।

प्राचीन श्रीराम मंदिर चुटिया में 11 अक्टूबर से शुरू होगा रामायण नवाह्न महायज्ञ

रांची(बिभा): प्राचीन श्रीराम मंदिर, चुटिया में हनुमान दल सत्संग सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में 'कुंवारी कन्याओं द्वारा रामायण पाठ एवं संस्कार निर्माण महायज्ञ 2026' तथा दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह 10 दिवसीय महायज्ञ 11 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होकर नित्य सुबह 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक चलेगा। महायज्ञ के पहले दिन 11 अक्टूबर को प्रातः 7:00 बजे कलश स्थापना, नवग्रह पूजन, ध्वजारोहण तथा प्रथम देवी मां शैलपुत्री की विधिवत पूजा-अर्चना व पुष्पांजलि की जाएगी। इसके उपरांत प्रतिदिन सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक कुंवारी कन्याओं द्वारा सस्वर रामायण पाठ किया जाएगा। अनुष्ठान के दौरान व्यास श्री सत्यनारायण स्वामी जी महाराज एवं बंगाल से आमंत्रित भजन मंडली द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए सभा के अध्यक्ष विजय साहू, कार्यकारी अध्यक्ष उमंग साहू, उपाध्यक्ष विजय तिर्की, सचिव हरिशंकर शर्मा व नीरज कुमार, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार व संकेत कुमार, सह सचिव अनीश राज, सक्षम, ऋषि, गोलू साहू, राहुल, आयुष, विकास साहू सक्रिय हैं। वहीं संरक्षक नरेश साहू, रामकुमार, प्राण किशोर सिंह, राकेश साहू, विजय राम तथा सदस्य अजय ठाकुर, आदित्य मोहन, नीलकंठ और आदित्य श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य तैयारियों में जुटे हैं।

अग्रसेन भवन में 12 से 18 सितंबर तक श्रीमद्भागवत कथा, व्यास दिनेश भारद्वाज कराएंगे अमृत वर्षा

रांची(बिभा): सर्राफ परिवार के तत्वावधान में 12 से 18 सितंबर 2026 तक महाराजा अग्रसेन भवन, सेवा सदन रोड में सात दिवसीय 'श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथाव्यास श्री दिनेश जी भारद्वाज प्रतिदिन अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक कथा सुनाएंगे। 12 सितंबर को सुबह 10 बजे कलश यात्रा से इसका शुभारंभ होगा। 18 सितंबर को सुबह 10 बजे से विशेष कथा, पूणार्हुति और दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद वितरण के साथ महोत्सव संपन्न होगा।

चोरी का खुलासा, पांच गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। पुलिस ने कांके थाना क्षेत्र में चोरी के एक बड़े मामले का त्वरित कार्रवाई करते हुए सफल उद्भेदन किया है। पुलिस ने मामले में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से सोने-चांदी की ज्वेलरी, मोबाइल फोन और नकदी बरामद किए गए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 06 सितंबर को कांके थाना पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बोडेया में चोरी का प्रयास करते ग्रामीणों ने दो चोरों को पकड़ा है। सूचना मिलते ही कांके थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपितों को लेकर थाना ले आई। पूछताछ में आरोपितों ने अपना नाम विवेक तिर्की और संजू टोप्पो बताया। दोनों अरसंडे, कांके क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पूछताछ में दोनों आरोपितों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। उन्होंने पूर्व में की गई चोरी की घटनाओं का खुलासा किया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने अनुसंधान के क्रम में उनके तीन अन्य साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में गोरिस तिर्की, साहिब अंसारी उर्फ बानू और नासिर अंसारी उर्फ पप्पू शामिल हैं।

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण, कई मोबाइल फोन और नकद राशि बरामद की है। पुलिस अब आरोपितों से पूछताछ कर चोरी की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

इस कार्रवाई में कांके थाना प्रभारी कुणाल कुमार के नेतृत्व में उप-निरीक्षक राजकुमार तिग्गा, सतीश कुमार, अरविंद कुमार, प्रवीण रजक, गंगाधर सिंह, एएसआई मंगल हेम्ब्रम और थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कराया दिल का चेकअप कहा, सीने की बेचैनी को नजरअंदाज न करें

रांची। वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर सोमवार को अपने रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए रिम्स पहुंचे। उन्होंने रिम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में अपने हृदय की जांच कराई। चेकअप के बाद वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने लोगों से हृदय की सेहत को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि सीने में बेचैनी, दर्द या किसी अन्य तरह की परेशानी को केवल गैस की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना देरी किए चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए और आवश्यक जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से किसी गंभीर बीमारी की पहचान शुरूआती स्तर पर की जा सकती है और उसके खतरे को कम किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही नहीं बरतने और नियमित रूप से अपनी सेहत की जांच कराने की अपील की। चिकित्सकों ने आवश्यक जांच के बाद उनकी स्वास्थ्य स्थिति सामान्य बताई। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत ने बताया कि वित्तमंत्री की सभी जांच रिपोर्ट सामान्य हैं। फिलहाल उनकी सेहत को लेकर किसी तरह की गंभीर परेशानी नहीं मिली है। इस दौरान कार्डियोलॉजी विभाग के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामले में सीआईडी ने पटना से राजन कुमार को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। जेएसएससी-सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा गड़बड़ी मामले में जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की एसआईटी ने सोमवार को एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। टीम ने पटना निवासी राजन कुमार को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने जेएसएससी - सीजीएल के कई अभ्यर्थियों को पश्चिम बंगाल के नियामतपुर के एक होटल में ले जाकर परीक्षा के प्रश्नों एवं उत्तरों को रटवाया गया था। इस प्रक्रिया के माध्यम से कई अभ्यर्थियों को परीक्षा में अनुचित लाभ पहुंचाया गया तथा उनमें कुछ अभ्यर्थी परीक्षा में सफल भी हुए।

राजन पर मामले में बिचौलिये की भूमिका निभाने का आरोप है। मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपियों और कुछ अभ्यर्थियों से पूछताछ के दौरान राजन कुमार का नाम सामने आया था। पूछताछ में मिली जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी ने उसकी भूमिका की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान राजन कुमार के मामले से जुड़े होने के सुराग मिलने के बाद एसआईटी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उससे पूछताछ कर रही है। पूछताछ में परीक्षा विवाद से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है। यह मामला सीआईडी थाना कांड संख्या 01/2025 से जुड़ा है।

रिम्स में सुरक्षा व्यवस्था होगी चाक-चौबंद: क्यूआरटी का गठन, वॉकी-टॉकी से लैस होंगे गार्ड

बिभा संवाददाता

रांची: अस्पताल परिसर में मरीजों व परिजनों के साथ आए दिन होने वाली झड़प और सुरक्षा संबंधी घटनाओं को देखते हुए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) प्रबंधन ने कड़ा रुख अपनाया है। निदेशक प्रो. डॉ. डी. के. सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में चिकित्सा अधीक्षक, अपर चिकित्सा अधीक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, डीएमएस सहित होमगार्ड, एसएपी और जैप के अधिकारी मौजूद रहे। निदेशक ने निर्देश दिया कि ट्रॉमा सेंटर, मेडिसिन, सर्जरी, आईसीयू और सुपरस्पेशियलिटी ब्लॉक जैसे अति-संवेदनशील व क्रिटिकल क्षेत्रों में तीनों पालियों में पर्याप्त सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाएं। सुरक्षा निगरानी को प्रभावी बनाने के लिए अस्पताल को अलग-अलग विंगों में बांटकर प्रत्येक विंग का प्रभारी अधिकारी नामित किया जाएगा।

आपात स्थितियों से तत्काल निपटने के लिए 24घंटे क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया जाएगा और सुरक्षाकर्मियों के बीच त्वरित संवाद के लिए वायरलेस वॉकी-टॉकी सिस्टम लागू होगा। इसके अलावा पारदर्शिता के लिए डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर गार्डों का ड्यूटी रोस्टर प्रदर्शित किया जाएगा। सुरक्षाकर्मियों की नियमित ब्रीफिंग के साथ हर रविवार को विशेष परेड आयोजित होगी।

बैठक में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने भी अपनी समस्याएं रखीं, जिस पर निदेशक ने उनसे विस्तृत प्रतिवेदन सौंपने को कहा ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। निदेशक ने स्पष्ट किया कि मरीजों, परिजनों, डॉक्टरों और सभी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अस्पताल में सुरक्षित व शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए लगातार समीक्षा की जाएगी।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता पर कार्रवाई नहीं होने से सीआईडी जांच की निष्पक्षता पर सवाल : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जेएसएससी-सीजीएल मामले की जांच को प्रभावित करने, उसे गलत दिशा में ले जाने और डिजिटल साक्ष्य नष्ट कराने के आरोपों से घिरे अनुराग गुप्ता पर कार्रवाई करने में मुख्यमंत्री की हिचकिचाहट कई सवाल खड़े करती है।

मरांडी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि आखिर ऐसी क्या वजह थी कि अनुराग गुप्ता छात्रों की ओर से लगाए गए पेपर लीक के आरोपों को गलत साबित करने पर आमादा थे। उन्होंने सवाल किया कि वे खुले तौर पर मीडिया के सामने आकर इन आरोपों को खारिज करने की कोशिश क्यों कर रहे थे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि झारखंड के छात्र और बेरोजगार आज यही सवाल पूछ रहे हैं। जिस अधिकारी की भूमिका पर जांच को प्रभावित करने के गंभीर सवाल उठ रहे हों, उस पर कार्रवाई किए बिना सीआईडी की जांच और उसकी निष्पक्षता पर भरोसा कैसे किया जा सकता है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि उन्हें राज्य के लाखों युवा बेरोजगारों के भविष्य की चिंता है तो इस मामले में हिम्मत दिखानी चाहिए। अनुराग गुप्ता की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोष साबित होने पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मरांडी ने कहा कि जांच से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई नहीं होगी और उन्हें सजा नहीं मिलेगी, तो भविष्य में किसी अधिकारी को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने से डर नहीं लगेगा।

ज्ञान का प्रकाश ही सच्ची साक्षरता और समावेशी विकास की पहचान

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस आज

संजय सर्राफ

हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हर वर्ष 8 सितंबर को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस केवल पढ़ने-लिखने की क्षमता के महत्व को रेखांकित करने का अवसर नहीं है,बल्कि शिक्षा को मानव अधिकार, सामाजिक समानता, आत्मनिर्भरता और बेहतर भविष्य की आधारशिला के रूप में स्थापित करने का संदेश भी देता है। यूनेस्को ने 1966 में 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया और वर्ष 1967 से इसका आयोजन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की पृष्ठभूमि वर्ष 1965 में तेहरान में आयोजित विश्व शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से जुड़ी है। इस सम्मेलन में निरक्षरता उन्मूलन के लिए वैश्विक प्रयासों को मजबूत करने पर बल दिया गया था। इसके बाद यूनेस्को के 14वें महासम्मेलन ने 8 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के रूप में औपचारिक मान्यता प्रदान की। भारत सरकार भी स्वतंत्रता के बाद से साक्षरता को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानती रही है तथा वर्ष 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरूआत की गई थी।साक्षरता का अर्थ केवल अक्षर पहचानना या अपना नाम लिख लेना नहीं है। आधुनिक युग में साक्षरता का दायरा पढ़ने-लिखने के साथ-साथ समझने, तार्किक विचार करने, जानकारी का सही उपयोग करने, डिजिटल माध्यमों को समझने

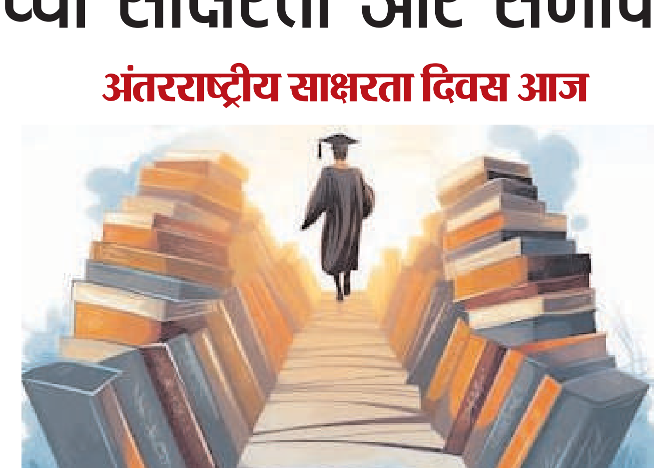

और सही-गलत सूचनाओं में अंतर करने तक विस्तृत हो गया है। आज के डिजिटल युग में डिजिटल एवं मीडिया साक्षरता भी अत्यंत आवश्यक है। यूनेस्को भी साक्षरता को व्यापक ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जीवनभर सीखने की क्षमता से जोड़ता है। इस दिवस का प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना, निरक्षरता के प्रति जागरूकता पैदा करना, बच्चों को विद्यालय से जोड़ना, वयस्क शिक्षा को बढ़ावा देना तथा महिलाओं और वंचित वर्गों को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना है। साक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर ढंग से समझ सकता है, रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकता है और सामाजिक एवं आर्थिक विकास में प्रभावी योगदान दे सकता है।साक्षरता सामाजिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम भी है। शिक्षा व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा करती है और उसे अंधविश्वास, भेदभाव तथा शोषण के विरुद्ध जागरूक बनाती है। एक शिक्षित परिवार अपने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य के प्रति अधिक सजग होता है। इस प्रकार एक व्यक्ति की साक्षरता पूरे परिवार और समाज के विकास का आधार बन सकती है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ है। तथा इस वर्ष का थीम है- लोगों,पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता। इस अवसर पर दुनिया भर में साक्षरता की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की आवश्यकताओं पर चर्चा की जा रही है।आज भी विश्व में करोड़ों युवा और वयस्क बुनियादी साक्षरता कौशल से वंचित हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि शिक्षा किसी व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, लिंग, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। हर व्यक्ति तक ज्ञान का प्रकाश पहुंचाना ही सच्ची साक्षरता और समावेशी विकास की पहचान है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. : टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-24, दिनांक 04.09.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस तथा वित्तीय रूप से कार्य सम्पन्न करने की क्षमता रखने वाले अपेक्षित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा केस सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2026-27-24, कार्य का नामः** आसनसोल मंडल - एंटी-क्लाइम्बिंग उपकरण, एंटी-बर्ड डिस्क, डबल कंटैक्ट वायर इत्यादि के प्रावधान तथा अन्य विश्वसनीयता सुधार उपायों द्वारा ओएचई की विश्वसनीयता में सुधार। **निविदा मूल्यः** रु. 4,14,10,029.94; **बयाना राशिः** रु. 8,28,200; **कार्य समापन अवधिः** स्वीकृति पत्र के जारी किए जाने की तारीख से 12 (बारह) महीने। **खुलने की तारीख एवं समयः** 05.10.2026 को 15.00 बजे। **कार्य के लिए प्रस्तावों की वैधताः** खुलने की तारीख से 60 दिन। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

(ASN-247/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

वन सुरक्षा समिति की मांग पर बढ़ी मुआवजा राशि, बोकारो जिले में नए प्रावधान का पहला मामला

जंगली जानवर के हमले में मौत पर अब 10 लाख मुआवजा: मृतका के आश्रित को मिले 50 हजार तत्काल

बिभा संवाददाता

कसमार (बोकारो): राज्य सरकार के नए नियम के तहत जंगली जानवरों के हमले में जान गंवाने वालों के आश्रितों को अब कुल 10 लाख रुपये तक की मुआवजा राशि दी जाएगी। बोकारो जिले में इस संशोधित प्रावधान के तहत मुआवजे का यह पहला मामला सामने आया है। दुगार्पुर ललमटिया निवासी बुधनी देवी की जंगली सियार के हमले के बाद रिम्स, रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। सोमवार को वन विभाग और सरकार की ओर से मृतका के पति बनमाली महतो को तत्काल राहत के तहत क्रियाकर्म के लिए 50 हजार रुपये की नकद सहायता प्रदान की गई।

मुआवजा प्रक्रिया के तहत कागजी औपचारिकताएं पूरी होते ही आश्रित को शेष 9 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा। इसमें 4 लाख 50 हजार रुपये का चेक और 5 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट शामिल है। इसके अतिरिक्त आश्रित को अगले तीन वर्षों तक हर महीने 2 हजार रुपये की सहायता राशि भी दी जाएगी।

वन बचाव समिति (उत्तरी छोटानागपुर) के अध्यक्ष विष्णु चरण महतो ने कहा कि समिति लंबे समय से पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजा बढ़ाने की मांग कर रही थी। उन्होंने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए शेष राशि के त्वरित भुगतान और सीमावर्ती गांवों में वन्यजीवों की निगरानी बढ़ाने की अपील की। केंद्रीय कोषाध्यक्ष आनंद कुमार महतो, भाजपा मंडल महामंत्री अनीश कुमार जायसवाल और पूर्व पंचायत समिति सदस्य रामकिशुन महतो ने इस कदम को संवेदनशील बताते हुए वन विभाग से गांवों में नियमित गश्त और जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके। मौके पर वनरक्षी सुरेश टुडू, जगदीश महतो, देवनाथ महतो, प्रधान सुनीता देवी समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

बीएसएल के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो स्टील प्लांट में सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ करने, सुरक्षित कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा 07 से 12 सितंबर 2026 तक ह्यसुरक्षा सप्ताहह्न का आयोजन किया जा रहा है। कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में आयोजित सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल) तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं संविदा कर्मी उपस्थित थे।

सुरक्षा सप्ताह के दौरान चार प्रमुख विषयों ह्यपीपलह्न, ह्यलाइन ऑफ फायरह्न, ह्यमाय एरिया - माय रिस्पॉन्सिबिलिटीह्न तथा ह्यसेफ्टी कल्चरल ट्रांसफॉर्मेशनह्न पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इन विषयों के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामूहिक सुरक्षा उत्तरदायित्व, संभावित खतरों की पहचान एवं उनकी रोकथाम, सुरक्षित कार्य पद्धतियों के अनुपालन तथा कार्यस्थल पर सकारात्मक एवं सतत सुरक्षा संस्कृति विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि सुरक्षा केवल किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि कार्यस्थल से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्य के दौरान निरंतर सतर्कता बरतने, संभावित खतरों की समय रहते पहचान करने तथा निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं तथा मानकों का कड़ाई से पालन करने पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के प्रति उत्कृष्ट प्रतिबद्धता एवं जागरूकता प्रदर्शित करने वाले कर्मियों को मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल) एवं मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, सुरक्षा गतिविधियों एवं सहभागिता आधारित पहलों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों में निरंतर सुधार लाने के लिए कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। सप्ताहभर चलने वाली इन पहलों का उद्देश्य न केवल सुरक्षित कार्य वातावरण का निर्माण करना है, बल्कि सुरक्षा को दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना भी है।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने मनाया शिक्षक दिवस

बोकारो(बिभा)। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर बोकारो के 15 विभिन्न विद्यालयों के 30 समर्पित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक विद्यालय से दो शिक्षकों का चयन उनके प्रधानाचार्यों द्वारा उनकी मेहनत, समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन पूनम त्रेहान के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों के जीवन को सही दिशा देने और एक बेहतर समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का सुरुचिपूर्ण एवं गरिमापूर्ण संचालन रोटेरियन चंद्रिमा रे ने किया। उन्होंने शिक्षकों के प्रति अपने भावपूर्ण विचार साझा किए और पूरे कार्यक्रम को आनंदमय एवं यादगार बना दिया। इस अवसर पर क्लब परिवार से जुड़ी शिक्षिकाओं रोटेरियन चंद्रिमा रे, नीलम दास, राखी बनर्जी, डॉ. अनिल त्रेहान एवं नमिता श्रीवास्तव के साथ-साथ रोटरी प्ले ग्रुप तथा क्लब के गोद लिए हुए गांव के प्ले स्कूल के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। शिक्षकों के लिए रोटेरियन चंद्रिमा रे द्वारा मनोरंजक एवं रोचक खेलों का आयोजन किया गया, जिससे पूरे माहौल में हंसी, खुशी और उत्साह का संचार हुआ। इन मनोरंजक कार्यक्रमों को रोटेरियन नीलम दास, सुनीता जैन एवं खोनेन लियू का सहयोग प्राप्त हुआ।

कोनार नदी में डूबने से सीसीएल कर्मी की मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

गोमिया (बोकारो)(बिभा)। गोमिया थाना क्षेत्र के स्वांग बासरी निवासी एवं सीसीएल कर्मी एतवा मुंडा (फोरमैन) की कोनार नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एतवा मुंडा सीसीएल की स्वांग बासरी इकाई में फोरमैन के पद पर कार्यरत थे। सोमवार को अचानक उनकी कोनार नदी में डूबने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही गोमिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर लिया। शव को कब्जे में लेने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं ताकि मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। दुर्घटना की खबर सुनते ही मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोग और सहकर्मी भी शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके आवास पर पहुंच रहे हैं।

कसमार में छाई लदा हाइवा पलटा, चालक-उपचालक सुरक्षित

कसमार (बोकारो) (बिभा) : कसमार प्रखंड के जमाकुदर स्थित फुटलबांध के समीप कसमार-बरलंगा मुख्य पथ पर बुधवार को छाई लदा हाइवा अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात रही कि वाहन में सवार चालक और उपचालक बाल-बाल बच गए। दोनों को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाइवा फुटलबांध के समीप मोड़ पार कर आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान वाहन के किसी पार्ट-पुर्जे में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और हाइवा सड़क किनारे जाकर पलट गया। हादसे में वाहन को नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और चालक व उपचालक का हाल जाना। दोनों के सुरक्षित मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। बताया गया कि हाइवा कोलकाता-वाराणसी एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए छाई लेकर जा रहा था।

चास के पुराना बाजार स्थित मछली पट्टी में भूमि विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, युवक घायल

चास (बोकारो) (बिभा): चास के पुराना बाजार स्थित मछली पट्टी में भूमि विवाद को लेकर सोमवार को दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मनभूलू धीवर के रूप में हुई है, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल मनभूलू धीवर ने बताया कि उक्त भूमि को लेकर पूर्व से विवाद चल रहा है। आरोप है कि कुछ लोग उनकी जमीन पर जबरन घर बनाने का प्रयास कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया और पूछताछ करने पहुंचे तो चार लोगों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। मनभूलू धीवर के अनुसार, आरोपितों ने रॉड और चाकू से हमला किया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकों ने उनके सिर में चार टांके लगाए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के बीच चल रहे विवाद को शांत कराया। इसके बाद घायल को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हॉस्टल में चोरी की नीयत से घुसे तीन युवकों ने संचालक समेत तीन पर चाकू से किया हमला, एक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चीराचास (बोकारो)। बोकारो के चीराचास थाना क्षेत्र में रविवार रात चोरी की नीयत से क्रिएटिव बॉयज हॉस्टल में घुसे तीन अज्ञात युवकों ने हॉस्टल संचालक रजत कुमार समेत तीन कर्मचारियों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में रजत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दो स्टाफ सदस्य भी घायल हुए।

हॉस्टल मैनेजर कुलदीप कुमार सिंह के अनुसार, रविवार की देर शाम पांडेपुर के पास उत्सव वाटिका में हॉस्टल का वार्षिक मीटिंग और काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में हॉस्टल के छात्र, स्टाफ और संचालक रजत कुमार मौजूद थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी बच्चों को हॉस्टल छोड़कर वापस लौटे। हॉस्टल पहुंचने पर उन्होंने देखा कि परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे का तार कटा हुआ है। जैसे ही गेट खोला गया, अंदर से तीन अज्ञात युवक बाहर निकलने लगे। हॉस्टल संचालक और स्टाफ ने शोर मचाते हुए युवकों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान तीनों ने चाकू निकाल लिया और हमला कर दिया।

हमले में रजत कुमार को कान के पास, बांह और जांघ में चाकू लगा है। घाव गहरा होने के कारण डॉक्टरों ने तत्काल माइनर सर्जरी की सलाह दी। रजत कुमार को इलाज के लिए रात में ही मेडिकेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं दो स्टाफ भी घायल हुए हैं।

रजत कुमार के भाई राहुल कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही परिवार अस्पताल पहुंचा। मौके पर मौजूद लोगों ने एक आरोपी युवक को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य युवक भागने में सफल रहे। पकड़े गए युवक की भीड़ ने पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही चीराचास थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस फरार दोनों आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पुपुनकी गांव में मातम का माहौल, सारा तबस्सुम के जनाजे में उमड़ा जनसैलाब

बिभा संवाददाता

बोकारो। रामगढ़ के चुटूपालू घाटी में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में जान गंवाने वाली सारा तबस्सुम (45) को सोमवार को नम आंखों के साथ सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। बोकारो के पुपुनकी गांव में उनके निधन से मातम का माहौल रहा। शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने के लिए दिनभर सैकड़ों की संख्या में सगे-संबंधी, ग्रामीण और शुभचिंतक उनके आवास पहुंचते रहे.

घटना की जानकारी मिलने के बाद सोमवार को डुमरी विधायक जयराम महतो पुपुनकी गांव पहुंचे और मृतका के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी।

विधायक जयराम महतो ने शोकाकुल परिवार से मिलकर घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी भी ली।

गौरतलब है कि रविवार को रांची-रामगढ़-पटना नेशनल हाईवे स्थित चुटूपालू घाटी में ब्रेकफेल कंटेनर ने आगे चल रही कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में पुपुनकी निवासी सारा तबस्सुम (45) की मौत हो गई थी, जबकि कार में सवार पांच अन्य लोग घायल हुए थे।

घटना के बाद से पुपुनकी गांव में शोक का माहौल है। विधायक के पहुंचने पर ग्रामीणों एवं परिजनों ने उनका आभार जताया। मृतका के जनाजे में भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। सैकड़ों लोगों ने जनाजे में शामिल होकर उन्हें अंतिम विदाई दी और उनकी मगफिरत के लिए दुआ की। पूरे गांव में गमगीन माहौल रहा और हर किसी की जुबान पर हादसे की चर्चा रही।

बोकारो सेल प्रबंधन मजदूर विरोधी : राजेन्द्र सिंह

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को सेल/बोकारो इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ (एचएमएस) के तत्वावधान में ठेका मजदूरों की एक विशाल आम सभा आयोजित की गई।

सभा को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री सह सदस्य एनजेसीएस राजेन्द्र सिंह ने कहा कि आज बोकारो सेल प्रबंधन पूरी तरह से मजदूर विरोधी हो चुका है। चाहे नियमित मजदूर हो या ठेका मजदूर, सभी का शोषण चरम पर है।

श्री सिंह ने कहा कि सहायक श्रमायुक्त के स्पष्ट निर्देश के बावजूद आज तक ब्लास्ट फर्नेस नंबर-1 में तीन मजदूरों का गेट पास नहीं बनाया गया है। प्रबंधन की मंशा साफ है - जो मजदूर पैसा वापस (कट मनी) करेगा उसका गेट पास बनेगा और जो कट मनी वापस नहीं करेगा उसे छँटनी की आड़ में धीरे-धीरे बाहर कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, लेकिन जहाँ मजदूर एकताबद्ध हैं और यूनियन के साथ हैं, वहाँ हमने किसी भी प्रकार की छँटनी लागू नहीं होने दी है। कोक-ओवन, ब्लास्ट फर्नेस और यातायात विभाग में आज भी यूनियन के नेतृत्व में बिना किसी छँटनी के पुराने मजदूर सम्मान के साथ काम पर हैं। एकता की शक्ति का ही परिणाम है कि कोक-ओवन में छँटनी तो दूर, न्यूनतम वेतन के अतिरिक्त 8% इंसेंटिव मिलता है।

श्री सिंह ने मजदूरों से आह्वान किया कि समय गंभीर है, सभी एकताबद्ध होकर एकजुट रहें। यूनियन आपके लिए आखिरी दम तक लड़ाई लड़ेगी। हमारे सामने स्किल्ड मजदूरों का परिवार सहित इलाज, समयबद्ध ग्रेड प्रमोशन, अवैध छँटनी, ब्लास्ट फर्नेस में बेतहाशा डस्ट जैसी अनेकों गंभीर समस्याएँ हैं। यूनियन का रोडमैप तैयार है, कमर कस लीजिये, अब आर-पार की लड़ाई होगी।

सभा को श्री सिंह के अलावा आर.के. सिंह, शशिभूषण, संतोष कुमार, बासुदेव कुंभार, प्रमोद कुमार,अरूण भगत, शंकर विश्वकर्मा,देवेन्द्र कुमार आदि ने भी संबोधित किया।

ईएसएल स्टील ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों और मार्गदर्शकों को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो : ईएसएल स्टील लिमिटेड ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने सीएसआर कार्यक्रमों के तहत विभिन्न स्थानों पर कई गतिविधियों का आयोजन किया. इस दौरान शिक्षकों, प्रशिक्षकों और मार्गदर्शकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया गया, जो बच्चों और युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

प्रोजेक्ट शिक्षा के तहत संचालित 8 लर्निंग रिसोर्स सेंटर (एल आर सी) और 12 नंदघरों में 900 से अधिक बच्चों ने शिक्षक दिवस मनाया. बच्चों ने क्विज, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में हिस्सा लिया. इस दौरान बच्चों ने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें उपहार भी दिए।

ईएसएल स्टील की आर्चरी अकादमी में भी शिक्षक दिवस मनाया गया. यहां युवा तीरंदाजों ने अपने कोच और मार्गदर्शकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया. अकादमी की शुरूआत से अब तक 56 तीरंदाजों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है.

इस अवसर पर रवीश शर्मा, सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कहा शिक्षक हमारे बच्चों के भविष्य को बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वे सिर्फ पढ़ाते ही नहीं हैं, बल्कि बच्चों को सही दिशा दिखाते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं. ईएसएल स्टील में हम शिक्षा और युवाओं के विकास को बहुत महत्व देते हैं. प्रोजेक्ट शिक्षा और ईएसएल आर्चरी अकादमी के माध्यम से हमारा प्रयास है कि बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने के बेहतर अवसर मिलें। शिक्षक दिवस पर हम सभी शिक्षकों और प्रशिक्षकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं.

शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 930 से अधिक लाभार्थियों ने भाग लिया। ईएसएल स्टील के प्रोजेक्ट शिक्षा के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 1,548 विद्यार्थियों को लाभ मिला है. वहीं, वेदांता एएएस विद्यालय के माध्यम से शुरूआत से अब तक 1,700 से अधिक लाभार्थियों तक शिक्षा और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं पहुंचाई गई हैं.

इन पहलों के माध्यम से ईएसएल स्टील शिक्षा, खेल और युवा विकास को बढ़ावा देते हुए आसपास के समुदायों के बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है.

पिंड्राजोरा में कोटपा उल्लंघन पर पुलिस का शिकंजा: 5 दुकानों पर गिरी गाज, जुर्माना वसूला

बिभा संवाददाता

पिंड्राजोरा (बोकारो)। जिले में तंबाकू नियंत्रण कानून (कोटपा - 2003) के कड़े अनुपालन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। बोकारो पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र में विशेष छापेमारी एवं सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान कानून के तय मानकों की अवहेलना करने वाले 5 दुकानदारों के खिलाफ चालान काटकर कुल ?1,200 का जुमार्ना वसूला गया। कार्रवाई का नेतृत्व पिंड्राजोरा थाना के कोटपा नोडल पदाधिकारी पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) सुनील कुमार सिंह ने किया। अभियान में कांस्टेबल दीपक कुमार महतो (बैज सं. 1342) एवं कांस्टेबल दिलीप विश्वकर्मा (बैज सं. 396) मुख्य रूप से शामिल रहे। पुलिस टीम ने चौक-चौराहों और गुमटियों पर अचानक दबिश दी, जिससे नियमों की अनदेखी करने वाले विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने सभी दुकानदारों को कोटपा अधिनियम के वैधानिक प्रावधानों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। दुकानों पर किसी भी तंबाकू उत्पाद का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विज्ञापन, बोर्ड या पोस्टर लगाना पूरी तरह गैरकानूनी है।नाबालिगों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री और सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान को लेकर कड़ा रुख अपनाने की चेतावनी दी गई। दुकानदारों को अपनी दुकानों से तंबाकू से जुड़ी सभी प्रचार सामग्री तत्काल हटाने को कहा गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक बार की कार्रवाई नहीं है, बल्कि क्षेत्र में तंबाकू नियंत्रण कानून का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आगे और भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

हाथी के हमले से बचने के लिए ग्रामीण ने घर के चारों ओर लगाई थी बिजली के तार

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ; बालूमाथ थाना क्षेत्र के झाबर पंचायत अंतर्गत कोमर गांव के कुशी टोला पारनदी में बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार की सुबह हाथी की मौत की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए।बताया जाता है कि पांच दिन पूर्व मंगलवार की रात जंगली हाथी ने गांव निवासी बिफा उरांव के घर के एक हिस्से को क्षतिग्रस्त कर दिया था। हाथी घर में रखा अनाज भी खा गया था। इस दौरान घर में सो रहे बिफा उरांव, उनकी पत्नी और बच्चे ने किसी तरह घर से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इसके बाद हाथी ने घर के समीप लगी मक्का की फसल को भी रौंदकर बर्बाद कर दिया।घटना से भयभीत ग्रामीण ने अपने परिवार की सुरक्षा के लिए घर के तीन तरफ तार लगा दी और उसमें बिजली का करंट प्रवाहित कर दिया। इसी दौरान विचरण करते हुए जंगली हाथी घर के समीप पहुंचा और बिजली प्रवाहित तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से हाथी की मौके पर ही मौत हो गई।इधर, हाथी भगाने के लिए तैनात टीम के सदस्यों ने बताया कि सूचना मिलने के बाद रविवार शाम से टीम क्षेत्र में हाथियों की निगरानी कर रही थी। टीम ने हाथियों के झुंड को गांव से बाहर निकाल दिया था, जिसके बाद हाथी बगल के डैम की ओर चले गए। इसके बाद हाथियों की गतिविधियों की जानकारी नहीं मिल सकी। टीम को लगा कि हाथियों का झुंड क्षेत्र से बाहर निकल गया है। हालांकि।सोमवार सुबह एक हाथी की मौत की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग के पदाधिकारियों को सूचना दी गई, जिसके बाद अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे घटना के बाद ग्रामीणों में हाथी की मौत को लेकर दुख है। वहीं, मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं को लेकर वन विभाग से ठोस और स्थायी पहल करने की मांग उठ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते हाथियों से बचाव के पर्याप्त इंतजाम और ग्रामीणों को जागरूक किया जाता, तो ऐसी घटना को टाला जा सकता था। वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है।

दादी मंदिर में 20वां चार दिवसीय भादों महोत्सव आज से

बिभा संवाददाता

रामगढ़ : श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट की ओर से चार दिवसीय 20 वां भादो अमावस्या महोत्सव मंगलवार 8 सितंबर से शुक्रवार 11 सितंबर तक दादी मंदिर के भव्य प्रांगण में बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसमें दादी जी के दरबार को रंग-बिरंगे विदेशी खुशबूदार फूलों से कोलकाता के प्रसिद्ध मालियों द्वारा सजाया जाएगा। महोत्सव को लेकर सारे मंदिर परिसर में मार्बल डेकोरेशन एवं रंग पेंट का कार्यक्रम अंतिम चरण में है। महोत्सव के दौरान आकर्षक विद्युत सजा भी की जाएगी। अमावस्या महोत्सव के प्रथम दिन मंगलवार 8 सितंबर दोपहर 3:30 से दादी जी के हाथों में मेहंदी लगाकर महोत्सव प्रारंभ होगा, दूसरे दिन बुधवार 9 सितंबर तो सुबह 10:00 बजे से दादी जी का भव्य मंगल पाठ का आयोजन होगा मंगल पाठ करने के लिए पुणे, महाराष्ट्र की प्रसिद्ध मंगल पाठ वाचिक अर्पणा अग्रवाल को उनकी पूरी टीम के साथ आमंत्रित किया गया है। महोत्सव के तीसरे दिन बृहस्पतिवार 10 सितंबर रात्रि 7:30 बजे से भजन कीर्तन का

कार्यक्रम होगा भजन संकीर्तन के लिए कोलकाता के प्रसिद्ध गायक पंकज जोशी को आमंत्रित किया गया है और महोत्सव के चौथे और अंतिम दिन शुक्रवार 11 सितंबर को दादी जी की भादो अमावस्या उत्सव होगा जिसमें सभी दादी भक्तजन सुबह 6:00 से पाटा पूजा एवं सवामणि प्रसाद का भोग दादी जी को बड़े प्रेम भाव से लगाएंगे। और दादी जी के अद्भुत दरबार का दर्शन करेंगे। इस 20 वे भादो अमावस्या महोत्सव को लेकर सभी सदस्यों के बीच प्रभार बांट दिए गए हैं। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट एवं श्री रानी सती महिला मंगल समिति के सभी सदस्य तैयारी में जुटे हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिगंबर जैन समाज का दश लक्षण पर्युषण पर्व 16 सितंबर से

हजारीबाग(बिभा): दिगंबर जैन समाज का पावन दशलक्षण (पर्युषण) पर्व इस वर्ष 16 सितंबर 2026 से प्रारंभ होगा। दस दिवसीय इस आध्यात्मिक पर्व का समापन क्षमावाणी पर्व के साथ होगा। पर्व को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह और धार्मिक तैयारियां शुरू हो गई हैं।दशलक्षण पर्व जैन धर्म में आत्मशुद्धि, संयम, तप, त्याग और आत्मचिंतन का विशेष पर्व माना जाता है। इन दस दिनों में श्रद्धालु भगवान जिनेंद्र की पूजा-अर्चना के साथ-साथ स्वाध्याय, ध्यान, तप, उपवास और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर आत्मकल्याण की साधना करते हैं।पर्व के प्रत्येक दिन उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य और उत्तम ब्रह्मचर्य जैसे दस धर्मों की आराधना की जाती है। जैन श्रद्धालु इन धर्मों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेते हैं।दशलक्षण पर्व के दौरान जैन मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ, अभिषेक, एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार उपवास एवं करते हैं !

इनर व्हील क्लब ऑफ हजारीबाग युवा ने कराटे प्रतिभागियों को किया सम्मानित

हजारीबाग (बिभा): इनर व्हील क्लब ऑफ हजारीबाग युवा की ओर से सोमवार को शहर के स्टेशन क्लब परिसर में कराटे के सफल प्रतिभागियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब की अध्यक्ष सुधा वर्मा ने की। इस अवसर पर कराटे के 30 प्रतिभागियों के साथ छह प्रशिक्षक और मुख्य प्रशिक्षक उदय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कराटे में बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। क्लब की ओर से प्रतिभागियों की प्रतिभा, मेहनत और अनुशासन की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मान पाकर प्रतिभागियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। इस दौरान कराटे प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों ने आत्मरक्षा एवं कराटे की विभिन्न तकनीकों का शानदार प्रदर्शन करते हुए डेमो प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों के प्रदर्शन ने उपस्थित लोगों को काफी प्रभावित किया और सभी ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। क्लब की अध्यक्ष सुधा वर्मा ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कराटे केवल एक खेल नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, अनुशासन, आत्मविश्वास और शारीरिक-मानसिक मजबूती का माध्यम है। बच्चों और युवाओं में ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें लगातार प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में भी इसी लगन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में क्लब के सदस्यों, प्रशिक्षकों और सभी प्रतिभागियों के साथ सामूहिक तस्वीर ली गई। मौके पर क्लब की ओर से प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सांसद खेल महोत्सव के तहत बरही में आज से शुरू होगा नॉकआउट फुटबॉल मुकाबला

हजारीबाग(बिभा): सांसद खेल महोत्सव के तहत नमो फुटबॉल 2026 प्रतियोगिता के नॉकआउट मुकाबलों का आयोजन कल, 8 सितंबर से 13 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। बरही प्रखण्ड मैदान में आयोजित होने वाले इस फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों की फुटबॉल टीमें नॉकआउट मुकाबलों में अपना दमखम दिखाएंगी। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक मनोज कुमार यादव बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए खेल समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं। सांसद खेल महोत्सव के इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष बलराम केसरी, उपाध्यक्ष विजय यादव, नागेश्वर रजक, मुन्ना यादव, सचिव रोशन राणा, संयुक्त सचिव पिंटू ठाकुर, कोषाध्यक्ष शुभांशु कुमार दुबे, सह कोषाध्यक्ष सचिन कुमार सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

घाटी में सड़क किनारे निर्मित दीवार को लेकर एनएचएआई के अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज

बिभा संवाददाता

रामगढ़ । रामगढ़-रांची मुख्य मार्ग पर चुट्टूपालु घाटी में मौत तांडव कर रही है। इसकी मुख्य वजह एनएचएआई के अधिकारियों की लापरवाही है। एनएचएआई के अधिकारियों ने घाटी की सड़क के किनारे दीवार का निर्माण बिना स्थान छोड़े कर दिया। उस त्रुटिपूर्ण दीवार की वजह से न तो बाइक सवार और न ही कार सवार आपातकालीन स्थिति में अपनी गाड़ी को किनारे ले जा पा रहे हैं। जब भी हाई स्पीड से आने वाले ट्रक से लोगों को खतरा महसूस होता है तो वे समय रहते भाग भी नहीं पाते। भारी भरकम वाहन उन्हें रौंद कर निकल जाते हैं। ऐसे कई मामले जब उजागर हुए तो आम नागरिक अब सीधे एनएचएआई पर प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं।

04 सितंबर को चुट्टूपालू घाटी में जागेश्वर बिहार रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर किरता उरांव का निधन सड़क दुर्घटना में हो गया था। इस मामले में उनकी पत्नी जयवंती तिर्की ने रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई, तो एनएचएआई के अधिकारियों को भी अभियुक्त बनाया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि घाटी में सड़क किनारे एनएचएआई की ओर से बनाई गई दीवार का निर्माण त्रुटिपूर्ण और सड़क की स्थिति के अनुरूप पर्याप्त स्थान छोड़े बिना किया गया है। अगर उनके पति की बाइक जेएच 01 डीई 6962 को समय पर पर्याप्त स्थान और साइड मिलता तो उनकी जान बच सकती थी। उन्होंने इस मामले में ट्रक एमएच 13 ईपी 6041 के चालक और एनएचएआई के लापरवाह अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

06 सितंबर को अपने परिजनों से मिलने रामगढ़ आ रहे रांची निवासी फिरोज अंसारी को भी घाटी में अपनी कार किनारे करने का मौका नहीं मिला। उन्होंने बताया कि वह अपनी पत्नी सारा तबस्सुम और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रामगढ़ आ रहे थे। घाटी में जब उन्होंने देखा कि उनके पीछे का ट्रक एनएल-01 एबी 8418 काफी तेजी से उनके पीछे आ रहा है, तो उन्होंने अपनी कार जेएच 01 बीएच 2149 को भी किनारे करने का प्रयास किया। लेकिन पर्याप्त स्थान छोड़े बिना बनाए गए दीवार के कारण वह अपनी गाड़ी को समय रहते पर्याप्त रूप से साइड करने में सफल नहीं रहे। जिसकी वजह से ट्रक ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मारी। जिसमें उनकी पत्नी सारा तबस्सुम की जान चली गई। उन्होंने वाहन संख्या एनएल 01 एबी 8418 के चालक पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया। साथ ही एनएचएआई की लापरवाही के कारण घटना घटित होने की बात कही है। उन्होंने एनएचएआई के मैनेजर और पदाधिकारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू के शोकाकुल परिजनों से मिले सांसद, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल सोमवार को झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं गिरिडीह विधायक स्व. सुदिव्य कुमार सोनू के नरसिंहरायडीह स्थित आवास पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। सांसद मनीष जायसवाल ने दिवंगत मंत्री की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके निधन को अत्यंत पीड़ादायक बताया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि स्व. सुदिव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन

झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका सहज और सरल स्वभाव सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर, डीसी ने की अपील

धनबाद: भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 तय की गई है। डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी आदित्य रंजन ने नागरिकों से समय पर आवेदन करने की अपील की है। नया नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र-6, नाम विलोपन के लिए प्रपत्र-7 तथा सुधार या स्थानांतरण के लिए प्रपत्र-8 भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करें। मतदाता voters.eci.gov.in या ECI NET मोबाइल ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नगर पंचायत की बैठक में जनसमस्याओं पर मंथन, समाधान के लिए उठेंगे ठोस कदम

बिभा संवाददाता

लातेहार। नगर पंचायत लातेहार के अध्यक्ष महेश सिंह, उपाध्यक्ष संतोष रंजन कुमार एवं वार्ड पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में नगर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके शीघ्र एवं स्थायी समाधान को लेकर विचार-विमर्श किया गया।बैठक में नगर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के साथ सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट, नाली सफाई, होल्डिंग टैक्स, भवन नक्शा, ट्रेड लाइसेंस समेत अन्य नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की गई। नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा करते हुए जनहित से जुड़े

मामलों में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पंचायत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और नागरिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा।

बैठक में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के अलावा वार्ड पार्षद मनोज कुमार गुप्ता, मुन्द्रिका मांझी, जयराम कपूर, नसरूद्दीन मियां, इन्द्रदेव उरांव, संयुक्ता कुंवर, विमला देवी, आशा देवी, अलमा पन्ना सहित शब्बु प्रवीण के पति आजाद खान, मुस्तरी बीबी के पुत्र मोजाहिद खान एवं आशा देवी के पति अर्जुन प्रसाद उपस्थित रहे।

सुदिव्य सोनू के निधन पर शोक सभा आयोजित

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवा; झारखंड मुक्ति मोर्चा, चंदवा प्रखंड समिति के तत्वावधान में सोमवार को पथ निर्माण विभाग आई.बी., चंदवा में झारखंड सरकार के मंत्री एवं झामुमो के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय सुदिव्य सोनू के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया।शोक सभा में उपस्थित झामुमो के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय सुदिव्य सोनू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इसके उपरांत सभी ने कुछ क्षण मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।इस अवसर पर कार्यकताओं ने स्वर्गीय सुदिव्य सोनू

जी के संघर्ष, जनसेवा, संगठन के प्रति समर्पण एवं जनहित के लिए किए गए कार्यों को याद किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनका असामयिक निधन झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार के साथ-साथ पूरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। शोक सभा में मुख्य रूप से झामुमो जिला उपाध्यक्ष सितमोहन मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष मनोज चौधरी, राजेंद्र भगत, अंकित तिवारी, मोहम्मद सरफराज, प्रखंड उपाध्यक्ष फिरोज राय उर्फ बबलू, ब्रह्मदेव प्रजापति, अश्विनी मिश्रा, असगर अली, सौरभ श्रीवास्तव, रोहित अग्रवाल, चांदो, मासूम खान, इरफान आलम, भीम गंझू, सुधीर गंझू, शंकर उरांव, मंसूर अंसारी, केश्वर सिंह,मोहम्मद शकील एवं मोहम्मद एहसान सहित झामुमो के अन्य पदाधिकारी, पंचायत स्तर के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए स्वर्गीय सुदिव्य सोनू जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

धनकडरा बूथ संख्या 196 पर 146 मतदाताओं को प्रपत्र-7 दिए जाने का आरोप, मामला गरमाया

बिभा संवाददाता

लातेहार। धनकरा पंचायत के बूथ संख्या-196 में करीब 630 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। इसी बूथ क्षेत्र में करीब 146 मतदाताओं को प्रपत्र-7 दिए जाने का मामला सामने आने का दावा किया गया है। आरोप है कि उक्त प्रपत्र कुछ भाजपा कार्यकताओं द्वारा लोगों के बीच वितरित किए गए।

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप लगाया गया है कि प्रपत्र-7 जिन लोगों को दिए गए, उनमें अधिकांश मुस्लिम परिवारों से संबंधित मतदाता हैं। इस मामले को लेकर राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि प्रपत्र-7 पर हस्ताक्षर कराने की बीएलओ को दबाव प्रक्रिया के दौरान मामले की जानकारी सामने आई। आरोप के अनुसार, धनकरा पंचायत के कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों के बीच प्रपत्र-7 पहुंचाए गए। मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष बंसी यादव एवं अवधेश चंद्रवंशी का नाम भी आरोपों के संदर्भ में लिया जा रहा है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविकता स्पष्ट करने के लिए संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रपत्र-7 के वितरण, हस्ताक्षर तथा संबंधित मतदाताओं के बयानों की जांच किए जाने की आवश्यकता है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्रपत्र किसके द्वारा और किस उद्देश्य से वितरित किए गए। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं निर्वाचन विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

10 सितंबर के धरना-प्रदर्शन को लेकर भाजपा ने कसी कमर

बिभा संवाददाता

लातेहार। भाजपा जिला अध्यक्ष बंशी यादव के निदेर्शानुसार जिले के सभी मंडलों में मासिक बैठक एवं सेवा संकल्प अभियान की कार्यशाला आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। पार्टी ने मंडल अध्यक्षों को बैठक के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को प्रभावी बनाने को कहा है।बैठक में बूथ कमेटियों के गठन एवं समीक्षा, संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही 10 सितंबर को जिला मुख्यालय में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर भी रणनीति बनाई जाएगी और अधिक से अधिक कार्यकताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा।

पार्टी की ओर से मंडल प्रभारियों एवं प्रवासियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है। जिला महामंत्री सह कार्यक्रम जिला संयोजक छोटू राजा ने सभी मंडल अध्यक्षों से बैठक एवं कार्यशाला को सफल बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।भाजपा ने स्पष्ट किया है कि मंडल स्तर पर होने वाली इन बैठकों के जरिए संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों में कार्यकताओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए।

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितंबर को विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवसह्न मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की 60वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितंबर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितंबर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं

लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'लोगों, धरती और समृद्धि के लिए साक्षरता'। वर्ष 2025 और 2024 में साक्षरता दिवस क्रमशः 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' और 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

संपादकीय

इसरो की कामयाबी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपनी पहले जियोसिंक्रोनस इमेजिंग सैटेलाइट का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर उसे पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया है। इसे इसरो की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है कि क्योंकि यह इमेजिंग उपग्रह देश के किसी भी क्षेत्र के रियल-टाइम चित्र दे सकेगा। जो समुद्री सुरक्षा, सीमाओं की निगरानी, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी मूल्यवान जानकारी तो देगा ही, साथ ही पर्यावरण की निगरानी भी करेगा। इसके अलावा फसलों की स्थिति, मिट्टी की नमी व वनस्पति की सेहत की जानकारी देकर खेत-खलिहानों के लिये भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। साथ ही उपग्रह आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी जानकारियां उपलब्ध करायेगा। मसलन, बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति में पानी की स्थिति की सटीक जानकारी से आपदा राहत कार्य बेहतर ढंग से चलाने में मदद मिल सकेगी। निस्संदेह, इसके प्रक्षेपण से देश की धरती की निगरानी क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। साथ ही धरती पर होने वाले असामान्य बदलावों पर समय रहते नजर रखी जा सकेगी। इसरो द्वारा जीएसएलवी-एफ 17 राकेट के जरिये किया गया यह सफल प्रक्षेपण वैज्ञानिकों को उत्साहित कर गया क्योंकि यह जियोसिंक्रोनस कक्षा से इमेजिंग करने वाला देश का पहला सैटेलाइट है। दरअसल, इस कक्षा में काम करने वाले उपग्रह का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि यह लक्षित बड़े क्षेत्र पर लगातार निगरानी करते हुए मौजूदा समय के फोटोग्राफ लगातार दे सकता है। जिससे मौसम, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन व भूमि की सतह में होने वाली बदलावों के निहितार्थों को समझना आसान हो सकेगा।

दरअसल, इस उपग्रह का लाभ अंतरिक्ष अनुसंधान व सामरिक लक्ष्यों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह खेती व किसानों के लिये भी उतना ही महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे मिलने वाले डेटा का प्रयोग हमारे भू-भाग पर उपलब्ध संसाधनों की निगरानी व उसकी प्रकृति में आ रहे बदलावों को समझने में भी मददगार होगा। दावा है कि उपग्रह से मिलने वाले चित्रों के विश्लेषण से फसलों की गुणवत्ता, प्राकृतिक प्रभावों के अलावा मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी जुटाने में सहायता मिल सकेगी। आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण व इस कार्य में लगी सरकारी एजेंसियों की मदद से खेती से जुड़ी नीतियों के निर्धारण, प्रभावी योजनाओं को बनाने और क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। महत्वपूर्ण बात यह भी कि देश के विभिन्न भागों में आने वाले चक्रवात, बाढ़, जंगलों में लगने वाली आग तथा कुदरती रौद्र के दौरान जहां रियल टाइम जानकारी मिल सकेगी, वहीं बचाव व राहत के नीति निर्धारण में भी समय रहते मददगार होगी। दरअसल, धरती की निगहबानी करने वाले उपग्रह प्रभावित क्षेत्रों के चित्र व आंकड़े तुरंत उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं, जो राहत-बचाव कार्यों में जुटी एजेंसियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। निस्संदेह, आज देश का स्पेस सेक्टर नई ऊंचाइयों की ओर उन्मुख है। देश में 450 से अधिक स्पेस स्टार्टअप्स की मौजूदगी इस बात का प्रमाण है। देश की निजी कंपनियां भी ऑर्बिट तक रॉकेट पहुंचाने लगी हैं। कह सकते हैं कि देश आत्मनिर्भर व आर्थिक रूप से लाभप्रद स्पेस इकोसिस्टम बनाने की ओर बढ़ चुका है।

चिंतन-मनन

शांति के लिए संतुलन जरूरी है

अति हमेशा नुकसान दायक है। यह नियम अच्छी और बुरी दोनों आदतों पर लागू होता है। ऋषि-मुनियों ने अति को वर्जित ही बताया है। बुद्ध ने एक शब्द दिया था मंझम मग्न यानी मध्यम मार्ग। जीवन का यह संतुलन उन्हें एक दिन वह सब दिला गया जिसके लिए उनकी पूरी तपस्या थी। अपनी बोध प्राप्त की अवस्था में उनसे एक प्रश्न पूछा गया था जिसका उन्होंने बड़ा सुंदर उत्तर दिया था। किसी का प्रश्न था उनसे अब आपको क्या मिला? क्या वह प्राप्त हो गया जिसके लिए आपके सारे प्रयास थे? बुद्ध ने कहा- नया कुछ नहीं मिला, जो कुछ मेरे पास पहले से था, पाया ही हुआ था, पूर्व उपलब्ध था, उसका ज्ञान हो गया, पता चल गया उसका। वह दौलत अपने ही भीतर थी हम बाहर ढूंढ रहे थे।

जिसके कारण बाहर निकला, वो तो मेरे भीतर निकला। हम दो भूलें कर जाते हैं या तो बिल्कुल बाहर संसार पर टिक जाते हैं या एकदम भीतर उतर जाते हैं। ये अतियां हमारे लिए हमारे अध्यात्म की दुश्मन बन जाती हैं। आचार्य श्रीराम शर्मा संसार में संतुलन से चलने के लिए एक अच्छा उदाहरण बताया करते थे। दुनिया में ऐसे चलो जैसे पानी में हाथी चलता है। हाथी जानता है पानी में जल्दबाजी करूंगा तो कीचड़ या गड्ढे में गिर सकता हूं। लिहाजा आगे और पीछे के पैर रखने में वह गजब का संतुलन बनाता है। बस, ऐसा ही संतुलन हमें बाहर और भीतर की यात्रा में रखना होगा। जैसे ही हम संतुलन में आते हैं हमारी अंतर दृष्टि स्पष्ट हो जाती है और हम स्वयं को पहचान जाते हैं। स्वयं को जानते ही परमात्मा दिख जाता है। भगवान होना नहीं पड़ता, बस यह समझना पड़ता है कि हम हैं ही भगवान। जरा सा स्वयं का पता लगा और दुनिया बदली। इसीलिए संतुलन जरूरी है संयम की अति से।

विदेशी निवेशकों का मूड बदला, शेयर बाजार से 7443 करोड़ की निकासी

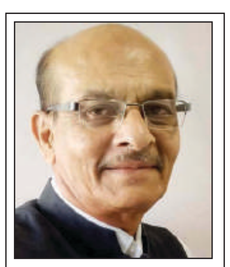

सनत जैन

शेयर बाजार बड़े-बड़े पूंजी निवेशकों की कमाई का अड्डा बन गया है। इसमें छोटे निवेशक और भारतीय संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन भारत सरकार और सेबी जैसी संस्थाएं आंख बंद करके बैठी हुए हैं। विदेशी निवेशकों ने 7,443 करोड़ की निकासी की है। जो बाजार के लिए बड़े खतरे की घंटी है। पहले भी विदेशी निवेशक लाखों करोड़ों रुपए निकाल चुके हैं। पिछले दो महीने की खरीदारी से थोड़ी आशा बंधी थी, लेकिन सितंबर माह में अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल, मजबूत डॉलर और बॉन्ड यील्ड ने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारतीय शेयर बाजार के विदेशी पोर्टफोलियो के निवेशकों की निकासी से एक बार फिर शेयर बाजार में चिंता हो गई है। करीब दो महीने तक भारतीय बाजार में लगातार पैसा लगाने के बाद विदेशी निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में ही 7,443 करोड़ रुपये की निकासी कर ली है। यह केवल आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं है, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक परिस्थितियों के प्रति विदेशी पूंजी की संवेदनशीलता का संकेत भी है। भारतीय शेयर बाजार से निवेशकों को मुनाफे की जगह घाटा उठाना पड़ रहा है। वहीं भारतीय शेयर बाजार में जोखिम भी बढ़ता जा रहा है। अमेरिका-ईरान तनाव ने कच्चे तेल, डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिसका असर भारत जैसे बाजारों पर पड़ रहा है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है। विदेशी निवेशकों का मूड पिछले दो महीनों में ही बदल गया है। चार महीने की लगातार बिकवाली के बाद जुलाई और अगस्त में एफपीआई ने भारतीय बाजार में बड़ी मात्रा में पैसा लगाया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में उन्होंने करीब 20,200 करोड़ रुपये और अगस्त में 30,919 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दो महीनों में कुल 51,119 करोड़ रुपये की विदेशी पूंजी भारतीय बाजार में आई। इसके तुरंत बाद सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने बाजार के सामने फिर वही सवाल खड़ा कर दिया है। जो 4 माह पहले खड़ा हुआ था। विदेशी निवेशकों का भरोसा भारतीय शेयर बाजार में बन नहीं पा रहा है। भू-राजनीतिक तनाव का असर तथा कंपनियों में धोखाधड़ी की खबरों को लेकर विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार को जोखिम के रूप में देख रहे हैं। शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव और निवेश अकेले भारतीय कंपनियों के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं करते हैं। वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष निवेश निर्णयों को प्रभावित करते हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करता है। तेल महंगा होने का सीधा असर आयात बिल, महंगाई और चालू खाते पर पड़ता है। इससे कंपनियों की कमाई पर असर पड़ता है। यह आशंका विदेशी निवेशकों को सतर्क कर रही है। भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। महंगाई बढ़ रही है। मांग कम हो रही है। इसका असर कंपनियों के मुनाफे पर दिखने लगा है। पिछले दो महीने में जिस तरह से भारत में आंदोलन धरना प्रदर्शन हो रहे हैं, घोटाले के बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं, इससे निवेशक भयभीत होकर शेयर बाजार से बाहर निकल रहे हैं। 2026 में शेयर बाजार से निकासी का यह आंकड़ा चिंताजनक है। सितंबर की शुरूआती बिकवाली ने वर्ष 2026 में विदेशी निवेशकों की कुल निकासी को 2.32 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। यह आंकड़ा 2025 में 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से अधिक है। बीच-बीच में विदेशी पूंजी की वापसी बाजार में भरोसे का संकेत देती है, उनका बार-बार तेजी से बाहर निकलना, भारतीय शेयर बाजार की विदेशी पूंजी पर निर्भरता को उजागर करता है। विदेशी निवेशक जब शेयर खरीदते हैं, बाजार में तेजी को बल मिलता है। भारी बिकवाली होने का असर कई रूप में देखने को मिल सकता है। छोटे और घरेलू निवेशकों पर इसका मनोवैज्ञानिक असर होता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था की असली परीक्षा आने वाले कुछ महीनों में सामने आएगी। विशेषज्ञों की नजर विदेशी निवेशकों के उस रुख पर है। यदि अमेरिकी बॉन्ड पर आकर्षक रिटर्न मिलता है। डॉलर मजबूत बना रहता है, ऐसी स्थिति में विदेशी पूंजी का बड़ा हिस्सा उभरते बाजारों से निकलकर विकसित बाजारों में निवेश की संभावना बढ़ेगी। जो भारतीय बाजार के लिए विदेशी पूंजी के उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है। भारतीय अर्थ व्यवस्था की घरेलू मांग, कंपनियों की आय, सरकारी निवेश और घरेलू संस्थागत निवेशक, बाजार को सहारा दे सकते हैं। वैश्विक जोखिमों को देखते हुए भारतीय शेयर बाजार में दोहरी मार पड़ रही है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारतीय शेयर बाजार में नए इशू आ रहे हैं। इसमें मनमाना प्रीमियम लिया जा रहा है। विदेशी निवेशक इस खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय शेयर बाजार में उनके लिए दीर्घकालीन निवेश करने के लिए कोई अवसर नहीं है। जिसके कारण विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं। निवेश करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह एक बड़ी चेतावनी है।

जहरीली शराब से फिर मौतों का तांडव :सागर से उठता सवाल -जहरीली शराब की कीमत कौन चुका रहा है?

किशन सनमुखदास

मौतें जनता की,राजस्व सरकार का और फायदा माफिया का? -शराब माफिया बड़ा या सरकारी सिस्टम?- समग्र व्यापक विश्लेषण...

हर बार मौत,हर बार जांच, फिर वही जहरीली शराबः आखिर कब टूटेगा माफिया का नेटवर्क?

सागर की जहरीली शराब त्रासदी :मौत के जाम के पीछे कौन? शराब माफिया,प्रशासन और सिस्टम कीजवाबदेही पर बड़ा सवाल?-कब रुकेगा मौत का यह सिलसिला? -देशभर के लिए जहरीली शराब के खिलाफ निर्णायक जंग का आह्वान

वैश्विक स्तरपर भारत में जहरीली शराब से मौत की खबर कोई नई खबर नहीं है।वर्षों से अलग-अलग राज्यों से ऐसी त्रासदियां सामने आती रही हैं और हर बार मौतों के बाद जांच,छापे, गिरफ्तारी,निलंबन, मुआवजा और कठोर कार्रवाई के आश्वासन सुनाई देते हैं।लेकिन कुछ समय बाद वही कहानी किसी दूसरे जिले, दूसरे राज्य और दूसरे गांव में फिर सामने आ जाती है। 6 सितंबर 2026 को मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र से सामने आई कथित जहरीली/अवैध शराब की त्रासदी ने इसी पुराने प्रश्न को फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है, आखिर जहरीली शराब का नेटवर्क बार-बार क्यों लौट आता है और उसे स्थायी रूप से तोड़ने में व्यवस्था क्यों सफल नहीं हो पा रही? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाले से बताना चाहूंगा कि सागर में 6 सितंबर को सुबह से मृतकों की संख्या लगातार बदलती रही।शुरूआती रिपोर्टों में 8-9 मौतें सामने आईं,बाद में 11 और कुछ रिपोर्टों में 12 से 14 से अधिक मौतों की सूचना दी गई।30 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें भी सामने आईं। प्रभावित क्षेत्र में बंडा तहसील के कई गांवों के नाम सामने आए हैं और प्रशासन ने मेडिकल तथा जांच टीमें तैनात की हैं। शुरूआती चिकित्सकीय आकलन में मेथनॉल विषाक्तता की आशंका व्यक्त की गई,लेकिन अंतिम कारण पोस्टमार्टम और रासायनिक जांच के बाद ही निश्चित होगा।

साथियों, इस घटना ने एक और गंभीर पहलू सामने रखा है। प्रारंभिक जांच संबंधी रिपोर्टों में उत्तर प्रदेश के ललितपुर से कथित नकली शराब नेटवर्क का कनेक्शन सामने आने की बात कही गई है।जांच रिपोर्टों के अनुसार नकली शराब को वास्तविक ब्रांड जैसा दिखाने के लिए नकली लेबल, ढक्कन और क्यूरआर कोड का इस्तेमाल किए जाने का आरोप है तथा इसे वाहनों और मोटरसाइकिलों के माध्यम से मध्य प्रदेश के गांवों तक पहुंचाने की बात सामने आई है।कुछ रिपोर्टों में पांच शराब दुकानों को सील किए जाने की जानकारी भी है। हालांकि इस पूरे नेटवर्क की वास्तविक संरचना और किस स्तर तक इसकी पहुंच थी,यह जांच पूरी होने के बाद ही सटीकता से स्पष्ट होगा।

साथियों,यहीं से पहला और सबसे बड़ा प्रश्न उठता है शराब माफिया आखिर इतना संगठित कैसे हो जाता है कि नकली उत्पाद तैयार कर सके,उसे असली ब्रांड जैसा पैक कर सके,नकली क्यूरआर कोड लगा सके,सीमावर्ती जिलों में पहुंचा सके और अंततः उपभोक्ताओं तक पहुंचा सके? यदि किसी नेटवर्क में उत्पादन, पैकेजिंग, परिवहन, वितरण और स्थानीय बिक्री की अलग- अलग कड़ियां मौजूद हैं,तो यह केवल एक व्यक्ति की आपराधिक गतिविधि नहीं रह जाती;यह संगठित अवैध अर्थव्यवस्था का रूप ले लेती है।सागर की प्रारंभिक जांच में ललितपुर कनेक्शन की बात सामने आना इसी पहलू को गंभीर बनाता है।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े पहले स्तरः शराब माफिया,नकली शराब की पूरी श्रृंखला को समझने की करें तो,अवैध शराब का कारोबार सामान्यतः केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं होता जो अंतिम बोतल बेचता है।सवाल यह है कि नकली शराब बनती कहां है,उसके लिए कच्चा माल और रसायन कहां से आते हैं,उसे तैयार कौन करता है,बोतलों में कौन भरता है नकली ब्रांडिंग कौन करता है,परिवहन कौन करता हैऔर स्थानीय स्तर पर उसे बेचने वाला कौन है? सागर मामले में यदि ललितपुर से उत्पादन और सागर तक आपूर्ति की जांच सही साबित होती है, तो जांच एजेंसियों को केवल स्थानीय विक्रेता तक रुकने के बजाय पूरे सप्लाई नेटवर्क को खंगालना होगा।मई 2026 के पुणे मामले ने भी इसी नेटवर्क की गंभीरता दिखाई थी। वहां जांच में मेथनॉल की आपूर्ति और उसे अवैध शराब में मिलाए जाने की कड़ी सामने आई तथा एफडीए ने हजारों किलोग्राम मेथनॉल जब्त किया था।यानें जहरीली शराब की समस्या केवल कुछ लोग चोरी से शराब बना रहे हैं तक सीमित नहीं है; इसके पीछे रसायनों की उपलब्धता,अवैध उत्पादन वितरण और स्थानीय बिक्री जैसी अनेक कड़ियां हो सकती हैं।

साथियों,बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े दूसरे स्तर, प्रशासन और आबकारी व्यवस्था,निगरानी कहां टूटती है? इसको समझने की करें तो,दूसरा सवाल सीधे प्रशासन और आबकारी विभाग की जिम्मेदारी से जुड़ता है।लाइसेंस प्राप्त शराब दुकानों की निगरानी, अवैध बिक्री की पहचान, संदिग्ध शराब की जांच,स्टॉक और दस्तावेजों का सत्यापन तथा अवैध नेटवर्क के विरुद्ध कार्रवाई व्यवस्था की जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।यदि किसी क्षेत्र में लंबे समय तक अवैध शराब बिकती रहती है,तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय सूचना तंत्र, पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन के बीच समन्वय कितना प्रभावी था।लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सिद्धांत भी जरूरी है,हर जहरीली शराब की घटना के बाद पूरे प्रशासन को बिना जांच दोषी घोषित करना उचित नहीं है।दोष व्यक्तिगत अधिकारियों का है?,विभागीय लापरवाही है? स्थानीय मिलीभगत है? या नेटवर्क ने निगरानी को चकमा दिया? यह स्वतंत्र जांच से तय होना चाहिए।फिर भी यदि जांच में यह सामने आता है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई,संदिग्ध दुकानों की निगरानी नहीं की गई या अधिकारियों ने जानबूझकर आंखें बंद कीं, तो जवाबदेही केवल माफिया तक सीमित नहीं रह सकती।पुणे त्रासदी के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के 22 कर्मचारियों के निलंबन? ने यही सिद्धांत सामने रखा कि यदि सरकारी निगरानी में गंभीर चूक प्रमाणित होती है तो प्रशासनिक जवाबदेही भी सटीकता से तय की जा सकती है।

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े तीसरे स्तरःराजनीतिक और आर्थिक विरोधाभास,राजस्व बनाम जीवन इसको समझने की करें तो,भारत में शराब एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है और अनेक राज्य इससे महत्वपूर्ण राजस्व प्राप्त करते हैं। यही सबसे बड़ा विरोधाभास पैदा करता है। एक ओर सरकार शराब की बिक्री को नियंत्रित और लाइसेंस करती है तथा उससे राजस्व प्राप्त करती है; दूसरी ओर उसी व्यवस्था के समानांतर अवैध शराब का बाजार खड़ा हो जाता है, जो कभी-कभी सीधे मानव जीवन के लिए खतरा बन जाता है।इसका अर्थ यह नहीं कि वैध शराब की बिक्री अपने आप जहरीली शराब की जिम्मेदार है। समस्या उस समय पैदा होती है जब वैध और अवैध बाजार के बीच निगरानी की दीवार कमजोर पड़ती है। नकली बोतल, नकली लेबल, नकली क्यूरआर कोड और असली ब्रांड की नकल उपभोक्ता को यह समझने का अवसर ही नहीं देती कि वह क्या पी रहा है। सागर मामले में सामने आई कथित फर्जी पैकेजिंग इसी चिंता को और गंभीर बनाती है।इसलिए प्रश्न शराब के राजस्व को बंद करने या जारी रखने से पहले यह होना चाहिए कि क्या सरकार की नियामक क्षमता इतनी मजबूत है कि राजस्व व्यवस्था के साथ नागरिकों की सुरक्षा भी सटिका से सुनिश्चित की जा सके?

साथियों बात अगर हम इस अवैध शराब से जुड़े,चौथे स्तरः मानव जीवन बनाम सरकारी राजस्व को समझने की करें तो,सबसे बड़ा प्रश्न आखिरकार आर्थिक नहीं, मानवीय है। एक व्यक्ति की मृत्यु का मूल्य किसी सरकारी राजस्व तालिका में दर्ज नहीं किया जा सकता। जहरीली शराब से मरने वाले व्यक्ति के पीछे एक परिवार होता है बच्चे होते हैं, माता-पिता होते हैं, पत्नी या पति होते हैं, भविष्य की योजनाएं होती हैं और परिवार की आर्थिक सुरक्षा होती है।यदि कोई व्यक्ति जहरीली शराब पीकर मरता है तो नुकसान केवल एक जीवन का नहीं होता। परिवार की आय समाप्त हो सकती है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है, चिकित्सा खर्च बढ़ सकता है, परिवार कर्ज में जा सकता है और सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता पैदा हो सकती है। इसलिए जहरीली शराब की वास्तविक सामाजिक लागत उस तत्काल सरकारी राजस्व से कहीं अधिक हो सकती है जो शराब के वैध कारोबार से प्राप्त होता है।भारत की जनता अब बार-बार सामने आने वाली ऐसी खबरों से केवल दुखी नहीं है; वह जवाब चाहती है। सवाल अब यह नहीं होना चाहिए कि अगली घटना के बाद कितने लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा। सवाल यह होना चाहिए कि अगली घटना होने ही न देने की सटिका से व्यवस्था कब बनेगी?

फुहारों के बीच खिली-खिली दिखें आप

चुभती-झुलसा देने वाली गर्मी के दिन खत्म। अब आया मस्त मानसून का मौसम। जितनी बेसब्री से हमें फुहारों के आने का इंतजार रहता है, उतनी ही दिक्कतें भी सामने आती हैं। कभी चेहरे का मेकअप पैची होने लगता है तो कभी बाल चिपचिपे हो जाते हैं। कभी कपड़े बदन से चिपक कर एक समस्या बन जाते हैं। समस्या होती है तो उसका समाधान भी होता है। बारिश के मौसम में आने वाली समस्याओं का निदान आइए जानते हैं

मानसून में महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना काफी कठिन हो जाता है। बारिश में जाने के लिए जी तो मचलता है, लेकिन कभी मेकअप बिगड़ जाने का डर, कभी बाल बिगड़ जाने का डर और कभी त्वचा की सुरक्षा उन्हें बाहर निकलने से रोकती है, पर बारिश में घर भी तो नहीं बैठा जा सकता। थोड़ी सी सावधानियों से आप बारिश का मजा भी ले सकती हैं और सजने-संवरने के अपने शौक को भी पूरा कर सकती हैं।

- इस मौसम में सिबेशियस व स्वेट ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं, जिससे त्वचा चिपचिपी व ज्यादा पसीने व डैंड्रफ से युक्त हो जाती है। इसलिए प्रतिदिन माइल्ड शैंपू से बाल धोएं। हर धुलाई के बाद अच्छी क्वालिटी के कंडीशनर का प्रयोग करें। बाल झड़ेंगे नहीं। बाल उलझे, रूखे व बेजान नहीं होंगे।
- इस मौसम में बारिश में भीगे गीले बालों में अक्सर जुएं पड़ जाती हैं। बारिश में भीगे गीले बालों को भी शैंपू अवश्य करें। सिर में खुजलाहट होने पर नाखून से कुरेदे नहीं। त्वचा पर इन्फेक्शन होने का खतरा रहता है। कई बार दो-तीन दिन बाल न धोने पर बारिश में भीगे होने के कारण सिर में छोटे-छोटे दाने भी हो जाते हैं।
- यदि किसी वजह से सिर न धो रहे हों तो सूखे सिर में कोई भी टेलकम पाउडर डाल कर कंघी कर लें। डस्ट निकल जाएगी, पसीना नहीं आएगा। बारिश के मौसम में 1-2 घंटों के लिए सिर पर दही लगाएं। इसके अलावा मूंग की दाल को दरदरा पीस कर सिर में लगाएं, अच्छी कंडीशनिंग हो जाएगी। बालों में अच्छी शाइन आ जाएगी।
- एलोवेरा का जूस निकाल कर इसका पल्प भी कुछ देर सिर में एक-डेढ़ घंटा लगा कर फिर शैंपू कर लें। जर्म्स, दाने व डैंड्रफ खत्म हो जाएगी। यदि इन्फेक्शन ज्यादा हो तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। बाल धोने के बाद तौलिए से अच्छी तरह सुखा कर चौड़े दांत की कंघी से बाल सुलझाएं। बारिश में भीगने के बाद बाल हमेशा खुले रखें।

- इस मौसम में यदि सिर में तेल लगाएं तो दो-तीन घंटे बाद ही सिर धो लें। ज्यादा देर तेल लगा रहेगा तो वह फेस पर आ जाएगा। बारिश के मौसम में हेयर जेल, मूस, हेयर स्प्रे का इस्तेमाल न करें। उमस के कारण सिर में पसीना अधिक आता है, इसलिए बालों में स्टाइल बनाने से पहले ह्यूमिडिटी प्रोटेक्टिव जेल लगाएं।
- इस मौसम में स्ट्रेट बालों को कर्ल करने व कर्ल बालों को स्ट्रेट करने से बचें। कर्ल बालों में स्टाइलिंग क्रीम या जेल लगा कर सेट कर लें व स्ट्रेट बालों की ढीली पोनीटेल बना लें। ध्यान रखें कि क्रीम व जेल एल्कोहल बेस्ड हो, जो बालों को चिपचिपा होने से बचाए।
- इस मौसम में वातावरण में ही नमी होने के कारण ब्लो ड्राई, रोलर सैटिंग आदि टिक नहीं पाते, इसलिए इनसे बचना चाहिए। ऐसे में लोअर बन व पोनीटेल अच्छी रहेंगी। गर्दन तक का कट इस मौसम में हमेशा चींटियां काटने का एहसास कराता है, ऐसा कट न रखें। इस मौसम के लिए विशेषतौर से मेंटेनेंस फ्री कट होना चाहिए। फ्रंट में फ्रींजिस दे सकते हैं।

मेकअप टिप्स

- सावन की बरसती बूंदें मन को अवश्य खुशी देती हैं, पर ये बूंदें ही चिपचिपे, उलझे बाल, तैलीय त्वचा व तन के श्रृंगार को तहस-नहस कर देती हैं। घर से बाहर जाने से बीस-पच्चीस मिनट पहले सनस्क्रीन लोशन लगा लें।
- इस मौसम में जरूरत से ज्यादा मेकअप बेस लगाने से बचें। अगर लगाएं तो सिलिकोन बेस या वॉटर प्रूफ फाउंडेशन की पतली परत लगाएं। पानी की बूंदें पड़ते ही पानी व पसीना बहकर निकल जाएगा। मेकअप वैसे का वैसा रहेगा। पाउडर बेस पर बूंदें पड़ते ही मेकअप पैची हो जाएगा।
- बारिश के मौसम में मेकअप हल्का ही करें। मेकअप बेस अपनी त्वचा से एक टोन गहरा लें। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि हेयर लाइन के पास पसीना ज्यादा आता है, इसलिए इस हिस्से पर फाउंडेशन कम से कम लगाएं।
- बारिश में आंखों का मेकअप ज्यादा खराब हो जाता है। इस मौसम के लिए काजल, आई लाइनर, मस्कारा आदि वॉटर प्रूफ ही लें। इस मौसम में विशेषतौर से ट्रांसपेरेंट मस्कारा व कलर्ड काजल पेंसिल का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- आई शैडो व ब्लश ऑन लगाना हो तो कभी भी पाउडर बेस न लगा कर मौसम को ध्यान में रखकर क्रीम बेस्ड ही लगाएं। इसके लिए लिपस्टिक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पर ध्यान दें त्वचा पर अच्छी तरह फैल जाए।
- बारिश के मौसम में लिपग्लॉस का प्रयोग बिल्कुल नहीं करना चाहिए, यह हर फुहार की बूंद के साथ होठों के इर्द-गिर्द फैलता है। लिपस्टिक भी गॉढ़ी न लगाकर हल्की ही लगाएं। पूरा मेकअप हो जाने के बाद मेकअप फिक्सिंग स्प्रे लगा लें। इससे मेकअप सेट हो जाता है। बिंदी स्टिक ऑन ही इस्तेमाल करें।

- इस मौसम में चिपचिपी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए चंदन पाउडर में गुलाब जल मिला कर चेहरे, गर्दन व बांहों पर लगाएं। थोड़े से जीरा पाउडर में नारियल का तेल मिला कर इसे गर्दन व आसपास के हिस्सों पर लगाएं।
- चिकनी त्वचा वाले लोग शहद व नींबू का रस बराबर भाग में मिला कर लगा सकते हैं। यदि आप चाहें तो इसमें अंडे की सफेदी भी मिला लें। एक घंटा त्वचा पर लगा रहने दें फिर ठंडे पानी से धो दें। इसके अलावा कच्चे दूध में बेसन मिला कर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- शुष्क त्वचा वाले लोग एक बड़ा चम्मच दूध की क्रीम में गुलाब जामुन मिला कर लगाएं व पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें। त्वचा को साफ करने के लिए पपीते के छोटे टुकड़े करें, इनसे त्वचा को साफ करें। पपीते का रस व गूदा पांच-सात मिनट तक त्वचा पर लगा रहने दें, फिर त्वचा धो लें।

स्किन केयर टिप्स

- इस मौसम में रात को त्वचा की टोनिंग करना चाहिए। इसके लिए एक छोटा चम्मच दूध में पांच बूंदें चमेली के तेल की मिलाएं। इस तैयार मिश्रण को चेहरे व गर्दन पर लगाएं। बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन लोशन लगाना बंद नहीं करना चाहिए।
- इन दिनों फंगस इन्फेक्शन सबसे ज्यादा हो जाता है। गीले कपड़े व गीले जूते देर तक न पहने रहें। एंटी फंगस साबुन से त्वचा को साफ करें। शरीर के जोड़ों, पांवों की उंगलियों आदि में साधारण या एंटी फंगस पाउडर का इस्तेमाल करते रहें।
- बारिश के मौसम में बेजान हो जाने वाली त्वचा में नई जान डालने के लिए शहद व दही बराबर मात्र में मिला कर अच्छी तरह से चेहरे व गर्दन पर लगाएं। पंद्रह मिनट बाद त्वचा धो लें।

विंड चाइम से बढ़े घर की रौनक

विंड चाइम, इसे पवन घंटियां भी कहा जाता है। इसके प्रयोग से सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। विंड चाइम धातु, लकड़ी, बांस या सिरेमिक पाइप से बनी होती है। ये पाइप अंदर से बांसुरी की तरह खाली होते हैं। इन पाइपों को रेशमी धागों से बांधा जाता है। लकड़ी और बांस से बनी विंड चाइम पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ने के साथ-साथ नाम व यश भी बढ़ता है। छह रॉड वाली गोल्डन व येलो कलर की विंड चाइम उत्तर-पश्चिम दिशा में लगाने से यश एवं समृद्धि में वृद्धि होती है। नौकरी एवं व्यवसाय में तरक्की के अवसर मिलते हैं। सात रॉड वाली सिल्वर व सफेद
रंग वाली विंड चाइम घर में पश्चिम दिशा में लगाने से परिवार के सदस्यों तथा ऑफिस में लगाने से सहकर्मियों और नौकरों से संबंध अच्छे बने रहते हैं।
जिन लोगों की जन्मतिथि में धातु तत्व की कमी हो, उन्हें मेटल की विंड चाइम और पृथ्वी तत्व की कमी होने पर सिरेमिक विंड चाइम का प्रयोग करना चाहिए। एल्यूमिनियम, लोहे व पीतल के पाइप वाली विंड चाइम का प्रयोग हानिकारक होता है। इन पर पाउडर कोटिंग की जाती है, लेकिन इनकी आवाज कर्कश होती है।

क्रिस्टल बॉल

यह घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि करती है। घर में किसी भी प्रकार का वास्तु दोष होने पर पूर्व दिशा में 9 क्रिस्टल बॉल्स का गुच्छा लगाने से काफी हद तक वास्तु दोष से मुक्ति पाई जा सकती है। घर की पश्चिम दिशा में क्रिस्टल बॉल इस प्रकार लगाएं कि सूर्य की किरणें उस पर पड़ें। इससे घर के बुजुर्गों और महिलाओं में दिनभर ऊर्जा बनी रहती है। घर के निराशाजनक वातावरण को दूर कर सुख-शांति और धन की वृद्धि करने में भी यह सहायक है। घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में डायमंड कट वाली क्रिस्टल बॉल, जहां पिता-पुत्र संबंधों में मधुरता लाती है, वहीं जीवन में प्रेम का संचार भी करती है।

सिक्के और घंटियां

फेंग्शुई सिक्के ऊपर से गोल और अंदर से वर्गाकार छेद लिए होते हैं। घर में सौभाग्य और समृद्धि लाने के लिए इन सिक्कों का प्रयोग किया जाता है। इसके लिए तीन फेंग्शुई सिक्कों को लाल रंग के रिबन या रेशमी धागे से एक साथ बांधकर पर्स या दुकान के गल्ले में रखा जाता है। इसके अलावा इन सिक्कों को केवल मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ और तिजोरी के दरवाजे पर भी बांधा जा सकता है। इन सिक्कों के साथ-साथ छोटी घंटियों को भी बांधा जा सकता है। लाल रिबन से बंधी ये घंटियां सौभाग्य का प्रतीक होती हैं। इन घंटियों से किसी प्रकार की ध्वनि नहीं होती। पुरानी हो जाने पर इन घंटियों को बदल देना चाहिए।

नरम बूंदों के साथ गरम पकौड़ी

मौसम बारिश का हो और पकौड़ी का स्वाद न लिया जाए, यह कैसे हो सकता है। इस मौसम में सबका मन गरमा-गरम पकौड़ी खाने को करता है। तो आइए जानते हैं कैसे बनाएं पकौड़ी।

कच्चे केले के पकौड़े

सामग्री

6 कच्चे केले, 200 ग्राम बेसन, आधा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, एक चौथाई चम्मच हल्दी, एक कद्दूकस किया प्याज, 3-4 बारीक कटी हरी मिर्च, तलने के तेल

बनाने की विधि

केलों को उबालकर छीलें व हाथ से अच्छी तरह मेश कर लें। बेसन को सूखा ही भून लें। भुने बेसन में मेश किया केला, कटी सामग्री व मसाले खूब अच्छी तरह मिक्स कर लें। आवश्यकता हो तो इसमें थोड़ा-सा दूध मिला लें। अब एक कड़ाई में तेल गर्म कर लें। कम आंच पर उलट-पलट कर गुलाबी होने तक तलें। केले के इन पकौड़ों को गरमा-गरम चाय के साथ पेश करिए या किसी खट्ठी-मीठी चटनी के साथ इसका स्वाद दुगुना हो जाएगा।

भुट्टा-पालक पकौड़ी

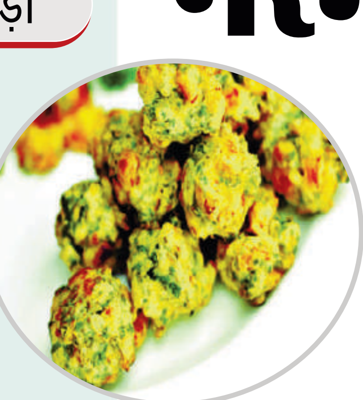

सामग्री

5 भुट्टे नरम दाने वाले,100 ग्राम पालक कटा हुआ, 4-5 हरी मिर्च, एक टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कली , आधा चम्मच जीरा, हरा धनिया बारीक कटा हुआ, एक बड़ा चम्मच बेसन , नमक स्वादानुसार , आधा चम्मच लाल मिर्च , एवं तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले भुट्टों को साफ करके कद्दूकस करें। भुट्टे, पालक, हरी मिर्च, अदरक एवं लहसुन को थोड़ा मोटा ही पींस लें। अब सभी मसालों को बेसन में मिलाकर अच्छी तरह से खोल लें। पीसे हुए भुट्टे व पालक को बेसन में लपेटकर तेल में तलें। तलने के बाद इसे चटनी के साथ सर्व करें।

पालक रोल पकौड़ी

सामग्री

पालक के 15 पत्ते , 200 ग्राम बेसन, 2 चम्मच चावल का आटा, 2 आलू उबले व मैश किए हुए, एक चम्मच धनिया, चौथाई चम्मच हल्दी, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी, एक चम्मच लाल मिर्च, एक चम्मच अदरक बारीक कटा हुआ , हरा धनिया कटा हुआ, तलने के लिए तेल, नमक स्वादानुसार,

बनाने की विधि

मैश हुए आलू में सभी मसाले मिलाएं। हर पत्ते को अच्छी तरह पोंछकर उन पर थोड़ा सा आलू का मिक्सचर रखें और रोल कर लें। बेसन का गाढ़ा घोल बनाकर उसमें चावल का आटा मिला दें। हर रोल को उसमें डुबोकर फ्राई करें।

मशरूम के पकौड़े

सामग्री

200 ग्राम मशरूम, 200 ग्राम बेसन, बारीक कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादानुसार कटा हुआ मिर्च- तीन, तलने के तेल

बनाने की विधि

मशरूम को साफ करके धो लें। इनको कुछ देर स्टीम देकर मुलायम कर लें। बेसन में नमक-मिर्च व पानी डालकर पकौड़ों के हिसाब से घोल तैयार कर लें। इसी में हरा धनिया भी डाल दें। मशरूम को आधे-आधे काटकर बेसन लपेटकर गर्म तेल में तलें। आपके लिए गर्मागर्म मशरूम के पकौड़े तैयार हो गए।

क्रिस्पी बैंगन पकौड़े

सामग्री

एक भुर्ते वाला बड़ा बैंगन, 4-5 खड़ी लाल मिर्च
2-3 कली लहसुन, 1 कप बेसन
आधा कप चावल का आटा, नमक स्वादानुसार
1 चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच हल्दीएक चौथाई चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग
तलने के लिए तेल।

बनाने की विधि

बैंगन को धोकर पतली गोल-गोल स्लाइस काट लें। लाल मिर्च, लहसुन, नमक, नींबू रस एवं थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। बेसन में चावल का आटा, हींग, नमक, अजवाइन एवं थोड़ा पानी मिलाकर पकौड़े का घोल तैयार करें। एक कड़ाही में तेल गर्म करें। बैंगन की एक स्लाइस लेकर इस पर लाल मिर्च का पेस्ट चुपड़े। ऊपर से दूसरी स्लाइस रखें। इसे बेसन के घोल में डुबोकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तलें। गर्मागर्म क्रिस्पी बैंगन पकौड़ों को सॉस और हरी चटनी के साथ परोसें। इसका स्वाद लाजवाब लगेगा।

फर्जी दस्तावेज से 20 विदेशियों के पासपोर्ट जारी, विदेश मंत्रालय में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिकों के भारतीय पासपोर्ट हासिल करने का मामला सामने आने से विदेश मंत्रालय में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पासपोर्ट पोर्टल के माध्यम से करीब 20 विदेशियों के नाम पर भारतीय पासपोर्ट जारी किए गए। मामले ने ऑनलाइन सत्यापन और दस्तावेज जांच की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियों को आशंका है कि गिरोह ने फर्जी पहचान, पते और अन्य दस्तावेजों का इस्तेमाल कर आवेदकों को भारतीय नागरिक के रूप में प्रस्तुत किया। इसके बाद पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया में इन दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड कर पासपोर्ट हासिल किए गए। अब यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है, दस्तावेजों की जांच के दौरान किस स्तर पर चूक हुई। कहीं कर्मचारियों या बिचौलियों की मिलीभगत तो नहीं थी। विदेश मंत्रालय और संबंधित एजेंसियां जारी पासपोर्टों की जानकारी खंगाल रही हैं। हाल में बांग्लादेश के 20 नागरिकों के फर्जी पासपोर्ट जारी हुए हैं। जानकारी का खुलासा होने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक को मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। डबरा के एक ही पते पर 20 बांग्लादेशी पासपोर्ट बनने का मामला सामने आया है। इन पासपोर्ट के जरिए विदेश यात्रा या अन्य गतिविधियों में तो नहीं हुआ, इसकी भी जांच की जा रही है। मंत्रालय की ओर से पासपोर्ट प्रक्रिया में सुरक्षा जांच और डिजिटल सत्यापन को और मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है।

शिमला की मस्जिद में निकला अवैध निर्माण, आयुक्त कोर्ट ने दिए दीवार गिराने का आदेश

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के शिमला के संजौली में मस्जिद को लेकर खूब विवाद हुआ था और बाद में इस मस्जिद को अवैध करार दिया था। मामले में फिर मस्जिद को गिराने का भी काम भी शुरू हो गया था। ऐसे में अब शहर में एक और मस्जिद में निर्माण अवैध निकला है और इस पर भी बुलडोजर चलाने के आदेश दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक शिमला शहर के बालूगंज में मस्जिद परिसर में कथित अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त कोर्ट ने दीवार गिराने के आदेश दिए हैं। आयुक्त की कोर्ट ने 2013 से चल रहे मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। नगर निगम के मुताबिक पुराने शौचालयों की दीवार को बिना अनुमति दोबारा बनाया गया था और नई दीवार पुरानी सीमा से करीब डेढ़ से दो फीट बाहर थी। मस्जिद पक्ष ने निर्माण को सुविधा के लिए किया गया बताते हुए जमीन पर अपना अधिकार होने का तर्क दिया था। शनिवार को आयुक्त कोर्ट ने अवैध निर्माण से जुड़े 20 मामलों में से छह पर फैसला सुनाया। इनमें बालूगंज मस्जिद के अलावा न्यू शिमला, खलीनी, पंथाघाटी और फ्लावरडेल के मामले भी शामिल हैं। वहीं, हिंदू संगठन देवभूमि संघर्ष समिति के पदाधिकारी ने मस्जिद मामले को लेकर मोर्चा खोल दिया है और उनका कहना है कि हिन्दू संगठनों ने पहले भी इस मामले को उठाया था ना केवल बालूगंज बल्कि शिमला में बहुत सी ऐसी मस्जिदें हैं जो अवैध रूप से बनाई गई हैं। मस्जिद कमेटी इस मामले को जिला अदालत में ले जाएगी या मस्जिद की दिवार गिराई जाएगी फिलहाल यह कार्रवाई केवल संबंधित दीवार/निर्माण को हटाने तक सीमित है, पूरी मस्जिद को गिराने का कोई आदेश नहीं है।

भीषण तूफान का अलर्ट : 24 राज्यों में भारी बारिश, आंधी और वज्रपात की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने देश के 24 राज्यों में भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, इसके बाद लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। मानसून की रफ्तार फिर तेज हो गई है और देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज अचानक बिगड़ने वाला है। चेतावनी में कहा गया है कि कई इलाकों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है, साथ ही बिजली गिरने और ओलावृष्टि की भी संभावना है। दिल्ली में भारी बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम का असर व्यापक रहने वाला है, जहां मेरठ, मुजफ्फरनगर, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, कानपुर, बहराइच, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, इटावा और अयोध्या समेत कई जिलों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इसी तरह, बिहार में पटना, गया, जहानाबाद, भोजपुर, गोपालगंज, बक्सर, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, सहरसा, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, भागलपुर और मुंगेर में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ी राज्यों में खतरा और बढ़ सकता है। उत्तराखंड के बागेश्वर, हरिद्वार, नैनीताल, चंपावत, पिथौरागढ़, पौड़ी, टिहरी और चमोली में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा भी बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के भी कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, अनंतनाग, जम्मू, बारामुल्ला समेत कई इलाकों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी दी गई है। वहीं राजस्थान के जैसलमेर, जयपुर, झुंझुनू, सीकर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर और भरतपुर सहित कई जिलों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है, जहां हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

मुझे बदनाम और फिर पंजाब को लूटने का मौका तलाश रहा विपक्ष: सीएम मान

–अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी से गठबंधन की भीख मांग रहा

बठिंडा, एजेंसी।
पंजाब के सीएम भगवंत मान ने विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ''सालों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने'' का मौका तलाशने का आरोप लगाया है। बठिंडा के घुड्डा गांव में 'लोक मिलनी' कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। बीजेपी और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ नेता ''मोदी कोटे'' से हैं और कुछ ''राहुल गांधी कोटे'' से, जबकि वह अकेले ''जनता के कोटे'' से हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों का पंजाब और उसके लोगों के खिलाफ काम करने का ''संदिग्ध रिकॉर्ड'' रहा है और उनके कृत्यों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, सतलुज यमुना लिंक नहर, हरिके नहर, गणतंत्र दिवस की झांकियों, ग्रामीण विकास कोष और सीमावर्ती क्षेत्र के कोष जैसे मुद्दों पर बीजेपी ने हमेशा पंजाब के साथ अन्याय किया है।

सीएम मान ने आरोप लगाया कि ''काले कृषि कानूनों'' के खिलाफ प्रदर्शन में शहीद हुए पंजाब के 700 से ज्यादा किसानों के खून से बीजेपी के हाथ रंगे हुए हैं और पंजाब की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। कांग्रेस के रिकॉर्ड की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि इसी पार्टी ने श्री अकाल तख्त साहिब में टैंक भेजे थे। मान ने आरोप लगाया कि पंजाब में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में फैले नशे के खतरे को रोकने के लिए कुछ नहीं किया और बेअदबी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में भी विफल रही।

शिअद पर निशाना साधते हुए सीएम मान ने कहा कि अकाली दल सत्ता में लौटने के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन की ''भीख मांग रहा है'' और इस गठबंधन के पीछे न कोई विचारधारा है, न पंजाब के लिए दृष्टिकोण और न ही लोगों की चिंता। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर कटाक्ष करते हुए मान ने दावा किया कि वह जीवनभर सुख-सुविधाओं से घिरे सुरक्षित माहौल में रहे हैं और पंजाब की जमीनी हकीकत नहीं समझते। उन्होंने कहा कि बादल को राज्य की बुनियादी भौगोलिक जानकारी तक नहीं है और किसानों की समस्याओं की भी उन्हें बहुत कम जानकारी है। कांग्रेस में ''अंदरूनी कलह'' पर तंज कसते हुए मान ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता के लिए आपस में लड़ रहे हैं, जबकि राज्य सरकार लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है।

हवा में तेल खत्म होने से बची सैकड़ों जिंदगियां, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

कोच्चि (एजेंसी)। आसमान में सोमवार को बड़ा हादसा टल गया, जब कोच्चि से अबू धाबी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में अचानक तेल का दबाव कम होने लगा। 36,000 फीट की ऊंचाई पर करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद क्रू ने इंजन 1 में तेल की मात्रा तेजी से घटते देखी और उसकी सप्लाई रोक दी। खतरे को भांपते हुए क्रू ने तकनीकी प्रोटोकॉल का पालन कर विमान को वापस कोच्चि लाने का निर्णय लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, बोइंग 737 विमान को सुरक्षित कोच्चि हवाई अड्डे पर उतार लिया गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस या एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से घटना पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विमान की जांच शुरू कर दी गई है और विमान ने दोबारा उड़ान नहीं भरी है। अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि तेल संबंधी यह समस्या क्यों आई और इसका जिम्मेदार कौन है। यह पहला मौका नहीं है, जब एयर इंडिया एक्सप्रेस के किसी विमान में ऐसी तकनीकी दिक्कत आई हो। हाल ही में वाराणसी से दिल्ली आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक और उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा था। विमान के कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं की चेतावनी मिलने के बाद यह फैसला लिया था। हालांकि, लखनऊ में भी विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई और बाद में वैकल्पिक विमान से यात्रियों को दिल्ली भेजा गया था। इन लगातार सामने आ रही तकनीकी समस्याओं ने विमानन सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा को 4 साल पूरे: कांग्रेस ने बताया राजनीति का परिवर्तनकारी मोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत को देश की समकालीन राजनीति में एक परिवर्तनकारी घटना बताया है, जिसने राष्ट्र में नई उम्मीद और नया संकल्प पैदा किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने ऐतिहासिक पदयात्रा 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू की थी, जिसका समापन 30 जनवरी, 2023 को श्रीनगर में एक रैली के साथ हुआ। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने पदयात्रा को एक निर्णायक मोड़ बताया, जिसने देश में नई ऊर्जा और संकल्प का संचार किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में, यह यात्रा 145 दिनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर 4,080 किलोमीटर की दूरी तय कर श्रीनगर पहुंची थी। इसमें राहुल गांधी के साथ करीब 120 अन्य भारत यात्री भी शामिल हुए थे। कांग्रेस पार्टी के अनुसार, लाखों भारतीयों ने पदयात्रा को अपना समर्थन और सहयोग दिया, जो बढ़ती आर्थिक असमानताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और बढ़ते राजनीतिक अधिनायकवाद से चिंतित थे। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि यात्रा का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा संवैधानिक सिद्धांतों पर हो रहे व्यवस्थित हमले को वैचारिक चुनौती देना था। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा का लक्ष्य मन की बात कहना नहीं, बल्कि जनता की चिंता सुनना था।

डॉक्टरों पर हमला करने वाले नेताओं को तुरंत हिरासत में लो: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर लगातार बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ा निर्देश देकर कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को तुरंत हिरासत में लें और उन्हें खुले में घूमने की इजाजत नहीं मिलनी चाहिए। यह सख्त टिप्पणी शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई।

शीर्ष न्यायालय कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले में म्हात्रे की जमानत शर्तों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। हालांकि, उनके वकील मुकुल रोहतगी ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली। महाराष्ट्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर को तय की गई है, जिसके लिए अदालत ने नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से ठीक एक दिन पहले, पालघर जिले में भी एक अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर मारपीट की घटना सामने आई थी। आरोप है कि दही हांडी उत्सव के दौरान घायल एक व्यक्ति को अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के कुछ पदाधिकारियों ने अस्पताल में हंगामा कर मारपीट की। सीसीटीवी फुटेज में व्यक्ति को अस्पताल की रिसेप्शनिस्ट को थप्पड़ मारते हुए भी देखा गया, जब रिसेप्शनिस्ट ने बीच-बचाव की कोशिश की थी। इस मामले में पालघर पुलिस ने कम से कम 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें शिंदे गुट के कुछ सदस्य भी शामिल हैं।

गौरतलब है कि 6 जुलाई को ठाणे के शास्त्रीनगर अस्पताल, कल्याण में इस तरह की घटना हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के कॉर्पोरेटर म्हात्रे ने अपने साथियों के साथ अस्पताल में प्रवेश कर एक गर्भवती महिला के इलाज और एनआईसीयू बेड न मिलने को लेकर हुए विवाद के बाद महिला डॉक्टर सहित तीन डॉक्टरों और स्टाफ पर हमला किया था। यह घटना महाराष्ट्र में स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति को उजागर करती है, जिस पर अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

सुपौल हॉस्टल में 8 वर्षीय छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुपौल (एजेंसी)। सुपौल के गौरवगढ़ वार्ड नंबर-6 स्थित निजी स्कूल के हॉस्टल में बीते रविवार को आठ वर्षीय छात्र प्रियांशु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। इस घटना के बाद मृतक छात्र के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जानकारी के अनुसार, भोजन के बाद हॉस्टल के दो अन्य बच्चों ने प्रियांशु को स्कूल की छत पर अचेत अवस्था में पाया। उसके गले में गमछा और बेल्ट बंधी हुई थी, जो घटना को और भी रहस्यमय बना रही है। बच्चों ने तुरंत गार्ड को इसकी सूचना दी, जिसने आगे स्कूल संचालक संतोष कुमार को बताया। आनन-फानन में संचालक कुछ सहयोगियों के साथ बच्चे को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। प्रियांशु की मौत की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और उन्होंने चीख-चीखकर हत्या बताया। उनका आरोप है कि प्रियांशु के गले में फंदा लगाकर उसकी जान ली गई है और उन्हें घटना की जानकारी देने में भी कई घंटों की जानबूझकर देरी की गई। हालांकि, इन गंभीर आरोपों पर स्कूल की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। घटना की सूचना पर पुलिस और एसडीपीओ तत्काल अस्पताल पहुंचे और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने घटनास्थल, स्कूल परिसर और हॉस्टल में बच्चों की निगरानी-व्यवस्था से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है, ताकि मौत की असल वजह और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

संदिग्ध ड्रोन दिखने के बाद अमृतसर एयरपोर्ट आया हाई अलर्ट पर

–रात करीब 10 बजे मची हलचल, 7 उड़ानों का बदला गया रूट

अमृतसर, एजेंसी।
पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार रात संदिग्ध ड्रोन गतिविधि सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। एयरपोर्ट के अति-संवेदनशील ऑपरेशनल एरिया और रनवे के आसपास दो से चार संदिग्ध ड्रोन मंडराते हुए देखे गए। घटना की जानकारी मिलते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने सुरक्षा के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी कर दिया। एहतियाती कदम के तौर पर सात उड़ानों के रूट में बदलाव किया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, संदिग्ध ड्रोन राजाला गांव की दिशा से एयरपोर्ट की ओर आते हुए दिखाई दिए। कुछ मिनट तक ये ड्रोन रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाकों के ऊपर मंडराते रहे। एयरपोर्ट जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की गतिविधि को हवाई यातायात की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना जाता है।

घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं और संदिग्ध ड्रोन की गतिविधियों पर नजर रखी गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी में यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से उड़ाए थे। मामले की जांच के साथ एयरपोर्ट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई।

पाकिस्तान सीमा के बेहद करीब है अमृतसर एयरपोर्ट

श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमृतसर शहर से करीब 11 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में राजा सांसी क्षेत्र में स्थित है। यह पंजाब का प्रमुख और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। एयरपोर्ट का नाम सिखों के चौथे गुरु और अमृतसर के संस्थापक गुरु राम दास के नाम पर रखा गया है। इस एयरपोर्ट की भौगोलिक स्थिति सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा से हवाई दूरी के हिसाब से 30 किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। ऐसे में एयरपोर्ट के आसपास किसी भी संदिग्ध ड्रोन गतिविधि को सुरक्षा एजेंसियां विशेष गंभीरता से लेती हैं।

एलओसी के पास भी दिखे थे संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन

यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब जम्मू-कश्मीर में भी सीमा के पास संदिग्ध ड्रोन गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। सूत्रों के मुताबिक, अगस्त में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में रुमलिधारा इलाके के पास तीन संदिग्ध ड्रोन भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हुए थे। सुबह करीब 8.05 बजे ड्रोन दिखाई देने के बाद 22वीं जम्मू-कश्मीर राइफल्स के जवानों ने तत्काल कार्रवाई की और काउंटर-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद तीनों ड्रोन वापस सीमा पार लौट गए। इसके बाद एहतियात के तौर पर एलओसी के आसपास सर्च ऑपरेशन चलाया गया था।

बंगाल में दुर्गा पूजा में प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए

-बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में मचा घमासान

कोलकाता, एजेंसी।
धीरेंद्र शास्त्री के बयान से पश्चिम बंगाल में बड़ा घमासान शुरू हो गया है। धीरेंद्र शास्त्री हाल ही में बंगाल पहुंचे थे। यहां उन्होंने एक जनसभा में बंगाल के लोगों से अपील की है कि इस साल दुर्गा पूजा में दुर्गा माता की प्रतिमा के पास मांसाहारी खाना नहीं बिकना चाहिए। अब उनके बयान से बहस शुरू हो गई है। धीरेंद्र शास्त्री का यह बयान दुर्गा पूजा उत्सव से ठीक पहले आया है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों के पास मांसाहारी भोजन की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे नवरात्रि के दौरान नियमों का पालन करें।

धीरेंद्र शास्त्री ने लव जिहाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस बार की नवरात्रि में तुम दुर्गा पूजा करना या न करना, लेकिन एक काम जरूर करना। पश्चिम बंगाल को लव जिहाद मुक्त जरूर कर देना।ज तुम प्रण लेना कि प्रतिमा के मां के दर्शन करना। धीरेंद्र शास्त्री ने इस दौरान स्वरा भास्कर के जौहर को लेकर दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि जौहर को कायरता कहने वाले लोग धर्म को जानते ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एक महिला हैं। उसने रानी पद्मावती पर बयान दिया। उसने जौहर पर बयान दिया कि जौहर कायरता है। ये कायरता नहीं, वीरता है। अपने पति के प्रति वो अर्पण है। तुम क्या जानो जौहर को। तुम क्या जानो संस्कृति को। धर्म विरुद्ध लोग तुम जान भी नहीं सकते। जो भैया को सैया बना लेते हैं वो क्या जाने जौहर को।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब धीरेंद्र शास्त्री की इस अपील के बाद राज्य में नई बहस शुरू हो गई है। दरअसल बंगाल में पूजा पंडालों के बाहर नॉन वेज बिकने की परंपरा बहुत पुरानी है। लोग उसे देवी मां के प्रसाद के रूप में खाते भी हैं। अब बंगाल के लोग इसे सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान और खान-पान की परंपराओं पर रोक मान रहे है। लोगों का कहना है कि बंगाल में दुर्गा पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि एक बड़ा सांस्कृतिक उत्सव भी है और खान-पान इस उत्सव का एक अहम हिस्सा है। उनका तर्क है कि खान-पान को लेकर कोई नियम जबरन नहीं थोपा जाना चाहिए।

सीएम विजय की डीएमके को चेतावनी: महिलाओं के अपमान और भ्रष्टाचार पर नहीं होगी नरमी

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विपक्षी पार्टी डीएमके पर कड़ा प्रहार कर चेतावनी दी कि महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। पुलिस विभाग के लिए अनुदान की मांग पर विधानसभा में हुई बहस के जवाब में, मुख्यमंत्री विजय ने डीएमके पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया, साथ ही पार्टी के उन पदाधिकारियों की आलोचना की जिन्होंने कथित तौर पर उन लोगों के खिलाफ बयान दिए थे जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया था। सीएम विजय ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक आलोचना स्वीकार्य है, लेकिन महिलाओं के प्रति अभद्र या अपमानजनक टिप्पणी करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई होगी।

भ्रष्टाचार के आरोपों पर विस्तार से बात कर मुख्यमंत्री विजय ने दावा किया कि उनके पास आधिकारिक रिकॉर्ड और विधानसभा लाइब्रेरी में मौजूद दस्तावेजों और नतीजों के प्रमाण हैं। उन्होंने डीएमके को सबूत मांगने के बजाय आरोपों का जवाब देने की चुनौती दी। उन्होंने 1977 की सरकारिया आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर वीरनम पाइपलाइन परियोजना में कथित गड़बड़ी और ठेके देने में कमीशन मांगने का आरोप लगाया। सीएम विजय ने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का इस्तेमाल एक विशिष्ट कंपनी को अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए हुआ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों का हवाला देकर उन्होंने पार्टी फंड के नाम पर पैसे जुटाने और कुछ लेन-देन में 7.5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन लेने की बात कही। उन्होंने पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी पर भी अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने डीएमके अध्यक्ष और पूर्व सीएम एम.के. स्टालिन और पार्टी नेता उदयनिधि स्टालिन का नाम लिया, आरोप लगाया कि वे और पूर्व मंत्री से जुड़े अन्य अधिकारी इन कथित लेनदेन में शामिल थे। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय द्वारा लगाए गए ये सभी आरोप अभी भी अदालत में सिद्ध नहीं हुए हैं और केवल आरोप ही बने हुए हैं।

अपनी बात समाप्त कर सीएम विजय ने कहा कि वे राजनीति में पद या सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा के लिए आए हैं। उन्होंने सी.एन. अन्नादुरई, एम.जी. रामचंद्रन और एन.टी. रामाराव जैसी हस्तियों की विरासत का उल्लेख कर विश्वास व्यक्त किया कि राजनीतिक विरोध के बावजूद अंततः जनता का प्यार ही विजयी होगा।

गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से बाढ़ का पानी घरों तक पहुंचा

नाव के सहारे आवागमन करने को मजबूर ग्रामीण

राजेश कुमार/बिभा

उधवा । गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से उधवा प्रखंड के दियारा क्षेत्र में बाढ़ का असर अब देखने लगा है। गंगा नदी किनारे बसे घरों तक बाढ़ का पानी तेजी से प्रवेश कर रहा है। जिससे लोगों की समस्या काफी बढ़ गई है। दियारा क्षेत्र के कुछ सड़कों पर बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से आवागमन प्रभावित हो गया है। जिससे प्रखंड मुख्यालय से विभिन्न गांवों का संपर्क अब धीरे-धीरे टूट गया है। ग्रामीण नाव के सहारे आवागमन कर रहे है?। जानकारी के अनुसार पूर्वी प्राणपुर, श्रीधर दियारा,पश्चिमी प्राणपुर तथा दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के गोलढाब (चुआर),उत्तर पलाशगाछी,पूर्वी उधवा दियारा,अमानत दियारा सहित अन्य पंचायतों के विभिन्न गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। ग्रामीणों के अनुसार पूर्वी प्राणपुर पंचायत के जीतनगर, रज्जाक टोला, मुर्तज टोला, कतलामारी सहित अन्य गांवों के घरों तक बाढ़ का पानी घुस गया है। वहीं गोलढाब चुआर के भी कई टोला बाढ़ की चपेट में आ गए है। इससे सैकड़ों परिवार प्रभावित हुए है। जिससे लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ गई है। वहीं शांतिमोड़ से श्रीधर दियारा कॉलोनी-10 जाने वाली सड़क पर बाढ़ का पानी घुस गया है। इसके अलावा पूर्वी उधवा दियारा के बोतलुटोला से अमानत दियारा जाने वाली सड़क पर बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। वहीं पूर्वी उधवा दियारा के चामाग्राम गांव में घरों के आसपास बाढ़ का पानी पहुंच गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के पानी के साथ ही क्षेत्र के कई हिस्सों में गंगा का कटाव भी तेज हो गया है। कटाव के कारण नदी किनारे रहने वाले परिवारों में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि कटाव की चपेट में आने के बाद करीब आधा दर्जन परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलस्तर और बढ़ा तथा कटाव की रफ्तार इसी तरह जारी रही तो आने वाले दिनों में और अधिक परिवारों को विस्थापित होना पड़ सकता है। बाढ़ से प्रभावित परिवारों के सामने भोजन,पेयजल और आवागमन की समस्या गंभीर होती जा रही है। घरों के आसपास पानी जमा होने के कारण लोगों को बाहर निकलने में परेशानी हो रही है। कई स्थानों पर ग्रामीणों को जरूरी सामान लाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। फिलहाल आवागमन के लिए एकमात्र डिंगी नाव ही ग्रामीणों का सहारा बनी हुई है। इससे लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में काफी परेशानी हो रही है।

मवेशियों के लिए पशु चारा उपलब्ध कराने की मांग

बाढ़ का असर पशुपालकों पर भी पड़ा है। घरों के आसपास पानी भर जाने से मवेशियों को रखने के लिए सुरक्षित स्थान की कमी हो गई है। वहीं पशुओं के लिए चारा जुटाना भी ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पशु चारा उपलब्ध कराने तथा मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्था करने की मांग की है।

क्या कहते है अंचल निरीक्षक

इस संबंध में उधवा के अंचल निरीक्षक हैदर अली ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेकर आवश्यक सामग्री की मांग की गई है। जल्द ही प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री समेत अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

बाढ़ प्रभावित गदाई सितारा में पशुपालकों के बीच चारा वितरित

एसडीओ ने क्षेत्र का दौरा कर लिया स्थिति का जायजा, हरसंभव मदद का दिया भरोसा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। बाढ़ की विषम परिस्थितियों के बीच जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों के साथ उनके पशुधन की सुरक्षा और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में जुटा है। इसी क्रम में सोमवार को राजमहल के अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने बाढ़ प्रभावित गदाई सितारा क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान एसडीओ ने प्रभावित पशुपालकों के बीच पशुओं के लिए चारा वितरित किया। उन्होंने पशुपालकों से बातचीत कर बाढ़ के कारण उत्पन्न समस्याओं और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। एसडीओ ने उन्हें प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन के लिए पर्याप्त चारा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रशासन की ओर से राहत एवं बचाव कार्यों के साथ पशुधन की देखभाल को भी प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं जिला प्रशासन ने कहा कि बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कोई भी प्रभावित परिवार या उसका पशुधन सहायता से वंचित न रहे, इसके लिए आवश्यक राहत सामग्री और सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

साहेबगंज महाविद्यालय से एनएसएस स्वयंसेवकों का आठ सदस्यीय दल हजारीबाग रवाना

साहेबगंज(बिभा)। साहेबगंज महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का आठ सदस्यीय दल राज्य स्तरीय पूर्व गणतंत्र दिवस चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सोमवार को रेल मार्ग से हजारीबाग रवाना हुआ। दल का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. कुमार प्रशांत भारती कर रहे हैं। साहेबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचकर दल को रवाना किया। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे चयन प्रक्रिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 26 जनवरी 2027 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का गौरव हासिल करेंगे। वहीं बताया गया कि विगत दिनों सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के दिग्घी परिसर में विश्वविद्यालय के अंगीभूत महाविद्यालयों के एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए पूर्व गणतंत्र दिवस चयन प्रक्रिया आयोजित की गई थी। इस प्रक्रिया में साहिबगंज महाविद्यालय से शामिल सभी आठ स्वयंसेवकों का चयन हजारीबाग में होने वाली राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया के लिए किया गया। कहा अब स्वयंसेवक विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में आयोजित चयन प्रक्रिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यहां चयनित स्वयंसेवकों को आगे नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड-2027 में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। दल के रवाना होने के दौरान महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने सभी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली-पटना में मजदूरी कर रहा युवक पांच माह से लापता, पिता ने थाने में दी शिकायत

राजमहल (बिभा)। राजमहल थाना क्षेत्र के महासिंगपुर पंचायत अंतर्गत बढ़तल्ला गांव से एक 34 वर्षीय युवक के संदिग्ध परिस्थितियों में गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। युवक की पहचान राजू साहा के रूप में हुई है, जो पिछले कई वर्षों से बाहरी राज्यों में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। वही प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजू साहा पिछले करीब दो वर्षों से एक ठेकेदार के माध्यम से दिल्ली में श्रमिक का कार्य कर रहा था। लगभग पांच माह पूर्व वही ठेकेदार उसे बिहार के पटना जिले स्थित एक कंपनी में काम दिलाने के लिए लेकर गया था, लेकिन तभी से युवक का परिवार से संपर्क टूट गया। वही परिजनों के अनुसार, पिछली बार राजू से 15 अगस्त को मोबाइल पर बातचीत हुई थी। इसके बाद जब परिवार के सदस्यों ने उसके नंबर पर कॉल करना शुरू किया तो फोन लगातार स्विच ऑफ बताने लगा। काफी समय तक संपर्क न होने पर परिजनों को अनहोनी की आशंका सताने लगी। साथ ही युवक के पिता अभिरत साहा ने बताया कि बेटे की तलाश में परिवार ने सभी रिश्तेदारों और जान-पहचान के संभावित ठिकानों पर खोजबीन की, लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। अंततः विवश होकर उन्होंने 30 अगस्त को राजमहल थाना पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी और पुत्र की बरामदगी की गुहार लगाई। वही इस संबंध में राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि युवक के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और युवक के लापता होने के कारणों के साथ-साथ उसके संभावित ठिकानों का पता लगाने के लिए छानबीन की जा रही है। फिलहाल युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

सुदीव्य कुमार सोनू के निधन पर बरहेट में झामुमो ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता व झारखंड सरकार के मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन से पार्टी कार्यकताओं में शोक की लहर है। सोमवार को उनके निधन पर झामुमो प्रखंड कार्यालय बरहेट में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन, केंद्रीय समिति सदस्य, प्रखंड समिति के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने दिवंगत सुदीव्य कुमार सोनू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान पूरा माहौल गमगीन रहा। कार्यकताओं ने उनके व्यक्तित्व, संघर्ष और संगठन के प्रति समर्पण को याद किया। वहीं झामुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. नजरूल इस्लाम ने कहा कि सुदीब्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन झामुमो परिवार के लिए अत्यंत दुखद और अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संगठन के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा झामुमो परिवार शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। सभा के अंत में उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नाड मरांडी, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान, देव सोरेन, उपप्रमुख रुपक कुमार साह, प्रखंड कोषाध्यक्ष गुंजन सिंघानिया, लखीराम हेंब्रम, समदा सोरेन, मिराज हक, लाडला आलम, इफ्तेखार आलम, रमेश मुर्मू, लड्डू भगत, सरकार हेंब्रम सहित विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष, सचिव एवं सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शोक सभा आयोजित कर शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को दी श्रद्धांजलि

साहेबगंज । सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, लालमाटी में सोमवार, 7 सितंबर 2026 को झारखंड के शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के वंदना कक्ष में आयोजित शोक सभा में विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान विद्यालय परिवार ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख की घड़ी में साहस और धैर्य प्रदान करने की कामना की। वहीं शोक सभा में विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उपाध्याय सहित सभी आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित रहीं।

प्रशासन की संवेदनशील पहल, छात्रावासों में बांटी खाद्य सामग्री

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिले में बाढ़ की चुनौतीपूर्ण स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से राहत एवं सहायता कार्य लगातार चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को साहेबगंज महाविद्यालय परिसर स्थित आदिवासी कल्याण छात्रावास, अंबेडकर कल्याण छात्रावास एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास में रह रहे छात्रों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। वहीं अंचल अधिकारी साहेबगंज बासुकीनाथ टुडू ने छात्रावास पहुंचकर छात्रों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। इस दौरान प्रशासन की ओर से छात्रों को हरसंभव सहयोग और सहायता का भरोसा दिलाया गया। बाढ़ की विषम परिस्थितियों में छात्रावासों में रह रहे छात्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा राहत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जा रहा है। खाद्य सामग्री मिलने से छात्रों को राहत मिली। मौके पर अंचल निरीक्षक विकास कुमार बास्की, साहेबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

मौसम की बेरुखी ने बढ़ाई मरीजों की तादाद, राजमहल अस्पताल की ओपीडी में उमड़ रही भीड़

बिभा संवाददाता

राजमहल । कभी तेज धूप तो कभी रिमझिम बारिश और सुबह-शाम की हल्की ठंड—मौसम के इस उतार-चढ़ाव ने लोगों की सेहत बिगाड़नी शुरू कर दी है। वही राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में इन दिनों मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है। सुबह होते ही ओपीडी में सर्दी, खांसी, बुखार, गले में खराश, डायरिया और वायरल संक्रमण से पीड़ित मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं।

बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित

मौसम के अचानक बदलाव का असर सबसे ज्यादा बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। अस्पताल में बुखार के साथ कमजोरी, बदन दर्द और गले में खराश की शिकायत लेकर पहुंचने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं डायरिया के मामलों में भी इजाफा दर्ज किया गया है। मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों पर काम का दबाव भी बढ़ गया है।

बारिश के बाद बढ़ जाता है संक्रमण का खतरा

राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने बताया कि तापमान में लगातार हो रहे बदलाव के कारण वायरल संक्रमण, सर्दी-जुकाम और बुखार के मामले तेजी से बढ़ते हैं। बारिश के बाद वातावरण में नमी बढ़ने से भी संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और ताजा एवं पौष्टिक भोजन करने की सलाह दी है। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों को मौसम के अनुसार कपड़े पहनने की अपील की है।

बिना डॉक्टरी सलाह दवा लेना खतरनाक

राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि बुखार, लगातार खांसी, डायरिया या अन्य किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लक्षण दिखने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा लेना खतरनाक हो सकता है। ऐसे लक्षण दिखते ही तुरंत अस्पताल पहुंचकर चिकित्सक से जांच करानी चाहिए। उन्होंने साफ पानी पीने, आसपास स्वच्छता बनाए रखने और बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को लोहे की रॉड से पीटा, थाने में प्राथमिकी दर्ज

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर गांव में शराब के नशे में एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घरेलू काम के दौरान हुआ विवाद

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, घटना 4 सितंबर 2026 की सुबह लगभग 8 बजे की है। जामनगर निवासी सनतना देवी अपने घर में दैनिक कार्यों में व्यस्त थीं। इसी दौरान उनके पति नगरदीप मंडल कथित रूप से शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचे और बिना किसी ठोस कारण के विवाद करने लगे। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर नगरदीप मंडल ने आपा खो दिया और जान से मारने की नीयत से लोहे की रॉड उठाकर पत्नी पर हमला कर दिया। इस हमले में सनतना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पीड़िता ने थाने में दी शिकायत

घटना के बाद घायल अवस्था में पीड़िता राजमहल थाना पहुंचीं और अपने पति के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजमहल थाना कांड संख्या 306/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच-पड़ताल कर रही है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है और जांच के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि दोषी के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । शहर के उत्सव हॉल में सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष गौतम यादव की अध्यक्षता में सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे। साथ ही कार्यशाला में पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा, प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो, जिला प्रभारी अमृत पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी, कृपानाथ मंडल एवं धर्मेंद्र कुमार सहित पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं कार्यशाला के दौरान प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला प्रभारी ने संगठन की आगामी कार्ययोजना के साथ सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी कार्यकताओं को दी। इस दौरान पूर्व विधायक अनंत ओझा की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा पर आधारित 14 प्रकार की पीपीटी प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके सार्वजनिक जीवन, सेवा कार्यों एवं संगठनात्मक योगदान को प्रस्तुत किया गया। वहीं पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण को समर्पित 25 वर्षों की राजनीतिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकताओं से सेवा और जनकल्याण की भावना के साथ सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह एवं अन्य प्रदेश पदाधिकारियों ने संगठन को और मजबूत बनाने तथा अभियान को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं से सक्रिय और समर्पित भूमिका निभाने की अपील की। बैठक में अभियान की रूपरेखा, संगठनात्मक जिम्मेदारियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यशाला में जिला टोली, मंडल टोली, जिले के सभी 17 मंडलों के मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी तथा अभियान के संयोजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री धनंजय कुमार मंडल ने किया। वहीं जिला महामंत्री सालखू सोरेन ने सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। वहीं कार्यशाला के दौरान कार्यकताओं में सेवा संकल्प अभियान को लेकर उत्साह और सक्रियता देखने को मिली।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य)/राँची, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची द्वारा निविदा सूचना सं.: **ईएल–जीआरएनसी–एसटी–मुरीलिफ्ट–21–26, दिनांक 04.09.2026** के तहत ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जिसके खुलने की निर्धारित तिथि 28.09.2026 को 16.00 बजे या उसके बाद है। ईएल–जीआरएनसी–एसटी–मुरीलिफ्ट–21–26, दिनांक 04.09.2026, **कार्य का संक्षिप्त विवरण/नाम** : 05 वर्ष की अवधि के लिए मुरी रेलवे स्टेशन पर 2 लिफ्ट का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु.33,35,430.48, **बयाना राशि** : रु. 66,700/– **निविदा की अंतिम तिथि व समय:** 28.09.2026 को 16.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: https://www.ireps.gov.in** निविदा का विवरण वेबसाइट **http://www. ireps. gov.in** में देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाता के पास क्लास–III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट रहना चाहिए एवं आईआरईपीएस पोर्टल के अधीन पंजीकृत हों। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं। ई–निविदा प्रणाली में भाग लेते समय सभी संबंधित कागजात निविदाकार द्वारा निविदा कागजात के साथ अपलोड किए जाएं। **(PR-725)**

संक्षिप्त डायरी

भागलपुर रेलवे स्टेशन पर 39 करोड़ से बनेगा बिहार का पहला स्थायी 'होल्डिंग एरिया', थमेगी दीपावली-छठ की भीड़

पटना (एजेंसी) भागलपुर रेलवे स्टेशन पर त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 39 करोड़ रुपये की लागत से एक विशाल और आधुनिक स्थायी होल्डिंग एरिया का निर्माण किया जाएगा. यह बिहार का पहला ऐसा स्टेशन होगा जहां यात्रियों के ठहरने के लिए सभी सुविधाएं होंगी. दीपावली और लोकआस्था के महापर्व छठ के दौरान परदेस से घर लौटने और पर्व समाप्ति के बाद वापस काम पर जाने वाले रेल यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूर्व रेलवे के मालदा डिवीजन ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है. भागलपुर रेलवे स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ के दबाव को व्यवस्थित करने के लिए लगभग 39 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से एक विशाल और अत्याधुनिक 'स्थायी होल्डिंग एरिया' का निर्माण कराया जाएगा. परियोजना को रेलवे बोर्ड से प्रशासनिक व तकनीकी स्वीकृति मिल चुकी है. इस कार्य का जिम्मा राइट्स (फ्रब्लएर) के माध्यम से रेल भूमि विकास प्राधिकरण) को सौंपा गया है. निर्माण कार्य को महज 4 महीने के भीतर पूरा करने का सख्त लक्ष्य रखा गया है. बिहार और मालदा डिवीजन का पहला स्टेशन, जहां बनेगा स्थायी होल्डिंग एरिया अब तक हर साल दीपावली और छठ के दौरान स्टेशन परिसर में मालदा डिवीजन द्वारा वाटरप्रूफ टेंट और पंडाल लगाकर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाया जाता था, जिस पर रेलवे के लाखों रुपये खर्च होते थे. इसके बावजूद यात्रियों को बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझना पड़ता था. अब इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला गया है. पूरे बिहार और मालदा रेल मंडल के अंतर्गत भागलपुर पहला ऐसा स्टेशन होगा, जहां यात्रियों के ठहरने के लिए सर्वसुविधायुक्त स्थायी होल्डिंग परिसर विकसित किया जा रहा है. इसका निर्माण पुराने रिजर्वेशन काउंटर के समीप खाली पड़ी भूमि पर कराया जाएगा. प्रस्तावित होल्डिंग एरिया को एक विशाल आधुनिक हॉल के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें एक साथ सैकड़ों यात्रियों के बैठने के लिए आरामदायक कुर्सियां (सीटिंग चेयर) लगाई जाएंगी. लंबी दूरी की ट्रेनों से देर रात आने वाले या कनेक्टिंग ट्रेन पकड़ने वाले यात्री यहां सुरक्षित विश्राम कर सकेंगे. परिसर में स्वच्छ पेयजल, आधुनिक यूरिनल, टॉयलेट ब्लॉक और स्नानागार (बाथरूम) की पूरी व्यवस्था होगी. निर्माण स्थल का स्थलीय तकनीकी सर्वे पूरा कर लिया गया है, साथ ही आरपीएफ द्वारा पूरे इलाके की ड्रोन से फोटोग्राफी व मैपिंग भी कराई जा चुकी है. . इस दौरान मुख्य स्टेशन और प्लेटफॉर्मों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बचती. माइकिंग से होगा संचालनः ट्रेन आने के 10 मिनट पहले ही प्लेटफॉर्म पर मिलेगा प्रवेश छठ पूजा के बाद वापसी के पीक सीजन में यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. स्टेशन पर आते ही यात्रियों को माइकिंग और उद्घोषणा प्रणाली के जरिए होल्डिंग एरिया में भेजा जाएगा. इसके बाद जब संबंधित ट्रेन प्लेटफॉर्म पर लग जाएगी या आने वाली होगी, तब ट्रेन रवानगी से ठीक 10 मिनट पहले उस गाड़ी के यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से प्लेटफॉर्म पर भेजा जाएगा. इस व्यवस्था से प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी और भगदड़ की आशंका पूरी तरह खत्म हो जाएगी.

बांका न्यूक्लियर पावर प्लांट: 1400 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए बढ़ुआ जलाशय से मिलेगा 80 MCM पानी, जल संसाधन विभाग ने दी सशर्त NOC

पटना (एजेंसी) भागलपुर के शंभुगंज में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर एक बड़ा कदम उठाया गया है. बढ़ुआ जलाशय से 80 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध कराने के लिए जल संसाधन विभाग ने सशर्त अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है. इस प्रोजेक्ट के लिए गंगा से बढ़ुआ जलाशय तक पाइपलाइन बिछाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है. बांका जिले के शंभुगंज प्रखंड अंतर्गत गढ़ी मोहनपुर में प्रस्तावित 1400 मेगावाट क्षमता वाले महत्वाकांक्षी न्यूक्लियर पावर प्लांट के निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक और बड़ा कदम उठाया गया है. 700-700 मेगावाट की दो यूनिट वाले इस भारी-भरकम प्रोजेक्ट के सुचारू संचालन के लिए जल संसाधन विभाग ने बढ़ुआ जलाशय से सालाना 80 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) पानी उपलब्ध कराने हेतु सशर्त अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी कर दिया है. इसके साथ ही बाढ़ के दिनों में गंगा के सरप्लस पानी को

पाइपलाइन के जरिए बढ़ुआ जलाशय तक पहुंचाने के लिए भूमि के उपयोगकर्ता अधिकार (RoU) अर्जन की सरकारी प्रक्रिया भी तेज हो गई है. 4 के बदले 11 महीने गंगा से पहुंचेगा पानी, CWC की मंजूरी जरूरी न्यूक्लियर पावर प्लांट की सालाना 80 एमसीएम पानी की जरूरत पूरी करने के लिए मौजूदा जल अंतरण व्यवस्था में बदलाव करना होगा. जल संसाधन विभाग के अनुसार फिलहाल गंगा नदी से बढ़ुआ जलाशय में चार महीने तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था है. इसे बढ़ाकर 11 महीने करने का प्रस्ताव है. इसके लिए केंद्रीय जल आयोग की सहमति और अनापत्ति लेना जरूरी होगा. केंद्रीय जल आयोग की मंजूरी के बाद ही सालाना 80 एमसीएम पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी. एनपीसीआईएल को करना होगा 22 टउट पानी का रेडिएशन-रहित उपचार प्लांट के संचालन के बाद निकलने वाले करीब 22 एमसीएम पानी को उपचार के बाद ही बढ़ुआ जलाशय में वापस प्रवाहित किया जाना प्रस्तावित है. एनपीसीआइएल को इस पानी का आवश्यक उपचार कर उसे रेडियेशन-रहित करना होगा. इसके बाद ही इसे फ्लोबैक के रूप में जलाशय में छोड़ा जा सकेगा. इस प्रक्रिया में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण परिषद की ओर से निर्धारित मानकों का पालन करना होगा. पानी लेने के बदले देना होगा जलकर और शुल्क जल संसाधन विभाग की ओर से जारी एनओसी में कई शर्तें भी रखी गयी हैं. गंगा से औद्योगिक जरूरत के लिए पानी लेने के बदले बिहार सरकार की ओर से समय-समय पर निर्धारित जलकर और शुल्क का भुगतान करना होगा. जलापूर्ति के लिए निर्माण या पानी के उपयोग के दौरान विभाग की किसी परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचने पर संबंधित कार्यकारी विभाग को अपने खर्च पर उसकी भरपाई करनी होगी. सुरक्षा और आकस्मिक दुर्घटना की जिम्मेदारी भी तय एनओसी की शर्तों के अनुसार निर्माण और पानी के उपयोग के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना होगा. किसी आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में उसकी जिम्मेदारी संबंधित कार्यकारी विभाग की होगी. शर्तों का उल्लंघन होने पर जल संसाधन विभाग की ओर से एनओसी रद्द भी की जा सकती है. गंगा से बढ़ुआ जलाशय तक पाइपलाइन के लिए जमीन की प्रक्रिया शुरू प्लांट तक पानी पहुंचाने की योजना अब जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया तक पहुंच गयी है. बाढ़ अवधि में गंगा के अधिशेष पानी को बढ़ुआ जलाशय तक पहुंचाने के लिए बेलहर में पाइपलाइन बिछायी जायेगी. इसके लिए बांका जिला भू-अर्जन कार्यालय ने मौजा बेलहर में करीब 110.077 डिसमिल जमीन के उपयोगकर्ता अधिकार का अर्जन करने की प्रक्रिया के तहत अधिघोषणा जारी की है. आठ रैयतों की जमीन होगी शामिल अधिघोषणा के अनुसार पाइपलाइन परियोजना के लिए आठ रैयतों से संबंधित जमीन शामिल है. संबंधित भूमि का प्रकार दोफसला बताया गया है. यानी इस कृषि भूमि पर सामान्य तौर पर एक वर्ष में दो मुख्य फसलें उगायी जाती हैं. परियोजना के लिए करीब 110.077 डिसमिल भूखंड का उपयोग किया जाना है. आपत्तियों की प्रक्रिया के बाद जारी हुई अधिघोषणा जिला भू-अर्जन कार्यालय की ओर से हितबद्ध व्यक्तियों से आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया के बाद अधिघोषणा जारी की गयी है. यह कार्रवाई बिहार में भूमिगत पाइपलाइन संबंधी प्रावधानों के तहत की गयी है. अधिघोषणा जारी होने के साथ ही पाइपलाइन के लिए आवश्यक भूमि के उपयोग का अधिकार अर्जित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ गयी है. केंद्रीय जल आयोग की मंजूरी पर टिकी जलापूर्ति की अगली कड़ी जल संसाधन विभाग की सशर्त एनओसी मिलने के बावजूद प्लांट के लिए पानी की व्यवस्था को अंतिम रूप देने में केंद्रीय जल आयोग की मंजूरी अहम होगी. चार महीने की मौजूदा जल अंतरण अवधि को बढ़ाकर 11 महीने करने की अनुमति मिलने के बाद ही गंगा से बढ़ुआ जलाशय के जरिए सालाना 80 एमसीएम पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था पूरी तरह आगे बढ़ सकेगी.

चिराग और मांझी के बीच क्यों बढ़ रहा टकराव, बिहार में दलित नेतृत्व की जंग का समझिए क्या है पूरा खेल

पटना (एजेंसी) बिहार में दलित राजनीति के दो बड़े चेहरों जीतन राम मांझी और चिराग पासवान के बीच बढ़ती सियासी दूरी ने एनडीए के भीतर नई बहस छेड़ दी है. कोटे के अंदर कोटा से लेकर भरत तिवारी एनकाउंटर तक, कई मुद्दों पर दोनों नेताओं के अलग-अलग रुख सामने आए हैं. बिहार के दो बड़े दलित नेताओं के बीच पिछले महीने कोटे के अंदर कोटायानी आरक्षण में उप-वर्गीकरण को लेकर खुलकर बहस हुई. हालांकि, बीजेपी के हस्तक्षेप के बाद फिलहाल यह विवाद शांत पड़ गया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने दोनों नेताओं को एक बार फिर आमने-सामने ला दिया है. यह पहली बार नहीं है जब दोनों नेताओं के बीच किसी मुद्दे को लेकर खुला मतभेद सामने आया हो. इससे पहले भी कई मौकों पर दोनों ने एक-दूसरे से बिल्कुल अलग रुख अपनाया है. कुछ दिन पहले भोजपुर जिले का भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर भी दोनों नेता आमने सामने दिखे थे. चिराग पासवान ने बिहार की बीजेपी सरकार पर दबाव बनाने की बात कही, ताकि एनकाउंटर में शामिल पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सके. वहीं, जीतन राम मांझी

ने पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि 28 वर्षीय भरत तिवारी के पास बिना लाइसेंस का हथियार था और पुलिस की कार्रवाई सही थी. तिवारी, जो खुद को सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता बताते थे, 17 जून को पुलिस के साथ तीखी बहस के बाद हुई कार्रवाई में मारे गए थे. दलित नेतृत्व पर वर्चस्व की लड़ाई राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच लगातार दिख रहा टकराव दरअसल बिहार में दलित नेतृत्व को लेकर जारी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा है.दोनों नेता अनुसूचित जाति समुदाय के भीतर अलग-अलग सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं और एनडीए के भीतर खुद को अधिक प्रभावशाली दलित नेता साबित करने की कोशिश में हैं. यही वजह है कि अलग-अलग मुद्दों पर अलग- अलग रुख अपनाकर दोनों नेता अपने-अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने की कोशिश करते हैं. उनके बीच यह भी प्रतिस्पर्धा है कि बिहार में एनडीए के लिए कौन अधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली दलित चेहरा है. यही वजह है कि कई मुद्दों पर दोनों आमने-सामने दिखाई देते हैं. पिछले महीने दोनों कोटे के भीतर कोटा के सवाल पर सबसे ज्यादा मुखर हुआ. बीजेपी ने रणनीतिक तौर पर दलितों के भीतर उप-वर्गीकरण के मुद्दे पर सीधे तौर पर किसी एक पक्ष का समर्थन करने से दूरी बनाए रखी. केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी मुसहर समुदाय से आते हैं और लंबे समय से अनुसूचित जाति समुदाय के भीतर वंचित वर्गों के लिए अलग उप-कोटा की मांग करते रहे हैं. उनके बेटे और बिहार सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने भी आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की मांग की है. उनका तर्क है कि आजादी के करीब आठ दशक बाद यह समीक्षा जरूरी है कि आरक्षण का लाभ किन सामाजिक वर्गों तक पहुंचा है और कौन से वर्ग अब भी इससे वंचित हैं. मांझी और संतोष सुमन का कहना है कि वे आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं. उनका जोर या तो आरक्षण का दायरा बढ़ाने या उन वर्गों के लिए अलग व्यवस्था करने पर है, जिन्हें अब तक इसका पर्याप्त लाभ नहीं मिला है. दूसरी ओर, चिराग पासवान ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर का प्रावधान लागू करने की मांग का विरोध किया है. उनका कहना है कि आरक्षण आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि सदियों से चले आ रहे सामाजिक भेदभाव, बहिष्कार और छुआछूत जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए दिया गया है. इसी मुद्दे पर चिराग पासवान और जीतन राम मांझी के साथ उनके बेटे संतोष सुमन के बीच तीखा मतभेद सामने आया. इस विवाद पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पर्दे के पीछे से बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को हवा दे रही है.

IRCTC मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज होगी सुनवाई, लालू-राबड़ी-तेजस्वी समेत 16 आरोपियों पर तय हो सकते हैं आरोप

पटना (एजेंसी) मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज सुनवाई होगी. लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत 16 आरोपियों पर आरोप तय किए जा सकते हैं. इससे पहले 29 अगस्त को इस मामले में सुनवाई हुई थी, लेकिन कोर्ट ने फैसला टाल दिया था. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आज (सोमवार) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई होगी. ऐसे में लालू प्रसाद और उनके परिवार की मुश्किलें फिलहाल बरकरार हैं. लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव समेत 16 आरोपियों पर आज आरोप तय हो सकते हैं. क्या है पूरा मामला? जानकारी के मुताबिक, ईडी ने लालू प्रसाद समेत 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया था. इन पर आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहते

हुए के होटलों के संचालन और रखरखाव का ठेका देने में नियमों की अनदेखी की गई थी. ईडी ने लालू प्रसाद, राबड़ी देवी समेत कई आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की थी. जांच एजेंसी का आरोप जांच एजेंसी की ओर से आरोप लगाया गया था कि टेंडर प्रक्रिया में किसी तरह से हेरफेर की गई और प्राइवेट कंपनी को ठेका दिया गया. ईडी की माने तो, ठेका दिए जाने के एवज में लगभग तीन एकड़ की जमीन एक बेनामी कंपनी के माध्यम से हासिल की गई. इस मामले में ईडी की ओर से दावा किया गया था कि लालू प्रसाद और उनके परिवार के कनेक्शन इस कंपनी से जुड़े थे. पहले ीबीआई ने की थी जांच जानकारी के मुताबिक, इस पूरे मामले में पहले जांच सीबीआई ने की थी लेकिन इसके बाद ईडी ने इस मामले को उठाया. इसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया गया. टोटल 16 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई थी. पिछले साल ही आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार से जुड़े धाराओं में आरोप तय किया गया था. लेकिन आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया था. निचली अदालत को दी थी चुनौती इससे पहले मामले में 29 अगस्त को सुनवाई हुई थी. लेकिन कोर्ट ने फैसला टाल दिया था. लालू परिवार ने दिल्ली हाईकोर्ट में निचली अदालत के अक्टूबर 2025 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय किए गए हैं. ऐसे में आज कोर्ट की तरफ से क्या फैसला सुनाया जाता है, यह देखने वाली बात होगी.

बिहार में शिक्षकों की 15 हजार रुपये तक बढ़ सकती है सैलेरी, जानिए 7वें वेतनमान का और क्या-क्या मिल सकता है फायदा

पटना (एजेंसी) बिहार के शिक्षकों का प्रदर्शन लगातार जारी है. उनकी मांग है कि अगर उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा दिया गया है तो उन्हें 7वें वेतनमान का लाभ भी दिया जाए. मांग पूरी नहीं होने की वजह से शिक्षकों का गुस्सा सरकार के खिलाफ बढ़ता जा रहा है. : बिहार के लाखों शिक्षक इन दिनों 7वें वेतनमान का लाभ नहीं मिलने को लेकर परेशान हैं. पिछले दिनों उन्होंने जमकर प्रदर्शन भी किया था. शिक्षकों का कहना है कि अगर उन्हें राज्यकर्मी का दर्जा मिल चुका है तो अब उन्हें 7वें वेतनमान का लाभ क्यों नहीं मिल रहा है. अब तक वे इस लाभ से वंचित है. इसे लेकर शिक्षकों के बीच गुस्सा बढ़ता जा रहा है. पहले शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर काम करके विरोध जताया था. अब आंदोलन को और बड़ा करने की तैयारी है. शिक्षक संगठनों ने ऐलान किया है कि 2 अक्टूबर से पटना में आमरण अनशन शुरू किया जाएगा. शिक्षक संगठनों की ओर से सरकार को लेटर भी लिखा गया है. सैलरी में कितना हो

सकता है इजाफा? जानकारी के मुताबिक, अगर सरकार शिक्षकों की मांग मानकर 7वां वेतनमान और पे-मैट्रिक्स लागू करती है, तो शिक्षकों की मासिक सैलरी में करीब 15 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी होने का अनुमान है. लेकिन इसका सीधा असर सरकारी खजाने पर भी पड़ेगा. अनुमान के मुताबिक सरकार को हर साल 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ सकता है. फाइनेंशियल इयर 2026-27 में शिक्षा विभाग का बजट 68,216.95 करोड़ रुपये रखा गया है और इसका बड़ा हिस्सा शिक्षकों के वेतन पर खर्च होता है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें जानकारी के मुताबिक, इस आंदोलन का समय काफी अहम माना जा रहा है. बिहार में जल्द ही विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होने हैं, जिनमें 4 सीटें शिक्षक कोटे की हैं. ऐसे में शिक्षकों की नाराजगी राजनीतिक दलों के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है. ऐसे में देखना होगा कि शिक्षकों की मांग को लेकर सरकार की ओर से क्या फैसला लिया जाता

बिहार में बाढ़ से 20 लोगों की मौत, 12 जिलों में हाई अलर्ट, कहीं टूटे बांध तो कहीं पुल, कोसी-सीमांचल में बढ़ रहा खतरा

पटना (एजेंसी) बिहार में गंगा, कोसी, गंडक समेत कई नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. नदियों के किनारे वाले इलाकों में रह रहे लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है. पूरे 12 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है. बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौतें हुई हैं. बिहार में गंगा का उफान जारी है. नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने की वजह से लोगों की परेशानी बनी हुई है. सिर्फ गंगा ही नहीं बल्कि कोसी और गंडक नदी भी अपने रौद्र रूप में है. इससे वैशाली, बेगूसराय, सारण, बक्सर, भोजपुर, भागलपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, लखीसराय समेत कई जिले बाढ़ का कहर झेल रहे हैं. इस दौरान अलग-अलग जिलों में बाढ़ के पानी में डूबने से 20 लोगों की मौत हो गई. किस जिले में कितने लोग की मौत? मृतकों में सारण के पांच, पटना के चार, भोजपुर के तीन, वैशाली और भागलपुर के दो और बेगूसराय, पूर्णिया, लखीसराय और जमुई जिले का एक-एक व्यक्ति शामिल है. पटना जिले के पुनपुन प्रखंड में एक मासूम बच्ची समेत तीन लोगों और मनेर में एक की मौत हो गई. इस तरह से कई जिलों में बाढ़ का कहर साफ देखने के लिए मिल रहा है. सारण में टूटा बांध सारण के दरियापुर की मुजौना पंचायत के सेमरहिया के पास माही नदी का बांध टूटने से कई गांवों में पानी फैल गया. मांझी के इमादपुर वीन टोलिया के पास दाहा नदी का रिंग बांध टूटने से पानी भर गया है. हाजीपुर शहर में बाढ़ का पानी घुसने के कारण आने-जाने के लिए लोगों को नाव का भी सहारा लेना पड़ रहा है.मुंगेर और भागलपुर में बढ़ रहा गंगा का जलस्तर जल संसाधन विभाग के अनुसार मुंगेर और भागलपुर की तरफ गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है. इस पूरी स्थिति को लेकर सरकार के स्तर पर राहत और बचाव कार्य जारी है. संवेदनशील जगहों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती की गई है. खासकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश के बाद गंगा के किनारे वाले 12 जिले बक्सर, भोजपुर, पटना, वैशाली, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, भागलपुर और कटिहार में जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें

सोलर सेक्टर बना युवाओं की कमाई का नया जरिया, 11 हजार से ज्यादा को ट्रेनिंग, 20-25 हजार तक हर महीने रहे कमा

पटना (एजेंसी) बिहार में सोलर ऊर्जा का विस्तार युवाओं के लिए रोजगार का नया अवसर बन रहा है. सोलर प्लेट के रखरखाव के लिए 11 हजार से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दिया जा चुका है, जिनमें कई को 20 से 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन मिल रहा है. 104 सेंटर्स पर ट्रेनिंग जारी है. बिहार में सोलर ऊर्जा अब सिर्फ बिजली बचाने का जरिया नहीं रह गई है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार और कमाई का नया रास्ता भी बनती जा रही है. केंद्र और बिहार सरकार की गैर-पारंपरिक ऊर्जा को बढ़ावा देने की नीति के बीच राज्य

के बेरोजगार युवाओं को सोलर प्लेट के रखरखाव के लिए खास ट्रेनिंग दी जा रही है. 11 हजार से ज्यादा युवाओं को मिली ट्रेनिंग सबसे खास बात यह है कि 11 हजार से ज्यादा युवाओं को अब तक ट्रेनिंग दिया जा चुका है. इनमें बड़ी संख्या में युवाओं को ट्रेनिंग के बाद रोजगार भी मिल गया है. ये युवा देश और दूसरे राज्यों की अलग-अलग कंपनियों में काम कर रहे हैं और 20 से 25 हजार रुपये तक हर महीने कमा रहे हैं. लाखों घरों की छत पर लगेंगे सोलर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लोगों के घरों की छतों पर सोलर प्लेट लगाए जा रहे हैं. बिहार में अगले एक-दो सालों में लाखों घरों तक सोलर प्लेट पहुंचाने का लक्ष्य है. ऐसे में इनके रखरखाव की जिम्मेदारी को देखते हुए युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने पहले से ही प्रशिक्षित मैनपावर तैयार करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है. सोलर प्लेट लगाने वाली एजेंसियों को पांच साल तक इनके रखरखाव की जिम्मेदारी दी जानी है. ऐसे में प्रशिक्षित युवाओं की मांग बढ़ने की पूरी संभावना है. 104 सेंटर्स पर मिल रही ट्रेनिंग युवाओं को ट्रेनिंग देने के लिए राज्य में 104 ट्रेनिंग सेंटर बनाए गए हैं. आईटीआई के 87 प्रशिक्षकों का चयन किया गया है. इन केंद्रों पर सोलर प्लेट के रखरखाव से जुड़ा बेसिक ट्रेनिंग दिया जा रहा है. पिछले साल शुरू हुए इस कार्यक्रम का लक्ष्य 10 हजार लोगों को प्रशिक्षित करना था, लेकिन विभाग ने लक्ष्य से आगे बढ़कर 11 हजार से अधिक लोगों को ट्रेनिंग दी है. इसके अलावा पहले से इस क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को भी ऑन-जॉब ट्रेनिंग दी जा रही है. ऐसे 10 हजार से अधिक लोगों को ट्रेनिंग दिया जा चुका है. पुराने हुनर को भी मिलेगा प्रमाण पत्र असंगठित क्षेत्र में पहले से काम कर रहे लोगों के कौशल को प्रमाणित करने के लिए रिकोग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग के तहत ब्रिज कोर्स भी चलाया जा रहा है. इसमें 15 से 59 वर्ष तक के लोगों को ट्रेनिंग दी जी रही है.

सोने-चांदी की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव आया है। इन दोनो कीमती धातुओं में आज हल्की नरमी आई। आज 24 कैरेट सोने की कीमतें करीब 1,52,815 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं, बुलियन बाजार में 24 कैरेट सोना लगभग 1,53,340 रुपये प्रति 10 ग्राम बताया गया है। हालांकि, खुदरा बाजार मेंकीमतों में महत्वपूर्ण अंतर देखा जा रहा है। देश के प्रमुख शहरों की बात करें तो, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,54,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 1,16,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है। मुंबई और कोलकाता जैसे महानगरों में 24 कैरेट सोना करीब 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में यह आंकड़ा बढ़कर 1,56,670 रुपये तक पहुंच गया है, जो अन्य शहरों से थोड़ा अधिक है।इसके अलावा चांदी की कीमतों में भी आज हल्की नरमी आई है। आज चांदी लगभग 2,37,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है, जो पिछले कारोबारी सत्र में 2,37,658 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। खुदरा बाजार में चांदी का भाव शहर दर शहर बदलता है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में चांदी करीब 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। वहीं, चेन्नई सहित कुछ अन्य शहरों में इसका भाव 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है। गौरतलब है कि सोने और चांदी की कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति का गहरा असर पड़ता है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, डॉलर की चाल, कच्चे तेल की कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव जैसे कई कारण इन कीमती धातुओं के भाव को लगातार प्रभावित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेजी की कीमतों में तेजी आई है। ये तेजी अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आई है। इसी कारण ब्रेंट क्रूड करीब 0.6 फीसदी बढ़कर 96.8 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 92 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह भी कच्चे तेल में भारी तेजी आई है। इसमें ब्रेंट लगभग 7.8 फीसदी और डब्ल्यूटीआई लगभग 10 फीसदी महंगा हुआ था। इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास तेल टैंकरों पर हुए जवाबी हमले हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।अमेरिका और ईरान के बीच दोबारा तेज हुए हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आवाजाही काफी कम हो गई है। , पिछले 10 दिनों में औसतन सिर्फ 10 कमोडिटी जहाज रोजाना इस जलडमरूमध्य से गुजरे हैं, जो मई के बाद का सबसे निचला स्तर है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव आगे और बढ़ने की आशंका है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जा सकता है। यदि जहाजों की आवाजाही पर और अधिक पाबंदियां लगाई जाती हैं, तो वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति पर और दबव पड़ेगा जिससे कीमतें और बढ़ेगी। इस बीच, रविवार को हुई बैठक में ओपेक+ (तेल उत्पादक देशों का समूह) ने अक्टूबर के लिए अपनी तेल उत्पादन नीति में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे बाजार को कोई राहत नहीं मिली। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहने की आशंका ज्यादा है, जिसमें सीमित सैन्य कार्रवाई भी जारी रह सकती है। उनका अनुमान है कि 2026 के बाकी महीनों में पश्चिम एशिया से तेल निर्यात पर दबाव बना रह सकता है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार

बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली।

बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे।

सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया।

वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया। सोयाबीन इंदौर तेल भी 150 रुपए टूटकर 15,400 और सोयाबीन डीगम 200 रुपए गिरकर 11,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने और दूसरे खाद्य तेलों की तुलना में पाम तेल सस्ता होने से सीपीओ और पामोलीन के भाव मजबूत हुए। सीपीओ 150 रुपए बढ़कर 14,100 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली 150 रुपए बढ़कर 16,000 रुपए और पामोलीन एक्स-कांडला 100 रुपए बढ़कर 14,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

ऊंचे भाव पर लिवाली कमजोर रहने से बिनौला तेल 400 रुपए गिरकर 16,500 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

दूसरी ओर सरसों दाना 8,300-8,350 रुपए और सरसों तेल दादरी 16,800 रुपए प्रति क्विंटल पर स्थिर रहा। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपए और 2,735-2,885 रुपए प्रति 15 किलो टिन पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन 7,350-7,925 रुपए, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपए प्रति टिन पर स्थिर रहे।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया।

गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डॉलर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डॉलर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 94.49 पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया 10 पैसे की मजबूती के साथ लगभग 94.39 से 94.47 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और ईरान अमेरिका तनाव भी दबाव के कारण भी रुपया गिरा है। शेयर बाजार की गिरावट का प्रभाव भी भी रुपये पर आया है। वहीं पिछले कारोबारी दिन अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.53 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में बढ़त दर्ज करते हुए 94.46 के स्तर पर पहुंच गया। यह पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ था और 22 पैसे की बढ़त के साथ 94.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 382, निफ्टी 118 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 382.62 अंक नीचे आकर 76,132.81 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 118.55 अंक टूटकर 23,779.15 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के सत्र में कुल 4729 शेयरों में कारोबार हुआ। इसमें गिरावट वाले शेयरों की संख्या बढ़त वाले शेयरों से ज्यादा थी। 2470 शेयरों में लाल निशान पर कारोबार समाप्त हुआ, जबकि 2018 शेयरों में तेजी रही। वहीं 241 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में इन्फोसिस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी लाइफ के शेयर रहे जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, भारती एयरटेल, एलएंडटी, कोल इंडिया और मैक्स हेल्थकेयर के शेयरों में तेजी रही। फार्मा सेक्टर ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा जो बढ़त के साथ बंद हुआ।

इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक और रियल्टी जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में भी 0.5 फीसदी की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में बदलाव नहीं हुआ। ये बाजार में बिकवाली के दबाव को दिखाता है। बाजार में इस गिरावट के पीछे । वैश्विक तेल बेंचमार्क, ब्रेंट क्रूड की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ी वजह बनकर उभरी, जो 0.78 प्रतिशत बढ़कर 97 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति की चिंताओं को बढ़ाती हैं, जिसका असर शेयर बाजारों पर पड़ना स्वाभाविक है। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे, जबकि एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला - दक्षिण कोरिया का कोस्पी और जापान का निक्केई बढ़त में रहे, लेकिन शंघाई और हांगकांग के सूचकांक लाल निशान पर थे।विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार दूसरे सत्र में बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया।

शुक्रवार को विदेशी निवेशकोंने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,111.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं इससे पहले आज सुबह भी घरेलू बाजार गिरावट के साथ खुला था। सुबह सेंसेक्स 133.65 अंक की गिरावट के साथ 76,381.78 पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी50 भी 47.30 अंक नीचे आकर 23,850.40 के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न

बिटकॉइन 26 फीसदी चढ़कर 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया

नई दिल्ली,

पिछले एक महीने में सोना, चांदी और बिटकॉइन ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमत करीब 7.6 फीसदी और चांदी की कीमत करीब 6 फीसदी बढ़ी है। वहीं बिटकॉइन करीब 26 फीसदी चढ़कर दोबारा 80,000 डॉलर के स्तर के पार पहुंच गया है। हालांकि, अब इन परिसंपत्तियों की तेजी के सामने अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर बढ़ोतरी बड़ी चुनौती बन सकती है। सीएमई फेडवॉच के मुताबिक बाजार में इस साल के आखिर तक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाने की करीब 58 फीसदी संभावना जताई जा रही है। एक महीने पहले यह अनुमान करीब 45 फीसदी था। ब्याज दर बढ़ने पर अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड और डॉलर मजबूत हो सकते हैं। ऐसे में बिना ब्याज देने वाले सोने और चांदी की तुलना में बॉन्ड निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। बिटकॉइन जैसी जोखिम वाली परिसंपत्तियों पर भी ऊंची ब्याज दरों का दबाव पड़ सकता है।हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सोने की स्थिति कुछ अलग हो सकती है। दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की मांग बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के कमोडिटी विश्लेषक मानव मोदी के मुताबिक सोने और चांदी को अभी भी मजबूत मांग का समर्थन मिल रहा है, लेकिन फेड का सख्त रुख निकट अवधि में कीमतों के लिए चुनौती बन सकता है। केंद्रीय बैंक भी सोने की मांग को सहारा दे रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जुलाई तक केंद्रीय बैंकों ने करीब 130 टन सोना खरीदा है। चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार अपने स्वर्ण भंडार में इजाफा कर रहे हैं।

रसोई गैस के सिलेंडर की कीमतें स्थिर, पर व्यावसायिक सिलेंडर महंगा हुआ

नई दिल्ली । रसोई गैस के उपभोक्ताओं के लिए सोमवार को एक मिश्रित खबर सामने आई है। जहां एक ओर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे लाखों परिवारों को तत्काल राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह स्थिति विभिन्न आर्थिक वर्गों पर अलग-अलग तरह से असर डालेगी, खासकर उन कारोबारियों के लिए जिनकी ईंधन लागत सीधे तौर पर उनके उत्पादों और सेवाओं की कीमत को प्रभावित करती है।दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर आज भी 942 रुपये में उपलब्ध है, इसकी कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई है। हालांकि, यह राहत सिर्फ घरेलू उपभोक्ताओं तक ही सीमित है। होटल, रेस्तरां, ढाबे और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में वृद्धि हुई है। दिल्ली में अब यह सिलेंडर 2747.50 रुपये का मिलेगा, जबकि पिछले महीने इसकी कीमत 2738 रुपये थी। इस प्रकार, प्रति सिलेंडर 9.50 रुपये की मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह वृद्धि सीधे तौर पर इन व्यवसायों की परिचालन लागत को बढ़ाएगी।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को होने की संभावना

-12 सितंबर को होने वाली थी यह बैठक, ब्रिक्स सम्मेलन के कारण टाली

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक अब 7 अक्टूबर को नई दिल्ली में हो सकती है। पहले यह बैठक 12 सितंबर को होने वाली थी, लेकिन ब्रिक्स सम्मेलन के कारण इसे टाल दिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अभी नई तारीख की आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। जीएसटी अधिकारियों की तैयारी के लिए 5 और 6 अक्टूबर को बैठकें होंगी। पहली बैठक 5 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे और दूसरी 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगी।यह एक साल से ज्यादा समय बाद जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। पिछली बैठक 3 और 4 सितंबर 2025 को हुई थी। इसमें जीएसटी व्यवस्था में बड़े बदलाव को मंजूरी दी गई थी। इन बदलावों के तहत ज्यादातर वस्तुओं और सेवाओं को 5 और 18 फीसदी की दो मुख्य कर दरों में रखा गया था। कुछ महंगी और ज्यादा कर वाली वस्तुओं के लिए 40 फीसदी की विशेष दर भी तय की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में होने वाली बैठक में इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिफंड और जीएसटी अनुपालन से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। कुछ मामलों में आईटीसी के दावे से जुड़ी पाबंदियों को आसान करने और उलटी शुल्क संरचना के कारण जमा हो रहे क्रेडिट की समस्या दूर करने के प्रस्तावों पर भी विचार हो सकता है।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना

कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लॉन्च

नई दिल्ली।

मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है।

यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।बनर्जी ने कहा कि मारुति की प्रीमियम हैचबैक बिक्री अप्रैल और अगस्त के बीच 28 फीसदी बढ़ी, जबकि उद्योग की वृद्धि 17 फीसदी रही। कंपनी नई बलेनो के साथ अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है।

इसमें एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम समेत कई नई खूबियां हैं। कंपनी को उम्मीद है कि साल 2030 तक देश में यात्री वाहनों का समूचा बाजार 61 लाख से 63 लाख वाहनों तक पहुंच जाएगा। अनुमान है कि तब तक बाजार में एसयूवी की हिस्सेदारी 62 से 63 फीसदी होगी, जबकि हैचबैक और मल्टी-पर्पज व्हीकल के लिए करीब 37 से 38 फीसदी हिस्सेदारी ही बचेगी। बनर्जी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह उद्योग करीब 63 लाख वाहनों का होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मारुति को गैर-एसयूवी श्रेणी में काफी गुंजाइश दिख रही है। कंपनी का अनुमान है कि साल 2030 तक यह बाजार लगभग 25 लाख वाहनों तक पहुंच सकता है, जबकि इस क्षेत्र में उसका अपना कारोबार मौजूदा करीब 6 लाख वाहनों से बढ़कर 12 लाख वाहनों तक हो सकता है।फिलहाल मारुति हर महीने करीब 16,000 से 16,500 बलेनो बेचती है।

उसकी फ्रॉन्क्स क्रॉसओवर की लगभग 17,000 से 18,000 गाड़ियां बिकती हैं। दोनों मॉडल एक ही प्रोडक्शन लाइन पर बनाए जाते हैं। साथ ही कंपनी दोनों मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि के आधार पर इनका उत्पादन घटाती-बढ़ाती है। कंपनी ने इस सप्ताहांत करीब 6.1 लाख रुपए से शुरू होने वाली नई बलेनो बाजार में उतारेगी।

नई बलेनो में एडीएएस के साथ ह्यूमन डिटेक्शन की सुविधा भी मिलेगी। बनर्जी के मुताबिक प्रीमियम हैचबैक श्रेणी में ऐसा पहली बार हो रहा है।

एनएसई ने किया शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव

-अब सुबह 9 से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट के लगा सकेंगे ऑर्डर

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने शेयर बाजार के प्री-ओपन सेशन के नियमों में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में सुबह 9 बजे से 9:15 बजे तक चलने वाले प्री-ओपन सेशन के दौरान ऑर्डर लगाने, बदलने और रद्द करने की समय सीमा में बदलाव किया गया है। यह व्यवस्था इक्विटी कैश मार्केट के सभी शेयरों के साथ एसएमई शेयर, इनविट्स, रीट्स और डेरिवेटिव सेगमेंट पर भी लागू होगी। सबसे बड़ा बदलाव शुरुआती पांच मिनट में किया। अब सुबह 9 बजे से 9:05 बजे तक निवेशक मार्केट और लिमिट दोनों तरह के ऑर्डर लगा सकेंगे। इस दौरान ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द करने की भी सुविधा होगी। पहले यह समय सुबह 9 बजे से 9:08 बजे तक था।

रिपोर्ट के मुताबिक सुबह 9:05 से 9:10 बजे के बीच नए लिमिट ऑर्डर लगाए जा सकेंगे। पहले लगाए गए लिमिट ऑर्डर में बदलाव या उसे रद्द किया जा सकेगा, लेकिन मार्केट ऑर्डर को बदलने या रद्द करने की अनुमति नहीं होगी। इस अवधि के आखिरी दो मिनट में सिस्टम अचानक ऑर्डर लेना बंद कर सकता है। ऐसे में ट्रेडर्स के लिए समय पर फैसला लेना जरूरी होगा। सुबह 9:10 से 9:12 बजे तक ऑर्डर मैच किए जाएंगे और इसी प्रक्रिया के आधार पर शेयरों की शुरुआती कीमत तय होगी। इसके बाद 9:12 से 9:15 बजे तक बफर पीरियड रहेगा और फिर सुबह 9:15 बजे सामान्य कारोबार शुरू होगा।

एनएसई के मुताबिक ओपनिंग प्राइस मांग और आपूर्ति के आधार पर तय की जाएगी। इसे इक्विलिब्रियम प्राइस कहा जाता है। यानी वह कीमत चुनी जाएगी, जिस पर सबसे ज्यादा शेयरों की खरीद-बिक्री संभव हो। अगर कई कीमतों पर समान मात्रा में कारोबार संभव हो, तो खरीद और बिक्री के ऑर्डर के बीच सबसे कम अंतर वाली कीमत को प्राथमिकता मिलेगी। इसके बाद भी स्थिति बराबर रहने पर पिछले कारोबारी दिन की क्लोजिंग कीमत के सबसे करीब वाली कीमत को शुरुआती कीमत माना जाएगा। नई व्यवस्था के बाद बाजार खुलने से पहले के शुरुआती पांच मिनट ट्रेडर्स के लिए खास तौर पर अहम होंगे, क्योंकि इस दौरान रातभर आई खबरों और वैश्विक बाजारों की हलचल के आधार पर ऑर्डर तेजी से बदल सकते हैं।

पर्पल स्टाइल लैब्स का शेयर 535 के भाव पर खुला, निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान

-शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन और माधुरी दीक्षित का भी इसमें लगा है पैसा

नई दिल्ली,।

पर्पल स्टाइल लैबेस शेयर की स्टॉक मार्केट में शुरुआत फीकी रही है। एनएसई और बीएसई पर यह शेयर करीब 7 फीसदी के डिस्काउंट पर लिस्ट हुआ है। पर्पल स्टाइल लैबेस का शेयर 535 रुपए के भाव पर खुला। यह 575 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस से 6.96 फीसदी कम है यानी हर शेयर पर आईपीओ निवेशकों को 40 रुपए का नुकसान हुआ। वहीं, बीएसई पर कंपनी के शेयर 539 पर लिस्ट हुआ जो इश्यू प्राइस के मुकाबले 6.26 फीसदी की गिरावट दिखाता है।रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर और माधुरी दीक्षित का भी पर्पल स्टाइल लैब्स में पैसा लगा है। लिस्टिंग के बाद पर्पल स्टाइल लैबेस का बाजार पूंजीकरण करीब 4,315.29 करोड़ हो गया। सोमवार सुबह पर्पल स्टाइल लैब के शेयर ग्रे मार्केट में 2 फीसदी डिस्काउंट पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन लिस्टिंग ग्रे मार्केट के अनुमान से भी ज्यादा डिस्काउंट पर हुई।पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओ को 2 सितंबर को बंद हुआ था। इशे यू 1.36 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसे रिटेल कैटेगरी में 1.66 गुना, क्युआईबी कैटेगरी में 1.50 गुना और एनआईआई कैटेगरी में 0.89 गुना बोलियां मिली थी। 680 करोड़ रुपए का यह आईपीओ पूरी तरह फ्रेश इश्यू था। इसका प्राइस बैंड 546 से 575 प्रति शेयर तय था। एक लॉट में 26 शेयर थे। रिटेल निवेशक कम से कम एक लॉट के लिए बोली लगाना अनिवार्य था। अपर प्राइस बैंड के हिसाब से रिटेल निवेशकों ने इस आईपीओ में कम से कम 14,950 रुपए लगाए। हर लाट पर उन्हें अब 1040 रुपए का नुकसान हुआ है। पर्पल स्टाइल लैबेस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 75फीसदी, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए 15फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 10फीसदी कोटा आरक्षित था।

सुपरफूड बनेगा शकरकंद, हाइब्रिड आलू से सशक्त होंगे किसान : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि शकरकंद को अब पारंपरिक सोच से बाहर निकालकर एक आधुनिक सुपरफूड के रूप में बड़े पैमाने पर ब्रांडिंग करने की आवश्यकता है, जिससे शहरी और ग्रामीण बाजारों में इसकी मांग बढ़े और छोटे किसानों को उनकी उपज का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि आगरा नवाहार का हब बनेगा।

चौहान सोमवार को यहां कृषि भवन में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के महानिदेशक डॉ. सिमोन हेक के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत आज कृषि अनुसंधान, खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसमें आगरा स्थित दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की प्रगति, आधुनिक ब्रीडिंग तकनीकों, उन्नत जर्मप्लाज्म और किसानों की आय वृद्धि से जुड़े रणनीतिक मुद्दों पर विस्तृत और सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही इसे नवाचार के हब के रूप में विकसित करने पर भी चर्चा की गयी।

केंद्रीय मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भारत का विजन अत्यंत व्यापक है। हमारा लक्ष्य केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं है, बल्कि हम इस साझेदारी और समन्वय के जरिए पूरी दुनिया की भलाई और वैश्विक आबादी के हित में काम करना चाहते हैं। अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र जैसी वैश्विक संस्थाएं इस वैश्विक सहयोग और समन्वय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

उन्होंने बैठक में सुझाव देते हुए कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और सीआईपी के कार्यों में किसी भी प्रकार का दोहराव नहीं होना चाहिए। दोनों संस्थाओं के बीच कार्य का स्पष्ट विभाजन हो ताकि संसाधनों की बबार्दी न हो और कुछ नया एवं अनूठा नवाचार निकलकर सामने आए। उन्होंने जोर दिया कि आगरा केंद्र के माध्यम से वैश्विक स्तर का नया और उन्नत जर्मप्लाज्म देश में आना चाहिए, जिससे यहां की कृषि परिस्थितियों के अनुकूल नई किस्में विकसित हों और देश के आलू उत्पादक किसानों को उसका सीधा लाभ मिल सके।

सीआईपी के महानिदेशक डॉ. सिमोन हेक ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को आश्वस्त किया कि आगरा में स्थापित हो रहा सीसार्क केंद्र पूरे दक्षिण एशिया- विशेषकर भारत, नेपाल, बांग्लादेश और भूटान के लिए एक प्रमुख वैज्ञानिक मंच के रूप में कार्य करेगा। यह केंद्र हाइब्रिड आलू तकनीक, बायोफोर्टिफाइड फसलों और जलवायु-सहिष्णु किस्मों जैसी वैश्विक वैज्ञानिक उपलब्धियों को भारतीय प्राथमिकताओं से जोड़ेगा। इससे आलू की बीज उत्पादन प्रणाली में क्रांतिकारी तेजी और सटीकता आएगी, साथ ही निजी क्षेत्र के निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

बैठक में चर्चा के दौरान शकरकंद (स्वीट पोटैटो) के पोषण और आर्थिक महत्व पर विशेष मंथन किया गया। इसमें तय हुआ कि आयरन, जिंक और विटामिन-ए से भरपूर 'ऑरेंज-फ्लेश्ड' बायोफोर्टिफाइड शकरकंद की उन्नत किस्मों को भारतीय किसानों तक पहुंचाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शकरकंद को अब पारंपरिक सोच से बाहर निकालकर एक आधुनिक सुपरफूड के रूप में बड़े पैमाने पर ब्रांडिंग करने की आवश्यकता है, जिससे शहरी और ग्रामीण बाजारों में इसकी मांग बढ़े और छोटे किसानों को उनकी उपज का अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

चौहान ने सीआईपी के प्रतिनिधिमंडल का भारत आगमन पर स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया और भरोसा जताया कि कृषि मंत्रालय, आईसीएआर और सीआईपी का यह साझा प्रयास न केवल भारत और दक्षिण एशिया, बल्कि पूरी दुनिया के कृषि परिदृश्य में एक नया सकारात्मक अध्याय लिखेगा।

बैठक में केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चंद्रा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट और उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थापित हो रहे सीसार्क के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुधांशु सिंह के अलावा केंद्रीय बागवानी आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के एमडी कपिल मीणा के साथ समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

बागपत सड़क हादसे में मरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 12 हुई

मुख्यमंत्री योगी ने मुआवजे का ऐलान किया

एजेंसी

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में स्थित पूर्वी पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में मरने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। 24 लोग घायल हैं, जिनका इलाज अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए मृतकों के परिजनों दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क हादसे में घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए जिला प्रशासन को आदेश दिए है। यह भी कहा कि इस दुख की घड़ी में सरकार पीड़ितों के साथ है, हर संभव मदद की जाएगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मेरठ जिले के मंडल आयुक्त (कमिश्नर) भानु चन्द्र गोस्वामी और मेरठ के अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) मेरठ भानु भास्कर ने घायलों का हालचाल लिया। उनके साथ बागपत जिले की जिलाधिकारी अस्मिता लाल और पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय भी मौजूद रहे। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को पीड़ितों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनके इलाज की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायल को बेहतर इलाज मिलना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के पीछे और क्या कारण हो सकते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब राजस्थान के गोगामेड़ी धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा एक पिकअप वाहन बागपत से होते हुए बदायूं की ओर जा रहा था। रविवार देर रात करीब 12:30 बजे, जैसे ही वाहन बागपत के बड़ा गांव के पास एक्सप्रेस–वे पर पहुंचा। आशंका है कि चालक को नींद की झपकी आ गई। स्टेयरिंग से नियंत्रण खोने के बाद वाहन डिवाइडर पर चढ़ा और पलट गया। हादसे के बाद श्रद्धालुओं में देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद बागपत पुलिस प्रशासन हरकत में आया और तत्काल कई पीआरवी और एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। स्वयं जिलाधिकारी अस्मिता लाल और एसपी सूरज कुमार राय ने रात को ही मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य में कोई कमी नहीं छोड़ी। घायलों को तत्काल बागपत के तीन अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर उपचार के लिए मेरठ के हायर सेंटर रेफर किया गया।

बागपत जिला अस्पताल सीएमएस अनुराग वाष्णेय ने बताया कि जनपद में अब तक छह लोगों की मौत हुई है। इनमें साधु, रामसिंह, जितेंद्र, मुनीम, रामेश्वर और सुगड़ पाल शामिल है। जबकि अन्य छह लोगों ने मेरठ के अस्पताल में दम तोड़ा हैं। मृतकों में मूर्ति (35), भानवती (52), प्रेमवती (50), दीक्षा (02), एक 45 वर्षीय अज्ञात महिला और चार साल का बच्चा शामिल है।

घटना का संज्ञान लेकर एडीजी मेरठ भानु भास्कर ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनके हालचाल जाने। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा ह्लयह बेहद दुखद हादसा है। पुलिस और प्रशासन पूरी तरह पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। मेरठ मंडलायुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने और पीड़ितों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल पीड़ित मरीजों को बेहत इलाज मुहैया कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। वे लगातार अधिकारियों को दिशा निर्देश दे रही है और चिकित्सकों से उनके हालचाल भी ले रही है। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लंबे सफर और रात के समय वाहन चलाने के कारण चालक को नींद की झपकी आ गई है,जिससे यह हादसा हुआ है। जबकि जिला अस्पताल सीएमएस अनुराग वाष्णेय का मानना है कि हाईवे पर इस तरह के हादसे अक्सर ड्राइवर की थकान और लापरवाही के कारण होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

आद्रा मंडल में रोलिंग ब्लॉकः चक्रधरपुर-गोमो मेमू महुदा तक ही चलेगी, कई तिथियों पर बदला परिचालन

धनबाद(बिभा): दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में आवश्यक रोलिंग ब्लॉक लिए जाने के कारण ट्रेनों के परिचालन में फेरबदल किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, गाड़ी संख्या 18116/18115 चक्रधरपुर-गोमो-चक्रधरपुर मेमू एक्सप्रेस का परिचालन 8, 11 और 13 सितंबर 2026 को प्रभावित रहेगा। इन तिथियों पर यह ट्रेन गोमो के बजाय महुदा स्टेशन तक ही जाएगी तथा वहीं से इसका आंशिक समापन और प्रारंभिक परिचालन किया जाएगा। महुदा और गोमो के बीच इस ट्रेन की सेवा इन तारीखों पर रद्द रहेगी।

किता-सिल्ली के बीच डाउन लाइन ब्लॉकः बर्द्धमान-हटिया मेमू 8 सितंबर को गोमो तक ही चलेगी

धनबाद(बिभा): रांची रेल मंडल के अंतर्गत किताझसिल्ली स्टेशन के मध्य डाउन लाइन पर लिए जाने वाले आवश्यक ब्लॉक के कारण ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, दिनांक 08 सितंबर 2026 को गाड़ी संख्या 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस का परिचालन प्रभावित रहेगा। यह ट्रेन हटिया तक न जाकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस गोमो (ने.सु.च.बो.गोमोह) स्टेशन तक ही चलेगी और वहीं से इसका आंशिक समापन एवं प्रारंभिक परिचालन किया जाएगा। गोमो से हटिया के बीच इस ट्रेन की सेवा 8 सितंबर को स्थगित रहेगी।

आसनसोल-वाराणसी मेमू एक्सप्रेस अब 12 कोच वाली आईसीएफ रेक के साथ चलेगी

आसनसोल(बिभा): रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए गाड़ी संख्या 13553/13554 आसनसोल-वाराणसी-आसनसोल मेमू एक्सप्रेस के रेक में अस्थायी बदलाव किया है। यह ट्रेन 5 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक 12 कोच वाली पारंपरिक आईसीएफ रेक के साथ परिचालित की जाएगी। संशोधित संरचना के अनुसार, इस ट्रेन में कुल 12 डिब्बे होंगे, जिनमें 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 2 एसएलआरडी कोच शामिल रहेंगे। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस संशोधित कोच व्यवस्था को ध्यान में रखकर ही अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने डीडीयू-सोन नगर रेलखंड का किया निरीक्षण

हाजीपुर(बिभा): पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने सोमवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत डीडीयू-सोन नगर रेलखंड का विंडो निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलपथ, ट्रैक की स्थिति, संरक्षा से जुड़े पहलुओं तथा अनुरक्षण एवं परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्यों में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने चंदौली मझवार स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। इस दौरान प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, स्टेशन परिसर, परिचालन, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता एवं यात्री सुविधाओं के सतत उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात सासाराम स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया। महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, यात्री प्रतीक्षालय, विद्युत व्यवस्था, शौचालय सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन परिसर की अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सोन नगर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने परिचालन एवं यात्री सुविधाओं का जायजा लेते हुए प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, यात्री प्रतीक्षालय, तथा रेलवे अंडरपास का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलकर्मियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली, व्यवस्था को जाना। निरीक्षण के दौरान पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्य निकेतन हादसा : मालिक दंपति और बेटा गिरफ्तार, बचाव अभियान खत्म, सात की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली, 07 सितंबर (हि.स.)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढहने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मकान मालिक के परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संपत्ति की मालकिन उर्मिला गुप्ता (75), उनके पति हरिराम गुप्ता (81) और बेटे महेश गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद चलाए गए लंबे बचाव अभियान में मलबे के नीचे दबे कुल 12 लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हादसे के बाद विभिन्न एजेंसियों ने लगातार मलबा हटाने और दबे लोगों को तलाशने का अभियान चलाया। बचाव अभियान पूरा होने के बाद पुलिस ने साफ किया कि मलबे से कुल 12 लोगों को निकाला गया था। अस्पताल में सात लोगों ने दम तोड़ दिया। शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

हादसे में जान गंवाने वालों में ज्यादातर युवा छात्र थे। मृतकों की पहचान अभिषेक (20), युवराज सोनी (20), पवन (17), अर्पित जहाज (19), अक्षत सिंह यादव (18) और 75 वर्षीय सुरिंदर सिंह के रूप में हुई है। एक मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

अभिषेक उत्तर प्रदेश के सोनभद्र का रहने वाला था, जबकि युवराज सोनी छत्तीसगढ़ के दुर्ग का निवासी था। 17 वर्षीय पवन उत्तर प्रदेश के औरैया का रहने वाला था। अर्पित जहाज मध्य प्रदेश के देवास और अक्षत सिंह यादव मध्य प्रदेश के कटनी का रहने वाला था। सभी पांचों युवा छात्र थे। वहीं, 75 वर्षीय सुरिंदर सिंह मजदूरी करते थे। सातवें मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

हादसे में घायल पांच लोगों का इलाज चल रहा है। इनकी पहचान असगर अली (30), नीरज बावा (19), आदित्य कुमार (19), नितिश चिब (19) और मोहम्मद अयान (18) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक पांच घायलों में तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है।

पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि जिस संपत्ति में हादसा हुआ, वह उर्मिला गुप्ता के नाम पर है। हालांकि, संपत्ति का प्रबंधन और संचालन उनके पति हरिराम गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता द्वारा किया जा रहा था। पुलिस के अनुसार हरिराम के नाम इमारत की दो मंजिलों के बिजली कनेक्शन भी हैं। हरिराम गुप्ता भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड सार्जेंट हैं। वहीं उनका बेटा महेश हार्डवेयर और पेंट की दुकान चलाता है। महेश के दो बच्चे हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि इमारत का इस्तेमाल किस तरह किया जा रहा था और इसमें रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर क्या इंतजाम किए गए थे।

हादसे के बाद पुलिस ने मकान मालिक हरिराम गुप्ता को राजस्थान के भिवाड़ी से पकड़ा था। इसके बाद जांच आगे बढ़ने पर उनकी पत्नी उर्मिला गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता की भूमिका भी सामने आई। पुलिस ने तीनों को मामले में गिरफ्तार कर लिया है। अब उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इमारत के निर्माण, रखरखाव और उसमें चल रहे पीजी से संबंधित फैसले कौन ले रहा था।

प्रयागराज मंडल में माल ढुलाई को मिला नया आयामः कानपुर से 4 साल बाद मक्का लदान, पनकीधाम से बांग्लादेश भेजा गया डि-ऑयल केक

बिहान भारत

प्रयागराजः प्रयागराज रेल मंडल ने माल परिवहन को गति देने और नए ग्राहकों को जोड़ने की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के नेतृत्व और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शीरत फातिमा के पर्यवेक्षण में कानपुर और पनकीधाम गुड्स शेड से कई नए लदान रिकॉर्ड दर्ज किए गए।

उप मुख्य यातायात प्रबंधक (कानपुर) अकांशु गोविल के निर्देशन में केंद्रीय माल गोदाम, कानपुर से पिछले चार वर्षों में पहली बार 20 बीसीएन वैगनों में मक्के का लदान किया गया। इस क्षेत्र से मक्के की पहली रेल लोडिंग से रेलवे को 16,64,458 रुपये का मालभाड़ा राजस्व प्राप्त हुआ है। वहीं, पनकीधाम गुड्स शेड की नवनिर्मित लाइन संख्या 15 से भी पहली बार माल लदान की शुरूआत हुई। इस नई लाइन से पनकीधाम से रोहनपुर (बांग्लादेश) के लिए 21 बीसीएन वैगनों में डि-ऑयल केक भेजा गया, जिससे रेलवे को लगभग 24 लाख रुपये राजस्व मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, पनकीधाम से ही सिलचर के लिए 4 वैगनों में चावल का लदान किया गया, जिससे 6,71,535 रुपये का राजस्व मिला।

रेल प्रशासन के अनुसार, टीम समन्वय और व्यापारियों से सतत संपर्क के जरिए नई कमोडिटी और ग्राहकों को सड़क परिवहन की तुलना में सस्ता व सुरक्षित रेल विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। भविष्य में भी माल लदान बढ़ाने और स्थानीय उद्योगों को बेहतर लॉजिस्टिक्स सुविधाएं देने के लिए यह अभियान जारी रहेगा।

ट्रेनों में बेवजह चेन पुलिंग पर कड़ा एक्शनः प्रयागराज मंडल में 8 महीनों में 2528 लोग गिरफ्तार, कानपुर सेंट्रल सबसे आगे

बिहान भारत

प्रयागराजः ट्रेनों के सुरक्षित और समयबद्ध परिचालन को बाधित करने वाली अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग (अउढ) के खिलाफ प्रयागराज रेल मंडल ने सख्त रुख अपनाया है। 1 जनवरी से 31 अगस्त 2026 तक चलाए गए विशेष निगरानी एवं प्रवर्तन अभियान के तहत बिना उचित कारण चेन खींचने के आरोप में कुल 2,528 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आपातकालीन परिस्थितियों के लिए होती है। इसका बेवजह इस्तेमाल न सिर्फ ट्रेनों की लेटलतीफी का कारण बनता है, बल्कि अन्य यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन व्यवस्था को भी खतरे में डालता है।

आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष जून में सर्वाधिक 397 और मई में 386 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा जनवरी में 274, फरवरी में 244, मार्च में 341, अप्रैल में 318, जुलाई में 289 और अगस्त में 279 गिरफ्तारियां हुईं।

आरपीएफ पोस्ट-वार कार्रवाई में कानपुर सेंट्रल 392 गिरफ्तारियों के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद टूंडला में 250, इटावा में 199, अलीगढ़ में 191, प्रयागराज जंक्शन में 182, फतेहपुर में 170 और नैनी में 162 लोगों को दबोचा गया। मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों जैसे फफूंद, मिजार्पुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर और सूबेदारगंज में भी व्यापक कार्रवाई की गई।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अलार्म चेन का उपयोग केवल वास्तविक आपात स्थिति में ही करें। बेवजह चेन खींचना दंडनीय अपराध है और ऐसा करने वालों के खिलाफ निगरानी रखकर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ईसीआरकेयू प्रतिनिधिमंडल ने सीएमएस से की मुलाकात, रेल कर्मचारियों की चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की मांग

बिभा संवाददाता

धनबाद। ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को धनबाद मंडल रेल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. ए. एम. टोपनो से मुलाकात कर कर्मचारियों व उनके परिजनों की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने की मांग रखी, ताकि गंभीर और जटिल रोगों के इलाज के लिए मरीजों को भटकना न पड़े। इसके अलावा टाई-अप अस्पतालों में रेफरल प्रक्रिया को सरल बनाने तथा ओपीडी और दवा वितरण काउंटरों पर लगने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता व्यवस्था करने की मांग की गई।

यूनियन ने जांच लैब के मौजूदा समय (सुबह 9:00 से 11:00 बजे) को एक घंटा बढ़ाकर दोपहर 12:00 बजे तक करने की बात कही, जिससे अधिक संख्या में लोग पैथोलॉजी सुविधाओं का लाभ ले सकें। प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि रेलकर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दिलाना यूनियन की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में चमारी राम, अजय कुमार तिवारी, सोमेन दत्ता, जितेंद्र कुमार साहू, बीके साहू, नीलकमल खवास, प्रशांत बनर्जी, मंटू सिन्हा, चंद्रशेखर प्रसाद, नेताजी सुभाष, परमेश्वर कुमार, कंचन दास, अजय कुमार सिंह, श्याम मोहन और पंकज कुमार प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

राजभाषा पखवाड़ा के अवसर पर मुख्यालय, हाजीपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बिहान भारत

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में राजभाषा पखवाड़ा-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का अयोजन किया जा रहा है । इसी कड़ी में आज मुख्यालय के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री केशव त्रिपाठी ने किया । उन्होंने सभी से अपना अधिकतम कार्य हिंदी में करने को कहा । उनका कहना था कि राजभाषा पखवाड़ा का अवसर आत्मविश्लेषण का भी है कि हम सभी हिंदी को अपने जीवन में उतारें । उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों से राजभाषा नीति, नियम और अधिनियम के साथ संविधान में राजभाषा के लिए वर्णित विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तार से चर्चा की । उन्होंने राजभाषा के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला और राजभाषा की लंबी यात्रा एवं उसके विकास को रेखांकित किया ।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री राजकिशोर सिंह, वरि. अनुवादक ने उपस्थित कर्मचारियों से हिंदी वर्तनी संबंधी सामान्य त्रुटियों के संबंध में विस्तार से कर्मचारियों को अवगत कराया गया । कार्यक्रम के अंत में श्री विनय कृष्ण, वरि. अनुवादक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com